Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 25 February 2024 ● Year : 01 ● Issue : 39 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

हम संसार को गलत पढ़ते हैं और कहते हैं कि वह हमें धोखा देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी फिल्म का...

SHARE

सेंसेक्स	:	73,142.80
निफ्टी	:	22,212.70

SARAFA

सोना	:	5,930
चांदी	:	76.04

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

यूपी में पेपर लीक के बाद सिपाही भर्ती परीक्षा रद्द

LUKHNOW : यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा शनिवार को रद्द कर दी गई। 17 और 18 फरवरी को यह परीक्षा यूपी के 75 जिलों में परीक्षा हुई थी। इसमें 48 लाख से ज्यादा छात्र शामिल हुए थे। इसके बाद से ही पेपर लीक होने का आरोप लगाकर पूरे प्रदेश में छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। योगी यूपी सरकार ने 6 महीने में फिर से परीक्षा कराने का फैसला किया है। पुलिस भर्ती में 60 हजार 244 पद थे। परीक्षा के दौरान 287 सॉल्वर और उनकी गैंग से जुड़े लोग पकड़े गए थे। छात्रों का आरोप था कि परीक्षा से एक दिन पहले ही पेपर वॉट्सऐप और टेलीग्राम ग्रुपों में सकुर्लेट हो रहा था। आरोप था कि टेलीग्राम पर 100-100 रुपए में परीक्षा के पेपर बेचे गए। इसके बाद भी परीक्षा कराई गई। पेपर लीक को लेकर पुलिस भर्ती बोर्ड को 1500 शिकायतें मिली थीं।

दिल्ली में 4 सीटों पर आप तीन पर कांग्रेस लड़ेगी

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच लोकसभा सीटों का बंटवारा शनिवार को फाइनल हो गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी 4 और कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात की 26, हरियाणा की 10, गोवा की 2 और चंडीगढ़ सीट के लिए भी शेयरिंग फॉर्मूला फाइनल हो गया है। कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक और आप लीडर संदीप पाठक ने शनिवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पंजाब में दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। गुजरात की भरूच कांग्रेस ने आप को दे दी। इसको लेकर अहमद पटेल की बेटी मुमताज ने एक्स पर लिखा- जिले के कार्यकर्ताओं से माफी चाहती हूं कि गठबंधन में हम भरूच सीट को अपने लिए नहीं रख पाए।

बिलकिस बानो केस के दोषी को 10 दिन की पैरोल

AHMEDABAD : गुजरात हाई कोर्ट ने बिलकिस बानो केस के एक आरोपी रमेश चंदना को 20 दिन की पैरेल दी है। दोषी को यह पैरोल 5 मार्च को होने वाली अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए दी गई है। चंदना ने पिछले हफ्ते पैरोल के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले भी चंदना को लंबे समय की पैरोल मिल चुकी है। जस्टिस दिव्येश जोशी ने शुक्रवार को जारी अपने आदेश में कहा, इस आवेदन के जरिए दोषी-आवेदक अपनी बहन के बेटे के विवाह समारोह में शामिल होने के आधार पर पैरोल की प्रार्थना करता है। इस आवेदन में आग्रह किए गए आधारों को ध्यान में रखते हुए, आवेदक-अभियुक्त को दस दिनों की अवधि के लिए पैरोल अवकाश पर रिहा करने का आदेश दिया जाता है।

कांग्रेस होती तो आज भी एक रुपये में 15 पैसे ही जनता तक पहुंचती : पीएम

छत्तीसगढ़ में 34,427 करोड़ की परियोजनाओं का पीएम ने किया लोकार्पण और शिलान्यास

AGENCY RAIPUR : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए छत्तीसगढ़ में 34,427 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें बिलासपुर में 303 करोड़ से बने फ्लाई ओवरब्रिज, भिलाई में 280 करोड़ की लागत से बने 50 मेगावॉट सोलर प्लांट, रायगढ़ में एनटीपीसी के 16 सौ मेगावॉट के सुपर थर्मल स्टेशन का लोकार्पण और फेज-टू का शिलान्यास शामिल हैं। रायपुर के इनडोर स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत, विकसित छत्तीसगढ़' कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय, मंत्री रामविचार नेताम, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार होती तो आज भी 1 रुपए में से 15 पैसे ही जनता तक पहुंचते। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा के जरिए हम देश के हर घर को सूर्य घर बनाना चाहते हैं। इसके लिए सरकार की ओर से पूरी मदद मिलेगी।

- कांग्रेस होती तो आज भी 85 पैसा रास्ते में गायब हो जाता
- कांग्रेस भविष्य का भारत बनाना भूल गई
- कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण से आगे सोच नहीं पाती

जय जोहार से पीएम ने शुरू किया संबोधन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय जोहार से अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 90 से ज्यादा स्थानों से जुड़े सभी लोगों को अभिनंदन करता हूं। विधानसभा चुनाव में आपने हम सभी को बहुत आशीर्वाद दिया है। आपके इसी आशीर्वाद का परिणाम है कि आज हम विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आपके बीच में हैं। भाजपा ने बनाया है, भाजपा ही संवारेगी, ये बात आज इस आयोजन से और पुष्ट हो रही है। विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति के सशक्तिकरण से होगा।

मोदी बोले- हर घर को सूर्य घर बनाना चाहता हूं

हम छत्तीसगढ़ को सौर ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनाना चाहते हैं। राजनांदगांव और भिलाई में बड़े सोलर प्लांट्स का लोकार्पण किया गया है। इनमें ऐसी व्यवस्था भी है कि रात में भी आसपास के लोगों को बिजली मिलती रहेगी। सरकार का लक्ष्य सोलर पावर से देश के लोगों को बिजली देने के साथ ही बिजली बिल जीरो करने का भी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी हर घर को सूर्य घर बनाना चाहता है। मोदी हर परिवार को घर में बिजली बनाकर बेचकर कमाई का एक और साधन देना चाहता है। इसी मकसद से हमने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की है। ये योजना अभी 1 करोड़ परिवारों के लिए है। इसके तहत घर की छत पर सौर ऊर्जा पैनल लगाने के लिए सरकार मदद देगी। सीधे बैंक खाते में पैसे भेजेंगे। इससे 3 सौ यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी। ज्यादा बिजली होगी तो सरकार खरीदेगी। इससे परिवारों को हर साल हजारों रुपए की कमाई होगी। अन्नदाता तो ऊर्जादाता बनाने पर भी फोकस है। सोलर पैनल को बंजर जमीन पर खेत के किनारे सोलर प्लांट बनाने की मदद दे रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार पूरी कर रही गारंटी

छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार जिस तरह गारंटियों को पूरा कर रही हो वो तारीफ के काबिल है। किसानों को 2 साल का बोनस दिया जा चुका है। विधानसभा चुनाव के समय हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों से जो वादा किया था वो भी पूरा कर दिया है। पहले की सरकार गरीबों के घर बनाने में रोड़े अटका रही है। अब बीजेपी सरकार इस पर तेजी से काम कर रही है। हर घर जल की योजना को भी तेजी से आगे बढ़ा रही है। मोदी ने कहा कि पीएससी परीक्षा में हुई गड़बड़ियों की जांच का आदेश भी दिया जा चुका है। प्रदेश की बहनों को महतारी वंदन योजना से फायदा है। सारे फैसले दिखाते हैं कि बीजेपी जो कहती है वो करती है। इसीलिए लोग कहते हैं कि मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरी होने की गारंटी है।

सीएम ने सरायकेला को 334 करोड़ रुपये का दिया तोहफा

भाजपा ने सत्ता पर रहकर नहीं किया अपेक्षित विकास : चंपाई

PHOTON NEWS SARAIKELA : सीएम चंपाई सोरेन ने झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में करीब 334 करोड़ रुपए की लागत से राज्य संपोषित 220 विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि अगले तीन माह में नौ लाख परिवारों को अबुआ आवास का लाभ दिया जाएगा। पहले चरण में दो लाख परिवारों को अबुआ आवास दिया जा रहा है। इसी जिले के पूर्व सीएम ने सरायकेला के विकास को लेकर एक ईंट भी रखने का काम नहीं किया है। राज्य के विकास को लेकर उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सत्ता पर सर्वाधिक समय तक रहने के बाद भी उसने अपेक्षित विकास नहीं किया।

- नौ लाख परिवारों को अबुआ आवास का लाभ दिया जाएगा
- मूलवासियों के धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जाएगा
- बच्चों को हर हाल में शिक्षा दें, इसके बिना मानव शरीर अधूरा
- हड़िया बेचनेवाली 35000 महिलाओं को दिया आर्थिक सहयोग

सरायकेला में पांच पार्कों का होगा निर्माण

झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि सरायकेला में पांच पार्कों का निर्माण किया जाएगा। आदिवासी धार्मिक स्थल की तर्ज पर मूलवासियों के धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार इन स्थलों को विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड धनी प्रदेश है, परंतु आदिवासी-मूलवासी गरीब हैं। यहां के संसाधनों से दिल्ली व गुजरात का विकास हुआ है। सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि सरायकेला का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। ऐतिहासिक छऊ कला के साथ-साथ कलाकारों का इतिहास आने वाली पीढ़ी भी जानेगी। उन्होंने 334 करोड़ 12 लाख की लागत से 220 योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

सीएम गाड़ी योजना में छात्रों को करायी जाएगी फ्री यात्रा : सीएम

बीजेपी पर आरोप लगाते हुए चंपाई सोरेन ने कहा कि राज्य की सत्ता पर सबसे अधिक समय तक बीजेपी रही, परंतु अपेक्षित विकास नहीं कर सकी। सीएम गाड़ी योजना में छात्रों को निःशुल्क यात्रा करायी जाएगी। शिक्षा के बिना मानव शरीर अधूरा है। बच्चों को हर हाल में शिक्षा दें। नशा समाज के विकास में बाधक है। इससे दूर रहें। राज्य सरकार ने हड़िया बेचनेवाली 35000 महिलाओं को आर्थिक सहयोग दिया है। इन्हें 50 लाख देने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि सरायकेला-खरसावां जिले की पारंपरिक और ऐतिहासिक पहचान रही है। कला-संस्कृति के लिहाज से यह पूरा इलाका काफी समृद्ध है। यहां का छऊ नृत्य विश्व विख्यात है। यहां के कलाकार इस नृत्य कला को काफी आगे तक ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभाते आ रहे हैं। हम विरासत में मिली अपनी कला और संस्कृति को और मजबूत करेंगे। इसके लिए जल्द ही छऊ नृत्य कला अकादमी का गठन किया जाएगा। इस इलाके में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं। ऐसे में इसे टूरिज्म हब बनाने की दिशा में प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। मौके पर सांसद गीता कोड़ा विधायक दसरथ गागराई और सविता महतो, जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, नगर विकास विभाग के सचिव अरवा राजकमल और सूडा के निदेशक अमित कुमार समेत कोल्हान के प्रमंडलीय आयुक्त तथा जिले के उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

रांची टेस्ट का दूसरा दिन

इंडिया ने गंवाए 7 विकेट पहली पारी में 200 रन बनाने में छूट गए पसीने

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट मुकाबले में शनिवार को दूसरे दिन भारतीय बल्लेबाजों का बेहद खराब प्रदर्शन रहा। यशस्वी जायसवाल को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बेहतर खेल नहीं दिखा पाया। पहली पारी में इंग्लैंड के 353 रन के जवाब में भारत को 200 के आंकड़े तक पहुंचने में काफी पसीना बहाना पड़ा। इतना ही नहीं 200 से पहले ही भारत के सात शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। भारत ने 200 का आंकड़ा 62वें ओवर में पार किया, जब टॉम हर्टले की गेंद पर कुलदीप यादव ने चौका लगाया। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट के नुकसान पर 219 रन बनाए। ध्रुव जुरेल 30 रन और कुलदीप यादव 17 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत अब भी इंग्लैंड की पहली पारी के स्कोर से 134 रन पीछे है।

रोहित शर्मा के रूप में लगा पहला झटका

कप्तान रोहित शर्मा के रूप में भारत को पारी के तीसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। रोहित दो रन के निजी स्कोर पर जेम्स एंडरसन की गेंद पर विकेटकीपर को कैच थमा बैठे। उस समय टीम का स्कोर महज 4 रन था। एक छोर से यशस्वी जायसवाल जमे रहे। इस युवा सलामी बल्लेबाज ने मौके देखकर बाउंड्री निकाले। उनका काफी देर तक साथ शुभमन गिल ने दिया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी हुई। गिल और जायसवाल की जोड़ी उस समय टूटी जब, शोएब बसीर ने गिल को पगबाधा आउट कर दिया। गिल ने हालांकि रिव्यू का उपयोग किया लेकिन वह आउट करार दिए गए। इसके बाद कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं पाया। रजत पाटीदार एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए वह 17 रन बनाकर शोएब बसीर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए।

गेंदबाज शोएब बसीर ने चटकाए 4 विकेट

रवींद्र जडेजा के बाद क्रीज पर बल्लेबाजी करने सरफराज खान आए। उनके और जायसवाल के बीच एक साझेदारी पनपने लगी। लेकिन शोएब बसीर की एक शानदार गेंद पर जायसवाल बोल्ड हो गए। उस समय वह 73 रन बनाकर खेल रहे थे। अब पूरा दारोमदार सरफराज के कंधों पर था। लेकिन आज सरफराज भी कोई कमाल नहीं दिखा पाए और टॉम हर्टले की गेंद पर रूट को एक आसान कैच थमा दिया। भारत ने चाय के बाद तक सात विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड की ओर से युवा शोएब बसीर ने शानदार गेंदबाजी की और चार विकेट चटकाए। उन्होंने काफी किफायती गेंदबाजी भी की। पिच से स्पिनरों को काफी मदद मिल रही थी। इसका फायदा इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने उठाया और अपने स्पिनरों को ज्यादा समय तक हमले पर रखा।

यूपी में ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटी, 54 डूबे, 23 मरे

ज्यादातर महिलाएं-बच्चे, स्नान करने जा रहे थे गंगा

AGENCY KASGANJ : उत्तर प्रदेश के कासगंज में शनिवार को एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटने से 23 लोगों की मौत हो गई। इनमें 9 बच्चे शामिल हैं। ट्रॉली में 54 लोग सवार थे। 10 की हालत गंभीर है जिन्हें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बाकी 20 लोगों की इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी हो गई है। जिस बच्चे का मुंडन होने वाला था, वह अभी लापता है। ये सभी लोग एटा के जैथरा के रहने वाले हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा स्पीड की वजह से हुआ। ड्राइवर के कंट्रोल खोने से ट्रैक्टर सड़क से उतरकर तालाब में जा गिरा।

धनबाद में वर्चस्व की जंग : रागिनी व रघुकुल समर्थकों में हुई झड़प, बमबारी

दर्जनों बम धमाकों से थर्राया पूरा इलाका, 12 राउंड हुई फायरिंग

PHOTON NEWS RANCHI : धनबाद जिले के पुटकी थाना क्षेत्र के गोपालीचक 2 नंबर में संचालित सिंह नेचुरल आउटसोर्सिंग कंपनी के कोल डंप से डीओ का कोयला उठाव में वर्चस्व को लेकर शनिवार को भाजपा नेता रागिनी सिंह और रघुकुल समर्थकों के बीच खूब बम, गोली और पत्थर चले। इस दौरान दोनों ओर से किये गये एक दर्जन बम धमाकों से पूरा इलाका थर्रा गया। दहशत फैलाने के लिए 12 राउंड फायरिंग की गयी। एक दर्जन ट्रकों का शीशे तोड़ दिया गया। घटना में रघुकुल समर्थक न्यू मेरिन बीच बलिहारी निवासी सोनू कुमार यादव को हाथ में एक गोली लगी है। गोली हाथ को आर पार कर गयी है। उसे एसएनएमएमसीएच धनबाद में भर्ती कराया गया है।

3.92 लाख रूसी सैनिकों की मौत, अमेरिका ने 500 रशियन कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

रूस-यूक्रेन जंग के दो साल, 65 लाख यूक्रेनी हुए बेघर

AGENCY NEW DELHI : रूस-यूक्रेन जंग को शनिवार को दो साल पूरे हो गए। 24 फरवरी 2022 में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। इसे मिलिट्री ऑपरेशन बताया गया था। इस हमले में अब तक 40 लाख से ज्यादा यूक्रेनी नागरिकों को देश छोड़ना पड़ा है। ये लोग अन्य देशों में रिफ्यूजी की तरह रह रहे हैं। 65 लाख से ज्यादा यूक्रेनी देश में ही बेघर हो गए हैं। यूक्रेन के 10 हजार आम नागरिकों की मौत हुई है, जबकि 18,500 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन का दावा है कि रूस 3.92 लाख सैनिक गंवा चुका है। इस बीच, अमेरिका ने रूस की 500 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इधर, रूस ने भी यूरोपियन यूनियन (ईयू) की कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं।

यूक्रेन के 30 हजार से ज्यादा युवा लापता

यूक्रेन में 30 हजार से ज्यादा यूक्रेनी अभी भी लापता हैं। उनके परिजन को उनकी रिहाई का इंतजार है। रूसी कब्जे वाले यूक्रेनी शहर दोनेत्स्क में रहने वाली इरिना हमेशा फोन पर निगाह रखती हैं। करीब 19 महीने पहले दोनेत्स्क में रूस से लड़ रहे उसके 25 साल के बेटे व्लादिस्लाव से आखिरी बार बात हुई थी। वो कहती हैं- बेटे की खोज के लिए उन्होंने सभी कोशिशें कर लीं, लेकिन अभी तक उसकी कोई खबर नहीं मिली है। मारियुपुल की एना उसेंको 2022 में जंग शुरू होने से पहले बिजनेस टूर के लिए घर से निकली थीं। उनके भाई हर्मन सिकोरस्की का कहना है कि मार्च 2022 के बाद एना से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। यूक्रेन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए रूस के कब्जे वाले 54 प्रतिशत क्षेत्र पर वापस कब्जा हासिल कर लिया है। करीब 4.30 करोड़ की आबादी वाले यूक्रेन के 1.76 करोड़ यूक्रेनी लोगों को राहत सामग्री के भरोसे रह रहे हैं।

87% रूसी सैनिक मारे जा चुके

अमेरिकी इंटेलिजेंस के मुताबिक रूस-यूक्रेन जंग में अब तक 3 लाख 15 हजार रूसी सैनिकों की मौत हुई है। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुई इस जंग के पहले रूसी सेना में 3 लाख 60 हजार से ज्यादा सैनिक थे। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक जंग में 87 प्रतिशत रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं। जंग ने रूसी सेना को आधुनिक बनाने के पुतिन की कोशिशों को 15 साल पीछे धकेल दिया है।

18% जमीन पर रूसी कब्जा

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ब्लैक सी ट्रेड रूट के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा जंग की शुरुआत से अब तक रूस ने यूक्रेन की 18 प्रतिशत जमीन पर कब्जा किया है। इस जमीन पर यूक्रेन के 6 बड़े शहर- सेवेरोडोनेट्स्क, डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरिजिया, मारियुपोल और मेलिटोपोल बसे हैं।

नक्सलियों ने झोलाछाप डॉक्टर को मारी गोली

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान वन क्षेत्र अंतर्गत नक्सल प्रभावित टोंटो प्रखंड के बांदाबेड़ा गांव में नक्सलियों ने एक झोलाछाप डॉक्टर जितेन लागुरी की हत्या कर दी। पुलिस मुखबिरी के आरोप में नक्सलियों ने जितेन की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शुक्रवार की शाम करीब 6:00 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने उसे सामने से गोली मारी है। एक गोली का खोखा उसके घर के दीवार में जा धंसा है। सूत्रों के अनुसार जितेन लागुरी शुक्रवार को सामान खरीदने के लिए चाईबासा आए हुए थे। सामानों की खरीदारी के बाद वह शाम में 6:00 बजे बाइक से गांव लौटे। गांव पहुंचने के बाद उन्होंने बाइक खड़ी की और घर के अंदर प्रवेश ही किया था कि नक्सलियों ने उन्हें बाहर आने को कहा। घर के बाहर निकलते ही नक्सलियों ने उनपर दो गोलियां दाग दी, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

एक जुलाई से लागू होंगे 3 नए आपराधिक कानून

आईपीसी की धारा 302 अब 101 कहलाएगी

AGENCY NEW DELHI : तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सरकार ने शनिवार (24 फरवरी) को इससे जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। यानी अब इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो जाएगा। नए कानून के लागू होने के बाद जो धाराएं अपराध की पहचान बन चुकी थीं, उनमें भी बदलाव होगा। जैसे हत्या के लिए लगाई जाने वाली आईपीसी की धारा 302 अब धारा 101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा 420 अब धारा 316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा 307 अब धारा 109 कहलाएगी। वहीं दुष्कर्म के लिए लगाई जाने वाली धारा 376 अब धारा 63 होगी।

कविता

डॉ. अशोक कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य
एस आर पी जी कालेज गजपुर बांसपार गोरखपुर।

सखी री!

सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

कर सोलह श्रृंगार मुकुल-तन,
अलि संग केलि करेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

अंगशुची, उबटन तन वासित,
मज्जन-जल मकरन्द सुवासित।
अंजन नैन धार असि शोभा,
प्रणय-प्रणाम करेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

पीत वसन तन, मांग सुशोभित,
पांव महावर, केश विभूषित।
सज्जा भाल विन्दु बहुरंगी,
अथक श्रृंगार करेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

धनु भ्रू, शर-कन्दर्प तिलक ज्यों,
श्याम-उरग बहुवलय अलक यों।
चिबुक त्रिकाल विन्दु अनुरागी,
मेन्धी पाणि रचेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

मिस्सी उज्ज्वल रदन मनोहर,
वदन अरगजा, प्राण नशोहर।
लाली-अरुण कपोल सजाकर,
वेणी पुष्प गहेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

आनन-चन्द्र, अधर रतनारे,
कंठहार, बहु कंकण प्यारे।
वंदी अधर, अधर बेड़ी में,
नैना बात करेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

रत्नजड़ित बहुंटा, नथ, अंगद,
व्याकुल मन उत्सर्ग अनंगद।
निशा-कौमुदी आतुर हो दो,
कुंज प्रसून खिलेंगे।
सखी री!
प्रियतम आज मिलेंगे।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

उत्तरकाशी : जितने कंकड़, उतने शंकर

घुमक्कड़ की पाती नहीं मालूम क्यों? लेकिन मुझे हरिद्वार और उत्तरकाशी में बहुत ही ज्यादा समानता नजर आती है। शायद गंगा की वजह से या फिर मेरे कुछ और निजी अनुभवों की वजह से, लेकिन कुछ तो है जो मुझे अक्सर अपनी तरफ खींचता रहा है। यह छोटा सा शहर हमेशा अपना सा लगता है। कई बार इस शहर से तारतम्य बिठाने की कोशिश की है। कई बार उस महिन धागे को पकड़ने की कोशिश भी की है लेकिन नहीं पकड़ में आया है। कभी-कभी सोचने लगता हूं कि क्या अनजान जगहों से इंसान का कोई रिश्ता होता है? जैसे कि मैं कभी अफ्रीका नहीं गया। वहां के बारे में मैंने ज्यादा कुछ नहीं सुना है। वहां मेरा कोई नहीं रहता, वहां की हर जगह से मैं अनजान हूं। क्या उन अनजान जगहों से मेरा कोई रिश्ता हो सकता है? शायद, नहीं। स्पष्ट रूप से नहीं।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

मैं भी यही सोचता रहा हूं लेकिन जब उन जगहों पर पहुंचा हूं तो समझ में यही आया है कि एक रिश्ता तो होता है। फिर चाहे वह रिश्ता अजनबियत और अपनेपन का ही क्यों ना हो। क्या आपको अजनबियों से मिलने की आदत है? आप उनसे बात करना पसंद करते हो? यदि हां तो वह रिश्ता आपको भी समझ में आता होगा।

मैं जब कभी अजनबी शहर में होता हूं तो सबकुछ भूलकर उस शहर से मिलने की कोशिश करता हूं। सबकुछ भूलकर उस शहर से बात करता हूं। अपनी अजनबियत को अपनेपन के एक छोटे से धागे से शहर को ऐसे बांध देता हूं कि लगने लगता है कि यह अपना ही तो है।

सच मानिए जिस जिस नगर में आपके कदम पड़ते हैं ना वह अपना हो जाता है।

मैं अपनी हर यात्रा से पहले कुछ अजनबी शहरों की लिस्ट बनाता हूं और फिर कुछ दिनों बाद उन्हें अपना बनाकर लौट आता हूं। परंतु इस बार मेरे पास कोई लिस्ट नहीं है। फिर भी पता नहीं क्यों दर-दर भटक रहा हूं। क्या पता कि पुराने रिश्तों को मजबूत करने आया हूं और रही बात उत्तरकाशी की तो इससे तो वर्षों पुरानी जान पहचान रही है।

जिसकी कई वजहें रही है, एक तो यही कि गंगोत्री के मार्ग पर स्थित एक बेहद प्राचीन तीर्थ है जो कि देवाधिदेव भगवान शंकर का निवास माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि उन्होंने इस स्थान पर गोपी का रूप धारण करके तप किया था। जिस जगह उन्होंने तपस्या की, वह स्थान आज भी 'गोपेश्वर महादेव' के नाम से जाना जाता है। यह जगह पौराणिक के साथ-साथ भौगोलिक रूप से भी काफी समृद्ध है।

हिमालय की खूबसूरत घाटी में स्थित उत्तरकाशी गंगा-भागीरथी के दाएं तट पर स्थित है तथा पूर्व और दक्षिण की ओर नदी से घिरा है। इसके उत्तर में अस्सी गंगा और पश्चिम में वरुणा नदी है। वरुणा और अस्सी के मध्य का क्षेत्र 'वाराणसी' के नाम से प्रसिद्ध है। याद रखे कि यह वाराणसी उत्तप्रदेश वाला वाराणसी नहीं है, यह उत्तरकाशी वाला वाराणसी है। इसे 'पंचकाशी' भी कहा जाता है।

यह वरुणावत पर्वत की घाटी में स्थित है तथा इसके पूर्व में केदार घाट और दक्षिण में मणिकर्णिका घाट हैं। इस शहर से विश्वनाथ मंदिर की वजह से पहला परिचय बचपन में ही हो गया था। लेकिन असल जान पहचान तब बनी जब 2010 में मैं उत्तराखंड पर्यटन निदेशालय की परियोजना वीर चन्द्र गढ़वाली परियोजना का मध्यावधि मूल्यांकन करने यहां आया।

यह जगह प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। एक तरफ जहां पहाड़ों के बीच बहती नदियां दिखती हैं वहीं दूसरी तरफ घने जंगल। हम अक्सर सुबह निकलते पहाड़ों पर चढ़ाई का लुफ्त उठाते और शाम को लौट आते थे। मुझे उस समय ही समझ में आ गया था कि इस शहर का धार्मिक महत्व के अलावा एक अन्य आकर्षण पर्वतारोहण भी है।

मैंने तभी हर-की-दून, डोडीताल, यमुनोत्री तथा गोमुख से पर्वतारोहण किया और पर्वतारोहण के असल रोमांच से परिचित हो पाया। लेकिन यह एक कठिन काम है और उसी को समझ में आता है जो इसे करता अथवा करना चाहता है। मेरा जुड़ाव शौकिया रहा और धीरे-धीरे कम हो गया।

सुरेश यादव जी ने मुझे तकरीबन पूरा जिला घुमाया और तमाम पर्यटन स्थलों के बारे में भी बताया। मनेरी के बारे में उन्होंने ही पहली बार बताया था। उत्तरकाशी से 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह जगह घूमने-टहलने के लिहाज से काफी अच्छी है। मनेरी में ही भागीरथी नदी पर एक डैम बनाया गया है जिसकी वजह से यहां सैलानियों की काफी भीड़ लगी रहती है। यात्री इस जगह पर अच्छा समय व्यतीत करने के लिहाज से आते हैं।

मनेरी के आस पास कई छोटे-छोटे पहाड़ी गांव हैं जैसे जामक, कामर, हिना, भाटासौड़ आदि। इन गांवों में जाने पर पहाड़ी जीवन की झलक मिलती है और काफी अच्छा लगता है। वह मुझे इनमें से कई गांवों का भ्रमण भी कराया थे। गांव घूमने के दौरान मैंने जमकर सेब खाये थे यह बात आज भी मेरी स्मृतियों में दर्ज है।

उत्तरकाशी आने वाले लोगों की इच्छा काशी विश्वनाथ यात्रा के साथ गंगोत्री माता के दर्शन की भी रहती है, कुछ साहसिक यात्री ऐसे भी होते हैं जिनकी इच्छा गोमुख तक जाने की रहती है। परंतु यहां जाना हर किसी के बस की बात नहीं। बहुत ज्यादा हिम्मत और साहस की जरुरत होती है।

सरकारी नियमों के मुताबिक इस जगह पर जाने के लिए परमिशन लेना अनिवार्य है। गौमुख के लिए हर दिन केवल 150 लोग ही जा सकते हैं। गोमुख हिमनद ही

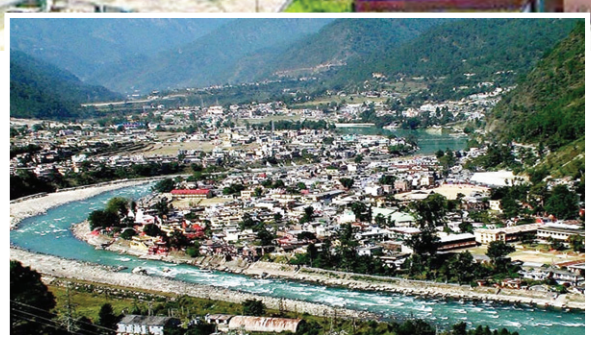

भागीरथी नदी के जल का स्रोत है जो आगे चलकर गंगा के नाम से जानी जाती है। यह हिंदुओं का बहुत ही पवित्र स्थान माना जाता है। यहां आने वाला हर यात्री बिना स्नान किए नहीं वापस लौटना चाहता है।

यह गंगोत्री से अठारह किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से चौदह किलोमीटर दूर भोजबासा में एक पर्यटक बंगला है जहां पर्यटकों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था होती है। इन सबके अलावा उत्तरकाशी पहुंचने वाले पर्यटक गंगनानी, दोदीताल, दायरा बुग्याल, सात ताल और केदार ताल भी जाना पसंद करते हैं।

यह सब बातें उन्होंने मुझे कुछ साल पहले राह चलते-चलते ही बता दी थी और ऐसा लगने लगा था कि मैं पूरे क्षेत्र को अच्छी तरह से जान गया था। इस जगह पर हर तरफ शिव की महिमा का बखान और गुणगान है। एक सन्यासी ने मुझसे यह तक कहा था कि इस जगह पर जितने कंकड़ हैं, उतने ही शंकर हैं।

और ऐसा मैंने अपनी यात्राओं के दौरान पाया भी, दरअसल पहाड़ ही शिव हैं।

पक्षी ■ पुराण

क्या आपने ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट के बारे में सुना है?

राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व-भारती, शांति निकेतन

बर्ड वाचर्स, बर्ड फोटोग्राफर्स और पक्षियों के संरक्षण और संवर्द्धन से जुड़े पक्षी प्रेमियों के लिए यह एक ऐसा इवेंट है, जिससे पक्षियों की दुनिया की एक प्रामाणिक जानकारी पूरी दुनिया तक आ पाती है। इस दुनिया की नागरिकता हासिल करने के लिए आपमें बस पक्षियों के बारे में दिलचस्पी होने की जरुरत भर होती है। केवल दिलचस्पी होने मात्र से आपके सामने पक्षियों की एक ऐसी जादुई दुनिया का द्वार खुल जाता है जिसके बारे में आप बिलकुल अनभिज्ञ होते हैं और यह होता बिलकुल आपके आस-पास है। एक बार इसके बारे में आप जान लें तो आप देश और दुनिया भर में फैले पक्षी-प्रेमियों के मजबूत नेटवर्क से जुड़ जाते हैं। और जिसको आप कल तक दूर से देख रहे होते हैं, उससे जुड़ने के बाद आप खुद उस दुनिया को समृद्ध कर रहे होते हैं। यह है क्या और काम कैसे करता है? इससे जानने से तिलिस्म जैसी लग रही इस चीज को समझा जा सकता है।

पक्षी प्रेमियों के लिए दो बेशकीमती ऐप हैं, एक है मर्लिन और दूसरा है ई बर्ड। यह दोनों गूगल के प्ले स्टोर से डाउनलोड किये जा सकते हैं। इनमें से मर्लिन पक्षियों की पहचान के लिए डिजायन किया गया है। आपने अगर किसी पक्षी की तस्वीर क्लिक की है और आप नहीं जानते कि उस पक्षी का नाम क्या है? तो उसकी तस्वीर मर्लिन में अपलोड करके आप उसकी प्रामाणिक जानकारी हासिल कर सकते हैं। यद्यपि जिन्हें इसकी जानकारी नहीं है वह गूगल लेंस ऐप के जरिये भी इस काम को अंजाम देते पाये जा सकते हैं। पर ऐप और एक पक्षी विशेषज्ञ में यह अंतर होता है कि जब ऐप पक्षियों के बारे में प्रामाणिक जानकारी नहीं दे पाते हैं तो पक्षी विशेषज्ञ उसकी स्पष्ट पहचान करते हैं। और तब पक्षियों पर किया गया उनका अध्ययन काम आता है। वे प्वाइंटर्स बताते हैं कि पक्षी के उस नस्ल की पहचान का आधार क्या रहा? इस विशेषज्ञता के बतौर पक्षी प्रेमी ऊपर बताये गये ऐप की मदद से पक्षियों की पहचान कर पाते हैं।

ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट एक सालाना इवेंट है, जिसकी तारीख निर्धारित करके दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के समूह में प्रसारित कर दिया जाता है। जैसे इस साल यह 16-19 फरवरी के बीच आयोजित हुआ। इसमें होता इतना भर है कि इन चार दिनों के भीतर पक्षी प्रेमी अपने आस-पास या अपने इलाके के हॉटस्पाट से पक्षियों की प्रजातियों की मौजूदगी और उनकी संख्या को दुनिया भर से इ बर्ड के प्लेटफार्म पर चेकलिस्ट के रुप में अपलोड करते हैं कि अपने आस-पास उन्होंने किन पक्षियों को और कितनी संख्या में देखा? इसमें स्वेच्छा से पक्षी प्रेमी भाग लेते हैं। हर चेकलिस्ट के साथ पक्षियों का डाटा दुनिया भर से अपलोड होना आरंभ होता है।

इस बार के ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट की उपलब्धि यह रही कि भारत में पाये जाने वाले पक्षियों की 75 फीसदी प्रजातियों को इन चार दिनों के भीतर रिर्पोट किया गया। पश्चिम बंगाल इसमें सबसे आगे रहा। पश्चिम बंगाल के आगे रहने की वजह एक तो उसकी भौगोलिक स्थिति है जिसमें समन्दर से लेकर पर्वतीय क्षेत्र सब मौजूद हैं। लेकिन उससे बड़ी बात कला-संस्कृति के प्रति उनकी जागरुकता और फोटोग्राफर्स की अच्छी संख्या में मौजूदगी से प्रतिवर्ष वह इसमें अच्छी बढ़त बनाये रखते हैं। पक्षियों की विविधता को दर्ज करने के मामले में पूर्वोत्तर भारत बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। हिन्दी भाषी राज्यों की तुलना में अहिन्दी भाषी राज्यों में पक्षियों को लेकर जागरुकता ज्यादा है, इसे साफ-साफ इन चार दिनों के भीतर महसूस किया जा सकता है। आप इसकी सफलता का अनुमान इस बात से लगा सकते हैं कि इन चार दिनों के भीतर पूरे भारत से 42227 चेकलिस्ट पक्षी प्रेमियों ने जमा किये। और 1022 किस्म के पक्षी की प्रजातियों के देखे जाने की पुष्टि हुई। भारत के लिए यह लगातार दूसरा साल है जब पक्षियों की 1000 से ज्यादा प्रजातियाँ रिपोर्ट की गयी हैं। पर उपलब्धि स्पर विंग्ड लैपविंग के नाम रहा जो पहली बार भारत में देखा गया। अफ्रीका के इस पक्षी की मौजूदगी ने माइग्रेशन की दिशा में काम कर रहे पक्षी विशेषज्ञों को अध्ययन की नयी जिम्मेदारी सौंप दी है। चेकलिस्ट के मामले में अमेरिका इस बार भी अव्वल है। इन चार दिनों में 117435 चेकलिस्ट उनके द्वारा जमा किये गये। यद्यपि वे 651 किस्म के पक्षी की मौजूदगी ही रिपोर्ट कर सके। अधिकतम प्रजातियों को कोलंबिया ने दर्ज किया। पक्षी प्रेमियों का यह सालाना उत्सव वाकई कमाल का होता है। यदि इसमें भारतीय वन विभाग के वनकर्मी भी ईमानदारी से शामिल हो जायें तो भारत के इतिहास में सबसे प्रामाणिक डाटा इकट्ठा किया जा सकता है। झारखंड के जंगलों और पहाड़ों में घूमते हुए हर वर्ष कुछ नयी प्रजातियाँ दिख जाती हैं। इनकी संख्या ज्यादा नहीं होती पर उनका होना एक बड़ी उम्मीद की तरह दिखता है। ऐसा लगता है कि इस किस्म की गतिविधियों को विद्यालयों के स्तर पर भी ऐच्छिक तौर पर शामिल किये जाने की जरूरत है। इससे पक्षियों के प्रति एक संवेदनशील दुनिया बनाने में मदद मिलेगी और उनके संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में भी बेहतर तरीके से काम किया जा सकेगा।

BRIEF NEWS

ऑनलाइन जुआ खेल रहे आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ

RANCHI : राजधानी रांची के सदर थाना इलाके से पुलिस ऑनलाइन जुआ खेल रहे आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सदर थाने की पुलिस को जानकारी मिली थी कि दीपाटोली स्थित न्यू नगर में ऑनलाइन सट्टा खेला जा रहा है, जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी की और आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने सट्टा के अड्डे से करीब 15 लाख रुपए नगद बरामद किया है। वहीं कुछ लोग पुलिस को आते देख भागने में कामयाब रहे।

मोबाइल छिनतई करने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

RANCHI : लालपुर थाना की पुलिस ने शनिवार को मोबाइल छिनतई करने वाले दो आरोपित साहेब जफर और नवीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से छिनतई किया हुआ तीन मोबाइल और एक बाइक बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि छिनतई की घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपित पीड़ित से बोलते थे पकड़ने की हिम्मत है तो पकड़ कर दिखाए।

सदर थानेदार पर गाली देने का आरोप, लोगों ने घेरा थाना

RANCHI : सदर इलाके में स्थित एक जमीन पर काम बंद कराने के मामले में आदिवासी समाज के दर्जनों लोगों ने शनिवार की शाम सदर थाना का घेराव कर दिया। लोगों का आरोप था कि थानेदार ने आदिवासी को गाली गलौज किया है। इसका वीडियो भी है। सदर इलाके में एक पक्ष के लोगों के द्वारा जमीन पर काम कराया जा रहा था। दूसरे पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे गए और काम बंद कराने लगे। मौके पर हंगामा होने लगा। इसकी सूचना पाकर सदर थानेदार मौके पर पहुंचे और दोनों पक्ष के लोगों को थाना में आने लिए कहा। लेकिन एक पक्ष के लोग रास्ते में ही हंगामा करने लगे। हंगामा करते देख थानेदार ने उन्हें ऐसा करने से मना किया और गाली दे दिया। इसी बात पर आदिवासी समाज के लोग गुस्से में आ गए। आदिवासी समाज के लोगों ने थानेदार के खिलाफ एससीएसटी थाना में आवेदन दिया है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 2.15 लाख रुपये की ठगी

RANCHI : झारखंड विधानसभा में सिक्यूरिटी आफिसर राम भरोसी मंडल उर्फ मार्शल पर उनके रिश्तेदार सनोज कुमार मंडल ने नौकरी दिलाने के नाम पर दो लाख 15 हजार रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। सनोज कुमार पटना में रहते हैं। सनोज का कहना है कि राम भरोसी ने डाटा इंट्री करने की बात बोलकर कहा था विधानसभा में बहाली होना है। पैसा देने पर नौकरी मिल जाएगी। सनोज ने पैसा दे लिया लेकिन उसे नौकरी नहीं मिली। मार्शल अब पैसा लौटाने से भी इंकार कर रहे हैं। सनोज ने मार्शल के खिलाफ सकतपुर थाना में लिखित आवेदन दिया है। सनोज का कहना है कि पैसा वापस नहीं होने से वह काफी परेशान है।

शहर में मंहगी बाइक की चोरी करने वाले आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल

RANCHI : सदर थाना की पुलिस ने शनिवार को बाइक चोरी करने और खरीदने के आरोप में चार युवक आकिब खान,शिवम कुमार,भोलु कुमार और आशिफ खान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो बाइक बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि तीन आरोपित को बाइक चोरी करने और एक आरोपित को बाइक खरीदने के आरोप में जेल भेजा गया है। आरोपितों ने बताया कि वह सिर्फ मंहगी बाइक को टारगेट करते थे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

डबल मर्डर केस : पुलिस के हाथ अब भी खाली, अपराधियों का नहीं मिला सुराग

21 को हुई थी पती-पत्नी की हत्या, मृतक के दुश्मनों की पूरी लिस्ट खंगाल रही पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : जिले के पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित जनकनगर में 21 फरवरी को बिरसा उरांव और उसकी पत्नी की हत्या कर दी गयी थी। घटना के तीन दिन बीत चुके हैं। लेकिन रांची पुलिस के हाथ अब भी खाली हैं। पुलिस को अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिला पाया है। इस मामले की जांच के दौरान में रांची पुलिस ने कई लोगों से पुछताछ की। लेकिन पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली है। हत्याकांड को सुलझाने में लगी पुलिस मारे गये बिरसा के दुश्मनों के पूरी लिस्ट खंगाल रही है। बिरसा का अपनी पहली और दूसरी पत्नी से विवाद था। इतना ही नहीं उसने तीन हत्याएं भी की थी।

फाइल फोटो।

पुलिस की पड़ताल में यह बात सामने आयी है कि बिरसा ने अपनी पहली पत्नी के साथ अवैध संबंध के शक में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी।

क्या है पूरा मामला : जनकनगर में बिरसा और उसकी पत्नी सोनी मुंडा की 21 फरवरी की रात गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। बिरसा अपनी तीसरी पत्नी के साथ रहता था। झोपड़ीनुमा घर में पति-पत्नी दोनों साथ रहते थे। बुधवार शाम साढ़े सात बजे बिरसा घर के बाहर किचन में कुर्सी लगाकर बैठा हुआ था। वहीं पत्नी भीतर कमरे में थी। बिरसा के झोपड़ीनुमा घर के सामने खुली जगह है। दो अपराधी पैदल चलकर आये और बिरसा के घर में घुसकर पहले उसके सिर पर गोली दाग दी। जिससे बिरसा जमीन पर गिर गया। गोली की आवाज सुनकर पत्नी जैसे ही कमरे से बाहर निकली तो अपराधियों ने कमरे के दरवाजे के पास ही उसे गोली मार दी। उसके जमीन पर गिरने के बाद दोनों अपराधियों ने ताबड़तोड़ पति और पत्नी पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। करीब आठ राउंड फायरिंग की। जिसमें पति और पत्नी को सात गोली लगी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को जसलोक अस्पताल ले गयी, जहां मौजूद चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया था।

रांची का शातिर अपराधी था बिरसा

गोलीबारी में मारा गया बिरसा रांची का शातिर अपराधी था। बिरसा ने तीन लोगों की हत्या की थी। जबकि पहली और दूसरी पत्नी को मारपीट कर घर से भी भगा दिया था। ऐसे में पुलिस की जांच की दिशा जो लोग बिरसा के हाथों मारे गये थे, उनके परिजनों की ओर भी जा रही है। मामले में पूछताछ करने के लिए एक दर्जन से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिये गए सभी लोग ऐसे हैं, जो कभी न कभी बिरसा के हाथों प्रताड़ित हुए हैं। बिरसा की पहली पत्नी से भी थाने में पूछताछ की जा रही है।

तीसरा मोर्चा ने मनाया संत रविदास जयंती 10 मार्च को होगा कार्यकर्ता मिलन समारोह

PHOTON NEWS RANCHI : 24 फरवरी को विधानसभा झारखंड के सभागार राँची में झारखंड तीसरा मोर्चा के संयोजक सह पूर्व मंत्री लालचंद महतो की अध्यक्षता में संत रविदास जयन्ती मनाई गई। मौके पर लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू , बहुजन सदान मोर्चा के प्रदेश महासचिव अब्दुल खालिक एवं झारखण्ड नवनिर्माण दल के विजय सिंह समेत कुल 18 पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मौके पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड तीसरा मोर्चा के तत्वावधान में 10 मार्च को कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। झारखंड तीसरा मोर्चा के संयोजक सह पूर्व मंत्री लालचंद महतो ने कहा कि एनडीए और महागठबंधन की सरकार ने सामाजिक न्याय को दरकिनार कर आम जनता के अधिकार को सदैव कुचलने का काम किया है ! आम जनता के सहयोग से तीसरा मोर्चा सामाजिक न्याय को धरातल पर उतारेगी।

आम आवाम विकास मोर्चा के जितेंद्र ठाकुर, सम्पूर्ण भारत क्रांति पार्टी के प्रवीण कच्छप, बहुजन मुक्ति पार्टी के मुरलीधर राम, अधिवक्ता रंजित महतो, आरजेपी के मो. शमीम अंसारी, अखिल भारतीय मानव सेवा दल के शिव प्रसाद अग्रवाल अन्य पार्टियों के कुसुम देवी, ज्योति मेंगरा, डॉ. सत्य प्रकाश मिश्रा, अमरेंद्र कुमार मन्नी, शंकर महतो, अजय कन्दुलना, फातिमा कंडोर, मुन्ना कुमार, सामुएल पूर्ति, गौतम कुमार विश्वकर्मा, मनीष कुमार इत्यादि ने भी संत रविदास को पुष्पांजलि करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सीबीआई जांच की अनुशंसा क्यों नहीं कर रही सरकार : अभिषेक

विरोध-प्रदर्शन करते आजसू छात्र के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : छात्र आजसू के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा के आखिर 25 दिन बीत की जाने के बाद भी राज्य सरकार पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की अनुशंसा क्यों नहीं कर रही है यह सरकार पर कहीं ना कहीं प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है।

लगभग हर एक दिन कहीं ना कहीं से इस पेपर लीक मामले में संलिप्त अपराधी पकड़े जा रहे हैं परंतु उनके ऊपर अभी तक एक भी एफआईआर पेपर लीक कानून अधिनियम 2023 के तहत क्यों नहीं किया गया यह कहीं ना कहीं इशारा करती है की जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले में सरकारी तंत्र मे ऊंचे पदों पर बैठे पदाधिकारी भी इस मामले मे सन लिप्त है और सरकार उन्हें बचाने का भरपूर प्रयास कर रही है।

जेएसएससी के पूर्व अध्यक्ष नीरज सिन्हा का इस्तीफा भी साफ-साफ इशारा करता है की सरकार इस मामले के जड़ तक पहुंच कर कार्रवाई करने के बजाय इस मामले की लीपा पोती कर ठंडा बस्ते में डालने का प्रयास कर रही है। अभिषेक शुक्ला ने आगे कहा के राज्य सरकार द्वारा एसआईटी का गठन इस मामले में दोषी पर कार्रवाई करने के लिए नहीं बल्कि उन्हें बचाने के लिए किया गया है।

वहीं दूसरी तरफ जेएसएससी सीजीएल के अभ्यर्थी एवं युवा वर्ग इस पेपर लीक मामले से काफी रोष मे है। 2019 से लेकर अभी तक जितने भी राज्य सरकार द्वारा वैकेंसी निकाली गई है सभी वैकेंसी विवाद एवं जांच के दायरे के में है। इस सरकार के 5 वर्षों के कार्यकाल में एक भी परीक्षा ऐसी नहीं हुई जिस पर विवाद नहीं हुआ हो।

अखिल झारखंड छत्र संघ आजसू जेएसएससी सीजीएल पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच होने

खजुराहो नृत्य महोत्सव के 50वें वर्ष में कथक कुंभ का हुआ आयोजन

RANCHI : खजुराहो नृत्य महोत्सव के 50वें वर्ष में मंगलवार को पश्चिम मन्दिर समूह में कथक कुम्भ का आयोजन हुआ। इसमें एक साथ 1,484 कलाकारों की टीम ने प्रस्तुति दी, जो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। इस टीम में पिठोरिया के जिसमें सुतियांबे गांव निवासी हराधन राय व श भानु राय की सुपुत्री तनुश्री राय भी शामिल थी। इन्हें श्री कृष्ण कला संस्कृति महोत्सव इंटरनेशनल कंपटीशन और फेस्टिवल प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय श्री कृष्ण कला रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया है। तनुश्री राय वर्तमान में खैरागढ़ स्थित इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स कथक विभाग में अध्यनरत है। गौरतलब है कि इन्हें प्रसार भारती दूरदर्शन केन्द्र रांची में बी ग्रेड आर्टिस्ट की उपलब्धि भी मिली है। तनुश्री की इस सफलता से परिवार के साथ पूरे क्षेत्र के लोग गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

जेएसएससी पेपर लीक मामले में बिहार के भागलपुर व नवादा से दो आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : जेएसएससी स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले में अब तक पांच गिरफ्तारी हो चुकी है। तीन गिरफ्तारी रांची से हुई है। वहीं दो गिरफ्तारी शुक्रवार को बिहार के भागलपुर और नवादा जिले से हुई है। भागलपुर से गिरफ्तार युवक का नाम राहुल पीयूष और नवादा से गिरफ्तार युवक का नाम अभिषेक राज है। अब एसआईटी पटना के राजीव कुमार की तलाश कर रही है।

दोनों ने इन्वेस्ट किए डेढ़ करोड़ : गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में एसआईटी को पता चला है कि अभिषेक और राहुल ने पटना के राजीव कुमार के साथ मिलकर पेपर लीक करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए इन्वेस्ट किए थे। दोनों ने बैंक अकाउंट खोला। जिसमें उम्मीदवारों से लिए गए पैसे जमा कराए जा रहे थे। एसआईटी को अब राजीव की तलाश है। राजीव ने ही पेपर लीक की साजिश रची थी। उसके साथ अभिषेक और राहुल भी शामिल था।

पैसे वाले उम्मीदवार की होती थी तलाश : पूछताछ के दौरान राहुल पीयूष और अभिषेक राज ने बताया कि राजीव ऐसे उम्मीदवारों की तलाश करता था, जो नौकरी के लिए मोटी रकम देने के लिए तैयार हो। लेकिन परीक्षा से पहले ही पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इससे उम्मीदवार सेट नहीं हो पाए और इन्हें पैसे नहीं मिले। जांच में यह भी पता चला कि अभिषेक ने ही पेपर की कॉपी जेएसएससी के ईमेल पर भेजा था।

रांची से तीन की गिरफ्तारी, एजेंसी से भी पूछताछ : एसआईटी गठन के 15 दिन से अधिक हो जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली ही हैं। भागलपुर और नवादा से हुई गिरफ्तारी से पहले रांची से झारखंड विधानसभा के अवर सचिव और उनके दो बेटों की गिरफ्तारी हुई है।

एसआईटी ने उनसे पूछताछ भी की है। उनके जब्त मोबाइल से भी कई चीजें सामनें आई हैं, लेकिन एसआईटी यह पता लगाने में अब भी अक्षम ही रहा है कि पेपर लीक किसने और कहां से किया है। इससे पहले एसआईटी चेन्नई जाकर भी परीक्षा लेने वाली एजेंसी से पूछताछ कर चुकी है।

अवर सचिव और उनके बेटों के मोबाइल ने उगले कई राज : गिरफ्तारी के बाद झारखंड विधानसभा के अवर सचिव मोहम्मद शमीम और उनके दो बेटे शाहजाद और शाहनवाज के मोबाइल की फोरेंसिक जांच की गई। जिसमें कई तरह की बातें सामने आई हैं। एक उम्मीदवार को परीक्षा की तैयारी के लिए पटना भी भेजा था। वहीं शमीम से रांची की एक महिला कैंडिडेट भी संपर्क में थी। वहीं कई और कैंडिडेट की भी उससे बात हुई थी। रांची की महिला कैंडिडेट की बात वॉट्सऐप चैट पर हुई थी। जांच के दौरान यह चैट सामने आया, जिससे पता चला कि शमीम ने कैंडिडेट से कहा था कि क्वेश्चन पेपर के लिए पटना जाना होगा।

12 लोगों को हिरासत में लेकर कर चुकी पूछताछ : पेपर लीक मामले में एसआईटी ने अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर चुकी है। जबकि गिरफ्तारी केवल पांच लोगों की ही हो सकी है। एसआईटी ने पटना, कोडरमा, पलामू और रांची लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है।

इसके अतिरिक्त एसआईटी ने कोडरमा के पवन से भी पूछताछ की है। एसआईटी ने पवन को रांची बुलाया। उसका बयान दर्ज किया। इसके बाद बॉन्ड भरा कर उसे छोड़ दिया। जहां तक रही बात गिरफ्तारी की तो ये गिरफ्तारियां रांची, भागलपुर और नवादा से हुई।

झारखंड पुलिस के डॉग स्क्वॉयड में एक साथ आठ स्वान बहाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड पुलिस का स्वान दस्ता मजबूत होगा। इसे लेकर एक साथ आठ स्वान को भर्ती किया गया हैं। सभी आठ स्वान उच्च कोटि के लैब्राडोर नस्ल के हैं। पहली बार विशुद्ध रूप से यह झारखंड का अपना स्वान दस्ता होगा।

झारखंड पुलिस के पास एक साल पूर्व तक बेहतरीन स्वान दस्ता था लेकिन कुछ के रिटायर होने और एक स्वान के नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में शहीद होने के बाद झारखंड पुलिस के पास प्रशिक्षित स्वानों की कमी हो गई थी लेकिन अब इस कमी को दूर कर लिया गया है।

डॉग स्क्वॉयड में चार मादा और चार नर स्वानों को बहाल किया गया है। सभी का चयन पुलिस के द्वारा तय क्राइटेरिया के अनुसार किया गया है। सीआईडी के स्वान दस्ते के कैंप में लियो, एलेक्स, बाबू, बारु, सैंडी, हनी, रूबी और किटी नाम के स्वान हैं। इनकी ट्रेनिंग सीआईएसएफ के एक मात्र वर्ल्ड क्लास कैंप में कराई जाएगी, सबसे खास बात यह है कि ये ट्रेनिंग कैंप रांची में ही है। स्वान दस्ते के सभी आठ स्वानों को छह माह की कड़ी ट्रेनिंग से गुजरना होगा। इसके बाद उन्हें स्वान दस्ते में शामिल किया जाएगा।

तीन महत्वपूर्ण योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंची मांडर विधायक

हमारी सरकार की नजर केवल विकास व आम लोगों के हित पर : शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सरकार के साथ ही उनकी और कांग्रेस पार्टी की नजर भी केवल और केवल झारखंड के विकास और आम लोगों के हित के प्रति समर्पित है। यही कारण है कि सरकार के द्वारा आम जनता के हित में अनेक लाभकारी योजनाओं की शुरूआत की गयी है, जिसका फायदा सीधे-सीधे आम लोगों और ग्रामीणों को मिल रहा है।

मांडर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मांडर प्रखण्ड में तीन महत्वपूर्ण योजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम पहुंची मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने ये बातें कही। मांडर प्रखण्ड के रेफरल अस्पताल परिसर में एक नये आधुनिक अस्पताल भवन का शिल्पी नेहा तिर्की ने शिलान्यास किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि मांडर विधानसभा क्षेत्र अनेक मामलों में झारखण्ड का आदर्श विधानसभा क्षेत्र है और यह यात्रा लगातार जारी रहेगा।

शिलान्यास कार्यक्रम में उपस्थित विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य फादर सुबोध लकड़ा, उप प्रमुख अमानत अंसारी, पार्टी प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, विधायक प्रतिनिधि जमील मलिक, रशीद अंसारी, सेरोफिना मिंज, नसीम अंसारी, समीम अंसारी, आबिद अंसारी, सरिता उरांव, इंदु तिग्गा, चिंतामणि उरांव, अनुप राम, छोटू उरांव एवं अन्य उपस्थित रहे।

बापू वाटिका के सामने 10वें दिन चतरा जिलाध्यक्ष पंकज प्रजापति की अध्यक्षता में उपवास कार्यक्रम संपन्न

हेमंत को जेल भेजने में केंद्र की साजिश, ईडी मात्र चेहरा : झामुमो

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से रांची के मोराबादी स्थित बापू वाटिका के समक्ष 10वें दिन शनिवार को चतरा जिलाध्यक्ष पंकज प्रजापति की अध्यक्षता में उपवास कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मौके पर चतरा जिला अध्यक्ष पंकज प्रजापति ने कहा कि हेमन्त सोरेन को बहुत दिनों से प्रताड़ित किया जा रहा है। बेवजह कोई ठोस साक्ष्य नहीं होने पर भी उनको जेल भेजा गया। ईडी तो चेहरा है। इसके पीछे केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश है। झारखंड जैसे पिछड़े राज्य को हेमन्त सोरेन आगे बढ़ाने का काम कर रहे थे। पहली बार कोई सरकार गांव-गांव तक सभी के दरवाजे तक पहुंची है। आदिवासी, दलित, अल्पसंख्यक और पिछड़ा विरोधी केंद्र की भाजपा सरकार को यहीं बात नहीं पची कि हेमंत सोरेन सभी को हक अधिकार दिला रहे हैं।

उपवास कार्यक्रम में बैठे झामुमो कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि हेमंत सोरेन को लगातार केंद्र की ओर से प्रताड़ित करने के विरोध में बापू वाटिका के समक्ष चल रहे उपवास कार्यक्रम का आज 10वां दिन है और आज चतरा जिला से कार्यकर्ता आए हैं। केंद्र की तानाशाही का हम विरोध तब तक करते रहेंगे जब तक हेमन्त सोरेन को न्याय नहीं मिलता है।

उपवास कार्यक्रम मे मुख्य रूप से चतरा जिला से केंद्रीय सदस्य वंदना सिंह, बबलू केसरी, सुरेश साव, असलम अंसारी, पुरान राम, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष एकरामुल हक, सचिव सरताज अली सहित अन्य मौजूद थे।

रांची : आयोग तक पहुंचा मनमाने ढंग से तबादले का मामला, सीईओ ने लिखा पत्र

PHOTON NEWS RANCHI : लोकसभा चुनाव को लेकर झारखंड में मनमाने ढंग से तबादले का मामला आयोग तक पहुंच गया है। आयोग के संज्ञान में आने के बाद मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के. रवि कुमार ने झारखंड के सभी अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव को शनिवार को पत्र लिखा है।

आयोग के लिखे पत्र के अनुसार आगामी लोकसभा आम चुनाव के दृष्टिगत पदाधिकारियों के स्थानांतरण, पदस्थापन के लिये आयोग की ओर से दिशा-निर्देश दिया था। आयोग के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि पदाधिकारियों का स्थानान्तरण एक ही संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के तहत सीमावर्ती जिला में किया गया है, जो स्थानांतरण नीति के मूल

भावनाओं के प्रतिकूल है। प्रासंगिक पत्र के माध्यम से यह निर्देश दिया गया है कि जिन पदाधिकारियों का स्थानांतरण पूर्व में हुआ है लेकिन आयोग के निदेश के अनुसार नहीं किया गया है। उनका स्थानांतरण उक्त के अनुरूप किया जाय।

उल्लेखनीय है कि पदाधिकारियों के स्थानांतरण, पदस्थापन से संबंधित अनुपालन प्रतिवेदन मुख्य सचिव एवं डीजीपी के स्तर से 26 फरवरी के अपराह्न तीन बजे तक आयोग को भेजा जाना है।

BRIEF NEWS

डीजे की तेज आवाज से पड़े बीमार, अस्पताल में गई जान

ROURKELA : राउरकेला के रघुनाथ पाली थाना अंतर्गत एसटीआई चौक में शुक्रवार की शाम एक बेहद चौकाने वाली घटना घटी है। डीजे की तेज आवाज से एक चाय दुकानदार की जान चली गई। यह घटना शुक्रवार की शाम उस समय हुआ जब यहां हुई सरस्वती पूजा के बाद विसर्जन जुलुस निकल रहा था। अत्यधिक डीजे की आवाज के वजह से एसटीआई चौक के चाय दुकानदार प्रेमनाथ सह नही पाए और उसके हालत बिगड़ने से तत्काल अस्पताल ले जाया गए। डॉक्टर ने जांच करने के बाद उनके मौत का पुष्टि कर दी। इस मामले को लेकर रघुनाथपालि थाना में मामला दर्ज होने पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंच कर डीजे सिस्टम को जब्त कर लिया और मामले की जांच में लग गई है।

राउरकेला में घूमने निकले नीदरलैंड के खिलाड़ी

ROURKELA : राउरकेला में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए राउरकेला आए नीदरलैंड टीम के खिलाड़ी शनिवार को शहर में घूमने निकले। सुबह 11 बजे खिलाड़ी बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम स्थित वर्ल्ड कप विलेज से निकलकर बीजू पटनायक प्लूटन मॉल, बसंती सरोबार, सेक्टर 5 इस्थित बीजू पटनायक हॉकी स्टेडियम घूमने निकले। प्लूटन मॉल में, खिलाड़ी गेम जोन में गए और विभिन्न खेलों का आनंद लिया। इसके अलावा, उन्होंने बसंती सरोवर का दौरा किया और वाटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया। अंत में, खिलाड़ियों ने सेक्टर 5 में बीजू पटनायक हॉकी स्टेडियम का दौरा किया और प्रशिक्षण ले रहे युवा खिलाड़ियों को हॉकी की तकनीक सिखाई और उसके साथ तस्वीरें लीं क खिलाड़ियों में - जैस्पर ब्रिंकमैन, फ्लोरिस बोर्टेलबॉयर, गुस जॉनसन, सेभे भान आस, तजेमेन रीजेंगा प्रमुख थे।

सामाजिक कार्यकर्ता दामोदर सेठी का 11वां कार्यक्रम

ROURKELA : स्वर्गीय दामोदर सेठी का 11वां कार्यक्रम उनके छेंड स्थित आवास पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनके दोनों पुत्र शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र सेठी, पुत्र सॉफ्टवेयर इंजीनियर धीरेंद्र सेठी, सुप्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत सेठी, पुत्री विद्यापति सेठी, राउरकेला के सभी रिश्तेदार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

देवाशीष मल्लिक बने सुंदरगढ़ चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक

ROURKELA : देवाशीष मल्लिक को सुंदरगढ़ जिले के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में विधानसभा सह पर्यवेक्षक के रूप में चुना गया है, वहीं उन्हें जिले के साथ सुंदरगढ़ सदर पर्यवेक्षक के रूप में जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव सामने आने पर पार्टी की स्थिति मजबूत करने की उनकी जिम्मेदारी काफी बढ़ जाती है। तलशेरा विधान सभा क्षेत्र के लिए बैकुंठ नायक, सुंदरगढ़ विधान सभा क्षेत्र के लिए देवाशीस मल्लिक, बिरमित्रपुर विधान सभा क्षेत्र के लिए मनोज सेनापति, रघुनाथ पाली विधान सभा क्षेत्र के लिए प्रशांत जेना,राउरकेला विधान सभा क्षेत्र के लिए दुर्गा सामंतराय, राजगांगपुर विधान सभा क्षेत्र के लिए धर्मेश नायक, बणई विधान सभा क्षेत्र के लिए स्टालिन परीजा को पर्यवेक्षक मनोनित किया गया है।

होमगार्ड जवान व सीओ के चालक के साथ मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

KODERMA : जिले के मरकच्चो में बालू माफिया ने होमगार्ड के जवान व सीओ के चालक के साथ मारपीट करने और सीओ की गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर बालू लोड ट्रैक्टर को लेकर भागने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी जब्त किया गया। इस बाबत कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि सीओ परमेश्वर कुशवाहा मरकच्चो के लिखित आवेदन पर मरकच्चो थाना कांड संख्या 15 /24 दर्ज किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सकलदेव सिंह और अनिल सिंह हैं।

गुमला में सड़क हादसा, दो युवकों की मौत, एक गंभीर

एक ही बाइक पर तीनों युवक थे सवार, तेज रफ्तार ने ली जान

PHOTON NEWS GUMLA : झारखंड के गुमला जिले के टोटो पेट्रोल पंप के समीप सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी है, जबकि एक युवक की हालत नाजुक है। ये सभी युवक एक ही बाइक पर सवार थे और एक समारोह में भाग लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक वाहन से टक्कर हो जाने के कारण ये सड़क हादसे के शिकार हो गए। बताया जा रहा है कि बाइक की रफ्तार काफी अधिक थी। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर, गुमला पुलिस को सूचना मिलने पर एएसआई बीरबल पांडेय दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर दोनों शवों को टेंपो के माध्यम से सदर अस्पताल, गुमला भिजवाया। घायल को भी सदर अस्पताल गुमला भिजवाया गया। शनिवार की सुबह एसआई मुनेश तिवारी ने सदर अस्पताल पहुंचकर दोनों शवों का पंचनामा कर शवों को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

सड़क हादसे के बाद अस्पताल पहुंचे परिजन। ● फोटोन न्यूज

समारोह में भाग लेकर लौट रहे थे घर

गुमला के टोटो पेट्रोल पंप के नजदीक सड़क हादसे में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि एक युवक की हालत गंभीर है। उसे रिम्स (रांची) में भर्ती कराया गया है। मृतकों में बड़ा खटंगा डांडटोली निवासी आदर्श गोप (21 वर्ष) व अनुज उरांव (15 वर्ष) की घटनास्थल पर मौत हो गयी। घायल अंबवा निवासी इंद्रजीत बड़ाइक (20 वर्ष) को रिम्स में भर्ती कराया गया है। ये लोग केसीपारा गांव में संजय गोप के घर से घरलंगी समारोह में भाग लेकर टोटो जा रहे थे। इसी दौरान ये सड़क हादसे के शिकार हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने जानकारी दी है कि दो युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी, जबकि एक युवक को इलाज के लिए रांची ले जाया गया। वहां उसकी हालत नाजुक है।

बताया जा रहा है कि तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे। हेलमेट भी नहीं पहने हुए थे और बाइक की रफ्तार भी काफी तेज थी। एक वाहन से इनकी बाइक की टक्कर हो गयी। इससे ये सड़क हादसा हुआ है। परिजनों ने बताया कि मृतक आदर्श गोप कसीरा में अपने जीजा संजय टाइगर के साथ रहता था। शुक्रवार को संजय टाइगर के घर का गृह प्रवेश था। वह दिनभर वहीं था। साथ में आदर्श के दोस्त अनुज उरांव और इंद्रजीत बड़ाइक भी थे। पार्टी खत्म होने के बाद रात को तीनों दोस्त एक बाइक पर बैठकर बड़ा खटंगा डांडटोली जा रहे थे। तभी टोटो पेट्रोल पंप के समीप विपरीत दिशा से आ रही पिकअप वैन से सीधी भिड़ंत में अनुज व आदर्श की मौत हो गयी, जबकि इंद्रजीत घायल हो गया। घायल इंद्रजीत बड़ाइक केसीपारा स्कूल के वर्ग सातवीं का छात्र है।

घटना की सूचना मिलने पर बार एसोसिएशन के सचिव बाबूलाल चौहान सदर अस्पताल पहुंचे। जहां उन्होंने शव को देखने के बाद दुःख प्रकट किया। उन्होंने बताया कि मृतक आदर्श की मां उषा रानी बार एसोसिएशन कार्यालय में पीयून के पद पर कार्यरत हैं। इससे वह अपना व अपने बेटे का जीविकोपार्जन चला रही थीं। उन्होंने पंचनामा कर रहे पुलिस पदाधिकारी से भी मुआवजा में सहयोग के लिए कागजात तैयार करने की बातें कहीं।

बोकारो में ड्यूटी के दौरान ट्रेन की चपेट में आने से दो रेलवे कर्मियों की मौत

BOKARO : चंद्रपुरा-गोमो तेलो रेल लाइन के तेलो स्टेशन से करीबन डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर दांदूडीह के समीप शनिवार तड़के ड्यूटी पर तैनात रेलवे के दो ट्रेक मैन (पेट्रोलिंग मेन) की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गयी। तेलो स्टेशन मास्टर की सूचना पर वरीय अनुभाग अभियंता रेल पथ चंद्रपुरा रंजीत कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। अभियंता ने बताया कि 03:45 बजे सूचना मिलने के बाद तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। दोनों कर्मियों के शव क्षत-विक्षत पड़े थे। घटना इस्लामाबाद हटिया एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 18623 की चपेट में आने से हुई। ड्यूटी के रिकॉर्ड के आधार पर दोनों की पहचान मोहन कुमार शर्मा (40) एवं राहुल कुमार (28) के रूप में हुई है। दोनों पेट्रोलिंग गश्ती में ड्यूटी कर रहे थे। दोनों कर्मी बिहार के निवासी थे। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

ओडिशा से 60 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त

दुर्घटनाग्रस्त बस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : ओडिशा से अयोध्या जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस झारखंड में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना पूर्वी सिंहभूम के गालूडीह प्रखंड में हुई, जब हाई-वे पर खड़े ट्रेलर को बस ने पीछे से टक्कर मार दी। बस में 60 श्रद्धालु सवार थे। पूर्वी सिंहभूम के गालूडीह के पास सालबनी में हाईवे पर पहले से खड़े एक टेलर से शनिवार (24 फरवरी) की सुबह यात्री बस टकरा गई। बस ओडिशा के जाजपुर से अयोध्या जा रही थी। बस में महिला एवं बच्चों समेत 60 लोग सवार थे। सभी उत्तर प्रदेश के अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए जा रहे थे। सुबह-सुबह हुई इस दुर्घटना में 6 लोग घायल हो गए। बाकी लोग सुरक्षित हैं। घायलों का इलाज घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में कराया गया। दुर्घटना की वजह से बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बाद में एक दूसरी बस की व्यवस्था की गई और उसमें सभी लोगों को जमशेदपुर की ओर रवाना किया गया।

सूचना पाकर गालूडीह की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि बस के चालक को झपकी आ गई, जिसकी वजह से दुर्घटना हुई।

एक टेलर खराब हो गया था। इसलिए सड़क किनारे उसे खड़ा कर दिया गया था। बस टेलर के पीछे से आई। चूंकि सुबह का समय था, चालक को झपकी आई और बस टेलर से जा भिड़ी। डॉक्टरों ने बताया है कि 6 यात्रियों को अस्पताल में लाया गया था। डॉक्टर ने यह भी बताया कि सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। घायलों के नाम अशोक दलाई (50), पीतांबर साह (53), सरोज कुमार नायक (29), प्रफुल्ल दास (40) और शिवनाथ (65) हैं। सभी ओडिशा के जजपुर के रहने वाले हैं।

मो बस ऐप और मो बस कार्ड के लिए योजना लांच

PHOTON NEWS ROURKELA : राज्य सरकार ने यात्रियों की सुविधा के लिए नया उन्नत ऐप बनवाया है। इससे यात्रा में आसानी होगी और यात्रियों को अपनी बस के लाइव आगमन समय को जानने और वास्तविक समय में बस का लोकेशन देखने में सशक्त बनाएगा। इससे नागरिकों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में मदद मिलेगी। नया 'सीआरयूटी मो बस' ऐप एंड्रॉइड के साथ-साथ आईओएस पर भी उपलब्ध है। यात्री सबसे सस्ता और तेज यात्रा

विकल्प ढूंढ सकते हैं और सीधे ऐप के माध्यम से मोबाइल बस पास खरीद सकते हैं। कैशलेस लेनदेन को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए, कंप्यूटर ने टैप एंड पे मो बस कार्ड के लिए विशेष पेशकश की घोषणा की। उन्होंने कहा, ₹एक यात्री को 500 रुपये के टॉप अप पर 40 प्रतिशत अतिरिक्त और 1000 रुपये के टॉप अप पर कार्ड की लागत को छोड़कर 50 प्रतिशत अतिरिक्त मिलेगा।₹यह ऑफर 1 मार्च से शुरू होने वाले एक महीने के लिए राजधानी क्षेत्र के साथ-साथ राउरकेला में भी वैध है।

पास में बस यात्री गाइड (कंडक्टर) की टिकटिंग मशीन पर मो बस कार्ड टैप कर सकते हैं और टिकट जारी हो जाएगा। इस कार्ड के इस्तेमाल से लोगों को चेंज और बकाए की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। यात्री इस कार्ड को बस में गाइड से खरीद सकते हैं। राउरकेला में, यात्री सिटी बस स्टैंड में मो बस काउंटर से कार्ड खरीद सकते हैं सीआरयूटी इन कार्डों को बेचने के लिए राजधानी क्षेत्र और राउरकेला में कियोस्क भी लगाएगा।

नए ऐप में निम्नलिखित विशेषताएं होंगी : लाइव बस ट्रैकिंग, आगमन का अनुमानित समय, वास्तविक समय बस अधिभोग, ऑनलाइन टिकटिंग और पास खरीद।

सीटू के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लंबोदर नायक का निधन

PHOTON NEWS ROURKELA : ओडिशा के प्रमुख श्रमिक नेता, श्रमिक आंदोलन के उपज प्रमुख सेनानी और सीटू ओडिशा राज्य समिति के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे लंबोदर नायक का शनिवार को भुवनेश्वर के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही, भुवनेश्वर में चल रही सीटू राज्य कर्मचारियों की बैठक स्थगित कर दी गई और सीआईटीयू नेशनल यूनियन के अध्यक्ष डॉ के हेमलता, राज्य सभापति जनार्दन पति, राज्य महासचिव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

बिष्णु मोहंती, सीपीआईएम के राज्य संपादक अली किशोर पटनायक, राज्य नेता विमान माईती, बसंत नायक, जहांगीर अल्ली, हदयानंद यादव, शकुंतला महाकुड़ मकर पाटिया स्थित उनके आवास पहुंचे और अंतिम दर्शन किये।

साथी की मौत की खबर के बाद राउरकेला सेक्टर 2 में प्राइवेट बस स्टैंड में शोकसभा किया गया। सीपीआई (एम) के जिला संपादक, मंडली सदस्य सुरेंद्र दास, राज किशोर प्रधान, बी पी महापात्रा, अरिंदम दत्त, विश्वजीत माझी, लक्ष्मीधर नायक, प्रभात मोहंती, बासुदेव साहू, एनके राउतराय, बुबुन माईती, प्रमोद परिदा, अनादि साहू, अरुण महराना प्रमुख ने कामरेड लंबोदर की स्मृति में गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य भर में 660 करोड़ रुपये की खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शुरू

PHOTON NEWS BHUBANESHWAR : मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को करोड़ों रुपये की खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। 660 करोड़ जिसमें 48 बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम, कटक टेबल टेनिस अकादमी, राउरकेला जिमनास्टिक अकादमी और 12 हॉकी प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं। इस मौके पर उन्होंने 11 खेल परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया. इन परियोजनाओं को खेल क्षेत्र में जमीनी स्तर से लेकर अभिजात वर्ग तक परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए फाइव टी पहल के तहत शुरू किया गया है।

जमीनी स्तर पर खेल विकास को बढ़ावा देने और स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए, पूरे ओडिशा में 48 बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियम

बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का उद्घाटन करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

विकसित किए गए हैं। बहुउद्देशीय इनडोर स्टेडियमों में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, योग, शतरंज और भारोत्तोलन, जिम आदि जैसे खेलों के लिए कोर्ट, कमरे और सुविधाएं होंगी। इसके अलावा, भवानीपटना में एक उन्नत बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का भी उद्घाटन किया गया है।

ओडिशा के युवा पैडलर्स के लिए अपार संभावनाएं हैं। कटक टेबल टेनिस अकादमी में 16 प्रीमियम-गुणवत्ता वाली टीटी टेबल हैं, साथ ही एक पूरी तरह सुसज्जित व्यायामशाला और एक समर्पित भारोत्तोलन कक्ष भी है। इस सुविधा में शतरंज के शौकीनों के लिए एक निर्दिष्ट क्षेत्र के साथ-साथ योग और जुम्बा के लिए विशेष रूप से बनाए गए स्थान भी शामिल हैं।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना होगा : कोचे मुंडा

PHOTON NEWS KHUNTI : भाजपा विधायक और खूंटी संसदीय क्षेत्र के संयोजक कोचे मुंडा ने कहा कि यदि हमें भारत को विश्व गुरु और आर्थिक महाशक्ति के साथ आत्मनिर्भर बनाना है, तो हमें तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना होगा। भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है कि वे केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभार्थियों के घरों में जाकर उन्हें आनेवाले लोकसभा चुनाव में फिर से कमल को खिलाने के लिए प्रेरित करें।

विधायक शनिवार को तोरपा स्थित नगर भवन में आयोजित लाभार्थियों की समृद्धि, मोदी की गारंटी के तहत आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक कोचे मुंडा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गांवों और गरीबों का जितना विकास हुआ, उतना पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ था। मुंडा ने कह कि एक भाजपा कार्यकर्ता को सिर्फ 20 घरों में संपर्क करना है और उनसे राय लेनी है कि क्या वे प्रधानमंत्री के कार्यों से संतुष्ट हैं और नहीं है, तो इसका कारण क्या है। विधायक ने कहा कि सभा लाभार्थियों को प्रधानमंत्री का पत्र भी सौंपना है।

इसके पूर्व कार्यकताओं का स्वागत करते हुए तोरपा मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी ने कहा कि यह निर्देश जिला या प्रदेश का नहीं, बल्कि केंद्र का है। इसलिए सभी मनमुटावों को भूलकर पार्टी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों का सफल बनायें। कार्यक्रम संयोजक संतोष त्रिपाठी ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। सह संयोजक अजीत रॉय ने कार्यक्रम में विषय प्रवेश कराया और कार्यकताओं से अपील की कि वे हर हाल में सफल बनायें।

इस मौके पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष जयसवाल, दीपक तिग्गा, नीरज जयसवाल, केशव कुमार, आशुतोष सिंह, सुबोध कुमार, रोहित सिंह, महावीर साहू, भागीरथ राय, कलीम खान, संगीता देवी, सुनीता देवी, विनोद राय, भोला गुप्ता, श्याम साहू सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

134वें सृजन संवाद में रचनाकारों ने साझा किए अपने लेखन से जुड़े अनुभव

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्ट्रीमयार्ड और फेसबुक लाइव पर जुड़े देशभर के युवा साहित्यकार व लेखक

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर की साहित्य, सिनेमा एवं कला की संस्था 'सृजन संवाद' की 134वीं संगोष्ठी का आयोजन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्ट्रीमयार्ड और फेसबुक लाइव पर किया गया। शुक्रवार शाम छह बजे कवि-पत्रकार सारंग उपाध्याय तथा कहानीकार-उपन्यासकार अनघ शर्मा प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नेहा तिवारी एवं डॉ मंजुला मुरारी ने किया। वैभव मणि त्रिपाठी ने स्ट्रीमयार्ड संभाला। इस मौके पर 'सृजन संवाद' कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. विजय शर्मा ने बताया कि संस्था नए और स्थापित दोनों रचनाकारों को मंच उपलब्ध कराती है। इसी सिलसिले में संगोष्ठी में दो ऐसे उपन्यासकार उपस्थित हुए, जिनका पहला उपन्यास प्रकाशित हुआ है। सृजन संवाद के मंच से दोनों रचनाकारों ने अपनी लेखन यात्रा दर्शकों/श्रोताओं से साझा की। मस्कट से अनघ शर्मा तथा भोपाल से सारंग उपाध्याय अपने उपन्यास

अंश का पाठ करते हुए अपनी लेखन यात्रा के बारे में बताया। गोष्ठी में पाटकर कॉलेज, गोरेगांव के छात्र भी जुड़े थे।

सारंग उपाध्याय के नए उपन्यास पर हुई चर्चा

डॉ. नेहा तिवारी ने सारंग उपाध्याय का परिचय देते हुए बताया कि वे न केवल कवि हैं, वरन उनके उपन्यास में भी कविताएं पिरोई हुई हैं। उपन्यास 'सलाम बांम्बे वाया वसार्वा डोगरी' मुंबई के एक खास तबके के जीवन की उथल-पुथल को दिखाता है। सारंग उपाध्याय ने बताया कि यह उपन्यास पहले तद्भव पत्रिका में प्रकाशित हुआ

था। पत्रिका के संपादक अखिलेश के उत्साहजनक शब्दों से प्रेरित होकर इसे किताब की शक्ल में राजकमल ने प्रकाशित किया है। मुंबई में काफी समय बिताने और वहां की जिंदगी को करीब से देखने के बाद उन्होंने यह उपन्यास लिखा है, जिसे पाठकों की भरपूर प्रशंसा मिल रही है। उपन्यास मछुआरों के जीवन पर केंद्रित है। चूंकि, सारंग पत्रकार हैं वे उसी नजरिए से चीजों को देखते हैं।

कार्यक्रम में सृजन संवाद फेसबुक लाइव के जरिए देहरादून से सिने-समीक्षक मन मोहन चड्ढा, दिल्ली से रमेश कुमार सिंह, बनारस से जयदेव दास, जमशेदपुर से करीम सिटी-मॉसकॉम प्रमुख डॉ. नेहा तिवारी, डॉ.क्षमा त्रिपाठी, डॉ. मीनू रावत, गीता दूबे, आभा विश्वकर्मा, रांची से तकनीकी सहयोग देने वाले 'यायावरी वाया भोजपुरी' फेम के वैभव मणि त्रिपाठी, गोरखपुर से पत्रकार अनुराग रंजन, बेंगलुरु से पत्रकार अनघा, लखनऊ से डॉ. मंजुला मुरारी, डॉ. राकेश पांडेय, भोपाल से सुदीप सोहनी, चितरंजन से डॉ. कल्पना पंत, गोरेगांव से कॉलेज के कई छात्र आदि प्रमुख रूप से उपस्थित हुए। सभी ने अपने-अपने विचार रखे, जिससे कार्यक्रम और समृद्ध हुआ। 'सृजन संवाद' की दिसंबर मास की गोष्ठी (135वीं) की घोषणा के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

साथियों ने उन्यास लिखने के लिए किया प्रेरित : अनघ शर्मा

अगले वक्ता अनघ शर्मा का परिचय देते हुए डॉ. मंजुला मुरारी ने बताया कि अनघ शर्मा मूलतः कहानीकार हैं। उनके दो कहानी संग्रह 'आवाजें कांपती रही' तथा 'धूप की मुरेड़' प्रकाशित हैं। 'नीली दीवार की परछाइयां' उनका पहला उपन्यास है। शिक्षण के पेशे से जुड़े अनघ शर्मा को उन्होंने अपनी लेखन यात्रा साझा करने के लिए आमंत्रित किया। अनघ शर्मा ने बताया कि उन्होंने जब कई कहानियां लिख लीं, तो कई दोस्तों तथा रचनाकारों ने दबाव बनाना शुरू किया कि वे अब उपन्यास लिखें। पहले उन्होंने कहानी ही लिखी, मगर रचनाकार दोस्त प्रत्यक्षा ने उसे उपन्यास बनाने का सुझाव दिया और जब इस प्रक्रिया में वे अटकने लगे, तो प्रत्यक्षा ने महत्वपूर्ण सुझाव दे उसे आगे बढ़ने में मदद की। अनघ शर्मा ने

उपन्यास के शुरूआती अंश तथा अंत के दो संक्षिप्त पत्र पढ़कर सुनाए। उपन्यास मुख्य रूप से तीन पात्रों को लेकर चलता है। दोनों रचनाकारों ने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में डॉ. विजय शर्मा ने दोनों वक्ताओं के वक्तव्य पर टिप्पणी करते हुए उनके भविष्य की शुभकामना की।

अरवल में मिनी गन फैक्ट्री,कुएं में करते टेस्टिंग

पति-पत्नी समेत पूरा परिवार था शामिल, जब्ती में लगे 12 घंटे; 4 ट्रैक्टर में हथियार-सामान लोड कर लाई पुलिस

एजेंसी

अरवल । पुलिस ने तीन घरों में चल रही मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा किया है। मुर्गी फार्म की आड़ में फैक्ट्री चलाई जा रही थी। पुलिस अधीक्षक विद्यासागर ने बताया कि तेलपा शहर के राधे बिगहा गांव में पति-पत्नी और मामा-भांजे मिलकर हथियार बनाने का काम करते थे। मामा का नाम मुकेश कुमार और भांजे का नाम गुड्डू कुमार है। मुकेश बैंक लूट और कई मामलों में जेल जा चुका है। जिसने जेल में ही मिनी गन फैक्ट्री की प्लानिंग की थी। यह दोनों बिहार के बाहर बंगाल, झारखंड और उत्तर प्रदेश में हथियार को बेचा करते थे। गांव के लोगों को जेसीबी का पार्ट्स बनाने का बहाना देकर काम करते थे। रात के समय कुएं में हथियारों की टेस्टिंग करते थे। वहां से 14 कारीगरों की गिरफ्तारी और 2 दर्जन

से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही कई अर्धनिर्मित हथियार भी बरामद हुए हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से करपी थाने में पूछताछ की जा रही है। आरोपियों से मिली जानकारी के अनुसार छापेमारी भी जारी है। फैक्ट्री इतनी बड़ी थी की पुलिस को अवैध हथियार समेत अन्य सामानों को जब्त करने में 12 घंटे से अधिक समय लगा। बरामद उपकरणों को चार ट्रैक्टर में लोड कर करपी थाने लाया गया। जब्त सामानों में दो बिजली जनरेटर भी शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक विद्यासागर ने बताया कि गिरफ्तार

मुख्य आरोपी मुकेश अपनी पत्नी दुर्शी देवी और लड्डू अपनी आरती देवी को भी इस धंधे में शामिल रखते थे। कारीगरों को खाना खिलाने से लेकर फैक्ट्री में हथियार निर्माण होने के बाद दूसरे मकान में रखा जाता था। मुंगेर से 9 कारीगरों को लाया गया था, जिसे अलग-अलग घरों में कैद कर रखा जाता था। गिरफ्तार सुनील कुमार दास, दशरथ शाह फिनिशर कारीगर के रूप में काम करते थे। इसके अलावा पंकज कुमार लेथ कारीगर, नंदू चौधरी फिटिंग कारीगर राहुल कुमार हाल कारीगर, विशाल कुमार हेल्पर, संजय कुमार शाह, प्रवीण कुमार ड्रिल कारीगर, आशीष कुमार ग्राइंडर कारीगर के रूप में काम करते थे।6 सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, 6 अर्ध निर्मित सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, 6 पिस्टल बॉडी, 7 पिस्टल स्लाइडर, 6 बैरल सात जिंदा कारतूस, एक गोली का खोखा, एक बड़ी लेथ मशीन, दो ड्रिल मशीन, 3 बड़ी मिलिंग मशीन, एक बड़ी इलेक्ट्रिक ग्राइंडर मशीन, 11 वॉइस मशीन, एक इलेक्ट्रिक वेल्डिंग मशीन, 3 हेड वॉइस मशीन, 1 जैक, 3 ग्राइंडर कटर, छोटा-बड़ा छेनी और अन्य हथियार बनाने के बड़े उपकरण जब्त किए गए हैं। एक स्कॉर्पियो और बाइक भी जब्त हुई है। मुख्य सरगना मुकेश कुमार बालू चोरी ने अपराध की दुनिया में कदम रखा था। देखते ही देखते अपनी बादशाहत कायम कर ली।

संक्षिप्त डायरी

ओपी थाने के रूप में अपग्रेड

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले की पुलिसिया व्यवस्था और चुस्तदुरूस्त बनाने के लिए पुलिस मुख्यालय ने जिले के छह ओपी को थाने के रूप में अपग्रेड कर दिया है। इसको लेकर सरकार का नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है। इसके साथ ही जिले में अब कोई ओपी थाना नहीं रहा। सभी ओपी थाने के रूप में अपग्रेड कर दिए गए हैं। अब इन थानों के पुलिस पदाधिकारी को मदर थाना नहीं जाना होगा। पूर्व के ओपी के थानाध्यक्ष अब खुद ही केस दर्ज कर पुलिस पदाधिकारी को जांच करने का निर्देश जारी कर सकेंगेएसपी विनय तिवारी ने बताया के जिले के सभी छह ओपी को थाना बनाने के लिए काफी समय पूर्व एक प्रस्ताव भेजा था उसी प्रस्ताव के आलोक में सरकार ने जिले की ओपी हलई, शिवाजीनगर, मोहनपुर, वैनी, मथुरापुर व घटहो को अब थाना बना दिया गया है। इसको लेकर बिहार सरकार के गृह विभाग द्वारा नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है।अपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण पाने, विधि व्यवस्था के संधारण एवं सुरक्षा के लिए सूबे के 176 ओपी को थाना के रूप में उत्क्रमित करने की स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में सभी ओपी अपने पैतृक थाना के अंतर्गत कार्य करती है। जिसके कारण ओपी के पदाधिकारी स्थाई एवं स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर पाते थे।

सड़क हादसे में दो लोग हुए घायल

मुंगेर। मुंगेर में सड़क पार कर रहे साइकिल सवार मजदूर को पिकअप ने टक्कर मार दी। पिकअप लखीसराय की ओर से आ रहा था। हादसे के बाद दोनों व्यक्ति घायल हो गए। पिकअप चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश करने लगा, इसी दौरान उसकी टक्कर हसनगंज के समीप बिजली के खंभे से हो गई। जिसमें वो खुद भी घायल हो गया। जख्मी चालक मेदनीचौकी के देवघरा चन्द्र टोला निवासी किशनलाल महतो का पुत्र सोमनाथ है। जबकि दूसरे घायल टोला फरदा निवासी बिनो यादव के पुत्र किशोर यादव है। हादसा सफियासराय थाना क्षेत्र के हेरू दियारा मोड़ के पास का है।पुलिस घायल चालक से पूछताछ कर रही है। मगर चालक कुछ बताने की स्थिति में नहीं है, दोनों घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। घायल किशोर यादव के परिजन सदर अस्पताल पंहुचे हुए हैं। जहां उनकी पत्नी और पुत्र दोनों का रो- रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने घायल ड्राइवर सोमनाथ के परिजनों को सूचना दे दी है।

बेमौसम बारिश से फसलों को पहुंचा नुकसान

नालंदा। नालंदा में शनिवार को बादल और सूर्य के बीच लुकाछिपी का खेल जारी रहा, जहां मैक्सिमम तापमान शनिवार को 24 डिग्री तो मिनिमम तापमान 14 डिग्री रिकार्ड किया गया। सुबह के पहर हल्का ठंड भी महसूस हो रहा था।जिले में गुरुवार को हुई रुक-रुक कर बारिश और शुक्रवार को कुछ एक स्थानों पर हुई बारिश ने गेहूं की फसल को छोड़ बाकी फसलों को नुकसान पहुंचाया है। खासकर कटनी के बाद खलिहानों में रखे सरसों और रबी की फसलों के बोझे को भी नुकसान हो गए हैं। दाने काले होने का डर किसानों को सता रहा है।खेतों में नमी हो जाने के कारण तैयार आलू की हरवेस्टिंग पर ब्रेक लग गई है। एक सप्ताह पूर्व हुई बारिश से भी फसलों को काफी क्षति हुई थी। पिछात आलू में गलकी बीमारी रोग हो गया है। हद तो यह है की दवा का छिड़काव करने के बाद भी बीमारी से निजात नहीं मिल रही है। तैयार हो चुकी सरसों की फसल के गिर जाने से उपज प्रभावित होना तय है।रविवार से जिले में मौसम के सामान्य होने की उम्मीद है। जहां रविवार को मैक्सिमम तापमान 27 डिग्री तो मिनिमम 16 डिग्री रहने की आशंका व्यक्त की जा रही है। आने वाले दिनों में तापमान में और भी बढ़ोतरी देखी जा सकती है, वही दिन और रात दोनों गर्म रहने की उम्मीद है।

JSSC पेपर लीक मामले में भागलपुर, नवादा से गिरफ्तारी

रांची। स्नातक स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले में अब तक पांच गिरफ्तारी हो चुकी है। तीन गिरफ्तारी रांची से हुई है। वहीं दो गिरफ्तारी शुक्रवार को बिहार के भागलपुर और नवादा जिले से हुई है। भागलपुर से गिरफ्तार युवक का नाम राहुल पीयूष और नवादा से गिरफ्तार युवक का नाम अभिषेक राज है। अब एसआईटी पटना के राजीव कुमार की तलाश कर रही है। दोनों ने इन्वेस्ट किए डेढ़ करोड़ गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में एसआईटी को पता चला है कि अभिषेक और राहुल ने पटना के राजीव कुमार के साथ मिलकर पेपर लीक करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए इन्वेस्ट किए थे। दोनों ने बैंक अकाउंट खोला। जिसमें उम्मीदवारों से लिए गए पैसे जमा कराए जा रहे थे।

भारत एक हिन्दू राष्ट्र सिर्फ घोषणा होना बाकी

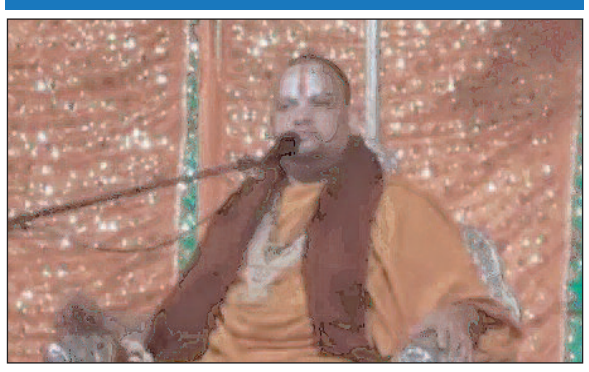

गया । गया जिले के इमामगंज प्रखंड अंतर्गत पड़रिया गांव स्थित देवी शिव, और हनुमान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर किए जा रहे सात दिवसीय रुद्र महायज्ञ का समापन शुक्रवार की शाम से शुरू होकर रात तक भव्य भंडारे के साथ हो गया। महायज्ञ के अंतिम दिन शंकराचार्य श्री रामानंद आचार्य जी ने अपने भक्तों को संबोधित किया। भक्तों को संबोधित करने के दौरान रामानंद आचार्य जी देश में हिंदू संस्कृति से जुड़ी ब्रह्मा, विष्णु, महेश, पार्वती, गंगा, जमुना जैसे कई देवी-देवता के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।इसी क्रम में उन्होंने ने कहा भारत में 80% से ज्यादा अधिक हिन्दू की आबादी हो तो क्यों नहीं हम मांग करेंगे कि हिंदू राष्ट्र बने, यह वैसे हिंदू राष्ट्र हीं है, सिर्फ. इसकी औपचारिक घोषणा करना बाकी है। मैं यहां से हिंदू राष्ट्र की घोषणा करने की मांग करता हूं। शंकराचार्य श्री रामानंद आचार्य ने राम मंदिर पर कहा राम मंदिर बनने के बाद कुछ लोग इसे चुनावी मुद्दा से जोड़ रहे हैं। हम कहेंगे कोई संकोच की बात नहीं, भाजपा ने ही राम मंदिर को बनवाया है। अगर दम था किसी और सपा, कांग्रेस, आम आदमी, टीएमसी सहित घटक दलों की पार्टियों में तो वे क्यों नहीं राम मंदिर को बनवा सके। राम मंदिर बनने से भाजपा को इस बाहर होने वाले लोकसभा में जरूर फायदा मिलेगा। शंकराचार्य ने कहा जो व्यक्ति राम की बात करेगा, शिव की बात करेगा और भारतीय संस्कृति एवं सनातन की बात करेगा उसके साथ जनता खड़ा होगी। और जो हमारे भारतीय संस्कृति से जोड़कर काम करेगा उसके साथ हम हम लोग खड़े रहेंगे। भारत की जनता जरुर साथ खड़ा रहेगी। ऐसे में कोई भी अच्छा काम करता है तो उन्हें सम्मान जरूर मिलना चाहिए।

हेरोइन तस्कर समेत दो गिरफ्तार

एजेंसी

आरा। भोजपुर जिले के दो अलग-अलग जगह पर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर अवैध हथियार व हीरोइन के साथ दो को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी एसपी प्रमोद कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि तरारीझकरथ मुख्य मार्ग पर अकरौंज मोड़ के समीप पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 26 पुड़िया हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।पकड़ा गया तस्कर मो. अफसरफ रोहतास जिले के राजपुर

थाना क्षेत्र के राजपुर गांव का निवासी है। इसे लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी की गई है । एसपी ने बताया कि टीम को सफलता उसे वक्त लगी जब हीरोइन लेकर डिलीवरी देने जा रहा था तभी अपाचे बाइक के साथ उसे गिरफ्तार किया है। टीम में तरारी थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार भास्कर, दरोगा अवधेश सिंह समिति अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।वही एसपी ने बताया कि सहार थाना पुलिस ने बरुही गांव से फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले एक हिस्ट्रीशीटर को देसी पिस्तौल और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ के आरोपित बरूही अंकित कुमार उर्फ गुनगुन है। इस पर सहार थाना मे रंगदारी,लूट,चोरी फायरिंग करने सहित सात मामले दर्ज है।

वैशाली के सरकारी स्कूल में मिला छात्र का शव

हाजीपुर । वैशाली के एक सरकारी स्कूल में 8वीं कक्षा के छात्र की डेड बॉडी मिली है। छात्र का सिर फटा है और चेहरे पर चोट के निशान हैं। परिजन स्कूल के टीचर पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। यह मामला सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय मरीचा का है। मृतक की पहचान गौरव कुमार के रूप में हुई है। वह सराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मझौली महमदपुर बुजुर्ग गांव का रहने वाला था। वह इसी स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ता था। हर रोज की तरह वो आज शुक्रवार को भी स्कूल निकला था। शाम में छुट्टी के बाद घर नहीं पहुंचा। परिजन ने खोजबीन शुरू की तो स्कूल की

छुट्टी के बाद बच्चों ने बताया कि गौरव स्कूल मे बेहोश पड़ा है। आनन-फानन में परिजन वहां पहुंचे तो देखा उसकी लाश पड़ी है। स्कूल बंद था और सभी शिक्षक गायब थे।परिजन गौरव का शव लेकर घर गए। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस छात्र के घर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है। बच्चे की मौत से लोगों में भारी आक्रोश है। चाचा जितेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि सूचना मिली कि गौरव स्कूल में गिरा पड़ा है। जब हम लोग गए तो गौरव मृत पड़ा था। इसकी जानकारी किसी शिक्षक ने भी नहीं दी। उन्होंने बताया कि किसी छात्र के साथ हुए विवाद में गौरव मारा गया है। टीचर ने उसके साथ मारपीट की, जिसमें वह मारा गया है।वहीं, शिक्षकों पर भी लापरवाही का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि वह स्कूल में बेहोश था, लेकिन किसी टीचर ने इस बात की सूचना नहीं दी। स्कूल बंद कर भाग गए। दूसरे बच्चों से पता चला कि वह स्कूल में बेहोश है। सराय थानाध्यक्ष मणि भूषण कुमार ने बताया कि स्कूल में एक छात्र की मौत हुई है। छात्र के चेहरे पर चोट का निशान हैं। मामले की गहन छानबीन की जा रही है। छात्र की मौत कैसे हुई पता लगाया जा रहा है। हाजीपुरवैशाली के एक सरकारी स्कूल में 8वीं कक्षा के छात्र की डेड बॉडी मिली है। छात्र का सिर फ्ट्य है ।

फंदे से लटकी मिली आशा कार्यकर्ता की लाश

मोतिहारी । मोतिहारी में एक महिला की संदिग्ध स्थिति में घर में फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ है। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेज दिया है। घटना केसरिया थाना क्षेत्र के दरमाहा पंचायत के त्रिलोकवा गांव की है। मृतक की पहचान केसरिया पीएचसी में आशा कार्यकर्ता के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतका के देवर अभिषेक कुमार ने बताया कि उसकी भाभी 22 वर्षीय सुनीता कुमारी आशा कार्यकर्ता का काम करती थी, बीती रात खाना खा कर दोनों बच्चे को ले कर सोने चली गई। बच्चे रो रहे थे जिसके बाद

धक्का दे कर गेट तोड़ा तो देखा की भाभी पंखा में फंदा लगा कर लटकी हुई थी, जिसके बाद पुलिस को सूचना देते हुए उसे फंदे से उतारा गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।मृतक के देवर ने बताया कि भाभी काफी दिनों से आशा में काम करती थी, सब कुछ ठीक चल रहा था, अचानक से क्यों इस तरह से की कुछ समझ नहीं आ रहा है। केसरिया थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि सूचना मिली की एक महिला का फंदा लगा कर आत्म हत्या कर ली है। पुलिस टीम को भेज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम में भेज दिया गया है।

मृतका परिजन के तरफ से अभी कोई आवेदन नहीं मिला है। मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बीस लाख की विदेशी शराब जब्त

मुजफ्फरपुर । होली को लेकर एक बार फिर जिले में शराब माफिया एक्टिव हो गए है। जिनपर नकेल कसने के लिए उत्पाद विभाग ने भी चौकसी के साथ साथ छापेमारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में शहर के अहियापुर थाना क्षेत्र के संगम घाट के पास लीची गाछी में उतर रही विदेशी शराब की एक पड़ी खेप को बरामद किया गया है। उत्पाद विभाग की छापेमारी में इस गोरखधंधे में शामिल तीन शराब माफिया को भी मौके से गिरफ्तार किया गया है। जिनसे शराब तस्करी से जुड़े इस धंधे को लेकर पूछताछ की जा रही है।शुक्रवार उत्पाद विभाग की टीम ने अहियापुर थाना इलाके के संगम घाट के समीप एक लीची गाछी में उतर रही विदेशी शराब की एक

बड़ी खेप को बरामद किया गया है। एक दौरान बगीचे से एक पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया है। जिसके ऊपर विदेशी शराब लदा हुआ है। वही उत्पाद विभाग की इस छापेमारी में विदेशी शराब की इस खेप के साथ तीन शराब माफिया को भी गिरफ्तार किया गया है।

ऑटो से 3 लाख का गांजा बरामद

कैमूर। कैमूर जिले के उत्पाद विभाग ने 32 किलो गांजा जब्त किया है। ऑटो से गांजा ले जाया जा रहा था। इसी दौरान पहाड़ी क्षेत्र में उत्पाद विभाग ने कार्रवाई की। ऑटो सवार 5 लोगों को गिरफ्तार कर उत्पाद विभाग की टीम पूछताछ में जुटी है। जब्त गांजा 3 लाख रुपए से अधिक का है। प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया चैनपुर थाना क्षेत्र के पहाड़ी इलाके से औरंगाबाद जा रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों में कैमूर जिले के चांद थाना क्षेत्र के दुगथुआ गांव निवासी राजकुमार पांडे और रामचंद्र यादव और चैनपुर थाना क्षेत्र के सिमरा गांव निवासी दीपक यादव, मनोज खरवार और जितेंद्र खरवार शामिल हैं।उत्पाद थाना प्रभारी भभुआ अशोक कुमार ने बताया उत्पाद विभाग ने चैनपुर थाना क्षेत्र के केवां

नहर के पास वाहन जांच और तलाशी अभियान चलाया था। इसी क्रम में ऑटो को रुकवा कर जब उसकी तलाशी ली गई तो ड्राइवर के अलावा चार लोगों के पास एक बैग मिला है। सभी बैग में चार-चार पीस गांजे का पैकेट बनाया हुआ था। एक पैकेट का वजन 2 किलो था। ऑटो से कुल 32 किलो गांजा बरामद हुआ। उन सभी को गिरफ्तार कर उत्पाद थाना भभुआ

होमगार्ड जवान ने गोली खाकर भी बैंक लुटने से बचाई

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । मुजफ्फरपुर में होमगार्ड जवान भोला राय ने खुद गोली खाकर भी पंजाब नेशनल बैंक को लूटने से बचाया।शुक्रवार की दोपहर 1 बजे पंजाब नेशनल बैंक लूटने के लिए घुसे अपराधियों से जवान भिड़ गया। जवान के थ्री नॉट थ्री रायफल तानने पर अपराधियों ने 7.65 एमएम पिस्टल से गोली मार दी। गोली जवान की जांघ में लगी है। गोली लगने से जख्मी होने के बाद बावजूद भोला राय ने पिस्टल से लैस 5 अपराधियों को करीब सवा मिनट तक रोके रखा। इसी बीच बैंक मैनेजर ने चालाकी दिखाई और ग्राहकों के बीच घुसकर अलार्म बजा दिया। अलार्म बजते ही अपराधी होमगार्ड जवान की रायफल लेकर भाग निकले। जख्मी जवान का एसकेएमसीएच में इलाज चल रहा

है। पूरा मामला कांटी नया चौक के ओवरब्रिज के पास पंजाब नेशनल बैंक का है। पूरी वारदात बैंक के सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है। जवान की बहादूरी बैंक में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। करीब डेढ़ मिनट के फुटेज में सबसे पहले कैप लगाए दो युवक ग्राहक बनकर बैंक में एंट्री करते दिख रहे हैं। जिसमें एक युवक पहले बैंक के गार्ड के पास पहुंचाता है। फिर वह अपनी पिस्टल को कमर से निकाल कर सीधे गार्ड के सर पर लगा देता है। तभी दूसरा युवक भी अपनी पिस्टल निकालकर गार्ड को अपने कब्जे में लेने की कोशिश करता है।।० इसके बाद भी बैंक का सुरक्षा गार्ड उनके ऊपर राइफल

तान देता है। फिर तीसरा अपराधी भी आता है और गार्ड को पिस्टल के बट से मारने लगता है। वो उसकी राइफल को छीनने की कोशिश करने लगता है। राइफल नहीं छीन पाने पर वो गार्ड के पैर में गोली मार देता है।घायल होमगार्ड जवान भोला राय ने बताया कि मैं बैंक के अंदर गेट पर बैठा था। इसी बीच मास्क लगाए पांच लोग बैंक में घुसे। शक होने पर उन्हें मास्क उतारने को कहा, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। कहा कि मैनेजर को बुलाओ। मैंने कहा कि नए मैनेजर आए हैं, हम नहीं जानते हैं। इस पर एक अपराधी ने पिस्टल की बट से सिर पर मार दिया और एक ने पीछे से पकड़ लिया। फिर भी मैंने रायफल तान दी। इस पर एक अपराधी ने मुझ पर गोली चला दी। जांघ में गोली लगते ही मैं जमीन पर गिर गया।बैंक में फॉर्म जमा करने आई चंद्रकला देवी ने बताया कि बैंक में घुसते ही अपराधी गेट पर खड़े गार्ड से धक्का-मुक्की करने लगे। जिसके बाद गार्ड को गोली मार दी। गोली चाते ही बैंक में अफरातफरी मच गई। बाहर से भी लोगों ने हल्ला शुरू कर दिया। बैंक ग्राहक मनोहर कुमार ने बताया कि अपराधी करीब 12 बजे के आसपास मार्केट के नीचे जमा हो गए थे। दो अपराधी बैंक के बाहर रेकी कर रहे थे, जबकि एक मोटरसाइकिल के पास खड़ा था। वहीं, बाकी अपराधी बैंक में दाखिल हुए।तिरहुत रेंज के आईजी शिवदीप लांडे ने कहा कि होमगार्ड जवान ने काफी दिलेरी दिखाई। इसी वजह से बैंक लूटने से बच गई। जवान को पुरस्कृत किया जाएगा। सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद दो अपराधियों की पहचान हो गई है।

स्वास्थ्य सजगता

अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कार्प के हालिया सर्वे में एक बात साफ हो गई है कि अब लोगों की स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता पहले से अधिक बढ़ी है। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कार्प समय-समय पर सर्वे कराकर लोगों के मूड को समझता रहता है। पिछले साल के अंत में कराए गए इस सर्वे में साफ हुआ है कि अब लोग युवावस्था में ही भौतिक संसाधन जुटाने, खान-पान के प्रति सजगता और हेल्दी टिप्स पर जोर देने लगे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि कोरोना के बाद देश-दुनिया के लोगों की प्राथमिकताओं में तेजी से बदलाव आया है। एक समय था जब लोग बचत को ही प्राथमिकता देते थे। अब लोगों की प्राथमिकता में स्वास्थ्य पहले पायदान पर आ गया है। इसमें भी खासतौर से मानसिक स्वास्थ्य और एक्सरसाइज को लेकर लोग अधिक गंभीर होने लगे हैं। लोगों में वर्कआउट के प्रति रुझान बढ़ा है। जबकि एक समय था जब वर्कआउट के लिए जिम जाने को स्टेटस सिंबल माना जाता था। मजे की बात तो यह है कि 51 फीसदी लोग कसरत करने की मशीनें घर पर ही खरीद कर रखने को तरजीह देने लगे हैं। अब लोग कर्ज लेकर घर-कार आदि आधुनिक सुविधायुक्त साधनों में निवेश करने को भी प्राथमिकता देने लगे हैं। कोरोना के अनुभव के साथ आर्थिक उदारीकरण के युग में भागमभाग और अंधी दौड़ के चलते लोग कर्ज के जाल में फंसने को भी सहर्ष तैयार देखे जा रहे हैं। इसका कारण भी आज की नौकरीपेशा जिंदगी है। पति-पत्नी दोनों के ही नौकरी में होने, नौकरी के कारण घर से दूर रहकर घर बसाने और एकल परिवार के कारण रहन-सहन और हालातों में तेजी से बदलाव आ रहा है। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कार्प के ऑनलाईन सर्वे में सामने आया है कि 76 फीसदी लोगों की पहली प्राथमिकता स्वास्थ्य है। इससे पहले स्वास्थ्य के प्रति चिंता तो रहती थी पर इतनी गंभीरता कभी नहीं देखी गई। सामान्य बीमारी को भी लोग अब गंभीरता से लेने लगे हैं। इसे स्वास्थ्य के प्रति सजगता के साथ ही अच्छा संकेत भी माना जा सकता है। स्वास्थ्य पैकेज को लेकर नित नई बीमा कंपनियां भी सामने आ रही है। एक अच्छी बात यह है कि लोगों का पौष्टिक भोजन के प्रति रुझान बढ़ा है। समाज के किसी भी वर्ग का व्यक्ति हो वह आज अच्छा खाने में विश्वास रखने लगा है। बड़े-बड़े मॉल तक आम आदमी की पहुंच आसान हो गई है। डी-मार्ट, रिलायंस, स्मार्ट बाजार में रौनक रहने लगी है। यह बदलाव का संकेत है। भले ही आर्थिक विषमता दिन दूनी बढ़ रही हो पर इन माल्स ने लोगों में आर्थिक आधार पर भेदभाव या आर्थिक हीनता को दूर करने में बड़ी भूमिका निभाई है। सर्वे के अनुसार 73 फीसदी लोग हेल्दी फूड पर ज्यादा ध्यान देने पर जोर दिया है। इस बदलाव में कोरोनाकाल की कड़वी यादें अहम कारक हैं। कोरोना ने अपनों से बिछुड़ते और अनादिकाल से चली आ रही परंपराओं तक को ताक में रख दिया था। हम कोरोना से प्रभावित अपनों का ही अपने हाथों अंतिम संस्कार तक नहीं कर सकते थे। आइसोलेशन की पीड़ा को सही मायने में कोरोना ने अच्छी तरह से समझा दिया।

अराजकता पर लगाम

किसी भी सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग को रोकना न केवल अनिवार्य, बल्कि अनुकरणीय भी है। किसान आंदोलन के समाधान में जुटी भारत सरकार ने इस आंदोलन के मद्देनजर सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्ण के दुरुपयोग पर आपत्ति जताई थी और अनेक अकाउंट व पोस्ट को हटाने का फरमान सुनाया था। जाहिर है, आदत से मजबूर एक्स ने कुछ इंतजार कराने के बाद ही भारत सरकार के आदेश की पालना की है। हालांकि, एक्स आपत्तिजनक खातों को केवल भारत के लिए प्रतिबंधित करेगा, शेष दुनिया में ये खाते व पोस्ट नजर आते रहेंगे। लगे हाथ एक्स ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए इस कार्रवाई से अपनी वैचारिक असहमति भी जता दी है। क्या एक्स की यह टिप्पणी आपत्तिजनक नहीं है? क्या यह प्रश्न नहीं उठता कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चीन या रूस जैसे देशों में कहां चली जाती है? 20 से ज्यादा देश हैं, जहां एक्स प्रतिबंधित है। हर देश को अपनी हित-चिंता का हक है, अतः भारत सरकार की चिंता भी जायज है। अधूरे मन से ही सही, एक्स को झुकना पड़ा है। लोग भूले नहीं हैं कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पिछले साल 2021 टेकडाउन आदेशों को चुनौती देने वाली ट्विटर या एक्स की याचिका खारिज कर दी थी और समय पर कार्रवाई करने में नाकाम रहने के लिए अमेरिकी कंपनी पर 50 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया था। इस बार भी कार्रवाई के भय की वजह से ही आदेशों की पालना की है। हालांकि, उसे भारत की उदारता का स्वतः आदर करना चाहिए। यहां उदारता का अर्थ अनुशासनहीनता कतई नहीं है। वाकई इधर, एक्स पर कई टिप्पणियां ऐसी देखी गई हैं, जिनमें अपने निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार पर प्रहार किए गए हैं। कोई भी सरकार इस बात को स्वीकार नहीं करेगी कि उसके खिलाफ किसी सोशल मंच पर अविश्वास को बढ़ाया जाए। ऐसी टिप्पणियां भी सामने आई हैं, जिनमें हिंसा भड़काने या लोगों को उकसाने की साजिश साफ झलकती है। पिछले किसान आंदोलन के समय ही दिल्ली के लाल किले पर जो हिंसक हमला हुआ था, उसे कौन भूल सकता है? वैसी ही किसी साजिश को अंजाम देने की कोई कोशिश समय रहते नाकाम की जाए, तो इसमें बुराई नहीं है। देश में सेवाएं दे रहे तमाम सोशल मीडिया मंचों को साफ तौर पर यह संदेश देना चाहिए कि भड़काने की कोई साजिश स्वीकार्य नहीं होगी।

हर कोई 'इसलिए' नहीं हो सकता मनोहर जोशी

ANALYSIS

मुकुंद

"लोकसभा अध्यक्ष का कार्यालय" की वेबसाइट में 'भूतपूर्व अध्यक्षों' के विवरण में मनोहर जोशी के जीवन वृत्त पर उपलब्ध सामग्री उनके विविध पक्षों पर आधारित है। उसे अवसान की दुख भरी बेला में उसे दुहराना जरूरी है। "लोकसभा अध्यक्ष का कार्यालय" की वेबसाइट में कहा गया है कि मनोहर जोशी पीठासीन अधिकारियों की इस उत्कृष्ट पंक्ति में तब शामिल हुए जब उन्हें 10 मई, 2002 को अध्यक्ष के गरिमापूर्ण पद के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। वह 4 जून, 2004 तक इस पद पर रहे। दो दिसंबर, 1937 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में नान्दवी में जन्मे जोशी ने मुंबई में शिक्षा पाई। वे विधि में स्नातक रहे। कला विषय में स्नातकोत्तर होने के साथ जोशी मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा में प्रवीण रहे। उनका विवाह अनाघा मनोहर जोशी से हुआ। उनके एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। राजनीतिक जीवनः जोशी ने अपना पेशा एक अध्यापक के रूप में आरंभ किया और वर्ष 1967 में राजनीतिक क्षेत्र में पदार्पण किया। शिवसेना के साथ उनका संबंध चार दशक से अधिक रहा। मुंबई शहर और वहां के नागरिकों का कल्याण सदैव जोशी की स्थाई चिंता का विषय रहा। वे वर्ष 1968-70 तक मुंबई के निगम पार्षद रहे और 1970 में स्थाई समिति (नगर निगम) के सभापति चुने गए।

लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर जोशी के अवसान पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शोक जताया है। परिवार के प्रति संवेदना जताई है। मनोहर जोशी का निधन परिवार के लिए ही नहीं, देश और संसदीय संस्कृति के लिए भी बड़ी क्षति है। 86 वर्षीय मनोहर जोशी का शिक्षक से लेकर लोकसभा अध्यक्ष तक का सफर गौरवशाली रहा। "लोकसभा अध्यक्ष का कार्यालय" की वेबसाइट में 'भूतपूर्व अध्यक्षों' के विवरण में मनोहर जोशी के जीवन वृत्त पर उपलब्ध सामग्री उनके विविध पक्षों पर आधारित है। उसे अवसान की दुख भरी बेला में उसे दुहराना जरूरी है। "लोकसभा अध्यक्ष का कार्यालय" की वेबसाइट में कहा गया है कि मनोहर जोशी पीठासीन अधिकारियों की इस उत्कृष्ट पंक्ति में तब शामिल हुए जब उन्हें 10 मई, 2002 को अध्यक्ष के गरिमापूर्ण पद के लिए सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। वह 4 जून, 2004 तक इस पद पर रहे। दो दिसंबर, 1937 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में नान्दवी में जन्मे जोशी ने मुंबई में शिक्षा पाई। वे विधि में स्नातक रहे। कला विषय में स्नातकोत्तर होने के साथ जोशी मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी और संस्कृत भाषा में प्रवीण रहे। उनका विवाह अनाघा मनोहर जोशी से हुआ। उनके एक पुत्र और दो पुत्रियां हैं। राजनीतिक जीवनः जोशी ने अपना पेशा एक अध्यापक के रूप में आरंभ किया और वर्ष 1967 में राजनीतिक क्षेत्र में पदार्पण किया। शिवसेना के साथ उनका संबंध चार दशक से अधिक रहा। मुंबई शहर और वहां के नागरिकों का कल्याण सदैव जोशी की स्थाई चिंता का विषय रहा। वे वर्ष 1968-70 तक मुंबई के निगम पार्षद रहे और 1970 में स्थाई समिति (नगर निगम) के सभापति चुने गए। उन्होंने वर्ष 1976-77 के दौरान मुंबई के मेयर पद को सुशोभित किया। वे कुछ समय तक अखिल भारतीय मेयर परिषद् के चेयरमैन भी रहे। मुंबई शहर के साथ उनके घनिष्ठ संबंध और विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर उनकी पकड़ ने उनके राज्य विधानमंडल का सदस्य बनने के पश्चात आगामी वर्षों में मुंबई के हित का प्रबल रूप से समर्थन करने में उनकी सहायता की। विधायी और संसदीय जीवनः मनोहर जोशी का विधायी और संसदीय जीवन 1972 में प्रारंभ हुआ। वे महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए निर्वाचित हुए। विधान परिषद् में तीन बार कार्यकाल पूरा करने के पश्चात वर्ष 1990 में महाराष्ट्र विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए। वे वर्ष 1995-99 के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। तीक्ष्ण राजनैतिक दूरदर्शिता, नेतृत्व के गुण और प्रशासनिक क्षमताओं ने उन्हें कुशलता के साथ राज्य का शासन चलाने में समर्थ बनाया। पूर्व में वर्ष 1990-91 के दौरान वे राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। जोशी अपने बेबाक और स्पष्टवादी विचारों के लिए प्रसिद्ध रहे। वे प्रबल रूप से विश्वास करते रहे कि एक संरचनात्मक, उत्तरदायी और स्वस्थ विपक्ष लोकतांत्रिक राज व्यवस्था को मजबूत बनाने में व्यापक रूप से योगदान करता है। वे यह भी विश्वास करते थे कि लोकतंत्र केवल तभी समृद्ध हो सकता है, जब विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच सहर्ष सहयोग हो। इस दृढ़ धारणा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने देश में एक राष्ट्रीय विपक्ष नेता संघ की शुरूआत की। वर्ष 1999 के आम चुनाव में जोशी ने मुंबई उत्तर-मध्य लोकसभा संसदीय क्षेत्र से शिवसेना के टिकट पर चुनाव लड़ा और तेरहवीं लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। बाद में उन्हें केन्द्र सरकार में शामिल किया गया और उन्होंने भारी उद्योग और सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय का महत्वपूर्ण पदभार संभाला। केन्द्रीयमंत्री की बड़ी जिम्मेदारी निभाने में महाराष्ट्र में विभिन्न पदों पर उनके कार्य का समृद्ध अनुभव उनके काम आया। केन्द्रीय मंत्री के रूप में अनेक महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लेकर उन्होंने भारी उद्योग और सार्वजनिक उपक्रम क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक हेलिकाप्टर दुर्घटना में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालायोगी की मृत्यु के पश्चात अध्यक्ष का पद कुछ समय तक रिक्त रहा और उपाध्यक्ष पीएम सईद ने अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन किया। 10 मई, 2002 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने लोकसभा के नए अध्यक्ष के रूप में मनोहर जोशी के निर्वाचन की मांग करते हुए स्वयं एक प्रस्ताव पेश किया। तत्कालीन गृहमंत्री एलके आडवाणी ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। जब यह प्रस्ताव विचार और मतदान के लिए सभा के समक्ष प्रस्तुत किया गया, तो सभा ने इसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया और जोशी सर्वसम्मति से लोकसभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। जोशी को अध्यक्ष के इस सम्मानित पद पर निर्वाचन के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता, उपाध्यक्ष और विभिन्न दलों और समूहों के नेताओं ने बधाई दी। जोशी को अध्यक्ष के पद पर उनके निर्वाचन के लिए बधाई देते हुए तत्कालीन उपाध्यक्ष सईद ने कहा था कि हालांकि जोशी संसद के लिए नए हैं, किंतु वे संसदीय संस्थाओं और संसदीय प्रक्रियाओं के लिए नए नहीं हैं। विभिन्न पदों पर बने रहते हुए महाराष्ट्र विधानमंडल में उनका लंबा कार्यकाल और समृद्ध अनुभव सभा को सुचारू रूप से चलाने में उनका मार्ग-निर्देशन करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा था कि जोशी ने एक ऐसा पद धारण किया है, जिसके साथ महान जिम्मेदारी और दायित्व जुड़े हैं। उनके समृद्ध संसदीय और सार्वजनिक जीवन पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि जोशी ने अपने जीवन की शुरूआत एक जमीनी कार्यकर्ता के रूप में की और लोकसभा में अपने निर्वाचन से पहले अनेक पदों पर कार्य किया। उन्होंने विश्वास जताया था कि जोशी का सार्वजनिक जीवन में गत कई वर्षों का अनुभव सभा के कार्य का सुचारू रूप से और संविधान में यथापरिकल्पित गरिमापूर्ण तरीके से संचालन करने में उनका मार्ग-निर्देशन करेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष को अपनी मुबारकबाद पेश करते हुए तत्कालीन विपक्ष की नेता सोनिया गांधी ने कहा था कि उच्चतम पद पर अपने निर्वाचन के साथ जोशी के ऊपर हमारी संसद की चिरसम्मानित परम्पराओं को कायम रखने की महान जिम्मेदारी आ गई है। उन्होंने विश्वास जताया था कि विविध क्षेत्रों में जोशी का सभा के कार्य का अनुभव अपने पूर्ववर्ती अध्यक्षों के समान ही सुचारू रूप से और विवेकपूर्ण तरीके से संचालन करने में उनका मार्ग-निर्देशन करेगा। सीपीआई (एम) नेता सोमनाथ चटर्जी ने जोशी के निर्वाचन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा था कि हमें बहुत ही खुशी और गर्व है कि इस सभा की अध्यक्षता करने के लिए हमारे बीच एक शिक्षाविद् मौजूद हैं। बधाइयों के उत्तर में जोशी ने कहा था कि "मैं अध्यक्ष के इस उच्च संवैधानिक पद पर मुझे निर्वाचित करने के लिए आप सभी का हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। मुझे एक महान जिम्मेदारी सौंपी गई है और यह तथ्य कि मैं इस सभा में सर्वसम्मति से चुना गया हूं, इस जिम्मेदारी को वास्तव में कठिन बनाता है। मैं व्यक्तिगत रूप से इसे एक महान सम्मान के रूप में देखता हूं कि सभा का पहली बार सदस्य होने के बावजूद मुझे ही चुना गया है। मैं इस जिम्मेदारी को विनम्रता से स्वीकार करता हूं और यह वचन देता हूं कि मैं अपने कर्तव्यों का निष्पक्षता के साथ निर्वाह करके उस विश्वास को बनाए रखूंगा, जो आपने मुझ पर जताया है।" विधायी निकायों के साथ दीर्घकाल से अपनी संबद्धता का स्मरण करते हुए मनोहर जोशी ने कहा था, "मैं संसदीय संस्कृति के लिए नया नहीं हूं। महाराष्ट्र में मै विपक्ष के नेता सहित विधानमंडल में विभिन्न पदों पर लंबे समय तक रहा हूं। जीवी मावलंकर से लेकर जीएमसी बालायोगी जैसे मेरे पूर्वाधिकारियों द्वारा स्थापित उच्च परम्पराएं तथा महाराष्ट्र विधानमंडल में मेरा लंबा अनुभव इस सभा की परम्पराओं तथा इस कार्यालय की गरिमा को बनाए रखने में मेरा मार्गदर्शन करेंगे। अध्यक्ष प्रक्रिया लागू करते समय सभा के प्राधिकार का प्रतिनिधित्व करता है और सदस्यों की चिंताओं को दूर करते हुए वह सभा का प्रथम सेवक होता है। मेरा दृष्टिकोण सख्त न होकर मित्रतापूर्ण तथा समझाने वाला होगा। अतः मैं सदस्यों के लिए सदा उपलब्ध रहूंगा। सभा तथा इसके माननीय सदस्यों के अधिकारों और विशेषाधिकारों की रक्षा करने का मैं लगातार प्रयास करूंगा।"

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

किसानों की स्थिति पर ध्यान जरूरी

यह तो स्पष्ट है कि हमारे देश में किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और हर किसान को यह लगता है कि अगर उसकी फसल का उचित दाम मिलेगा, तो उसका जीवन बेहतर हो जायेगा। दाम तय करने और देने की जो वर्तमान प्रक्रिया है, उससे किसानों को कुछ फायदा होता है और जहां सरकारी खरीद होती है, वहां कुछ अधिक फायदा होता है, जैसे उत्तर प्रदेश का कुछ हिस्सा, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश आदि। धान की अच्छी सरकारी खरीद छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी होती है। लेकिन अगर हम पूरे देश की बात करें, तो बहुत सारी फसलों के दाम मिलने में दिक्कत होती है। अभी चल रहे पंजाब के किसानों के आंदोलन के संदर्भ में चर्चा करें, तो मैं अपना एक अनुभव बताना चाहूंगा। पिछले साल हमने पांच राज्यों में अलग-अलग जगहों पर करीब साढ़े छह सौ किसानों से बात कर यह समझने की कोशिश की कि समस्याएं क्या हैं और उन्हें हल करने का रास्ता क्या है। इस प्रक्रिया में हमने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 10 जिलों के किसानों और राजस्थान के जोधपुर में करीब 15 जिलों के किसानों को बुलाया। तमिलनाडु में भी लगभग 18 जिलों के किसानों से चर्चा की और ओडिशा के भुवनेश्वर में 22 जिलों के किसान आये। मेघालय में हमने विभिन्न जनजातीय समुदायों के लोगों के साथ बातचीत की। इन चचाओं में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आयी कि देशभर के किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) चाहते हैं। वर्ष 2020-21 के किसान आंदोलन ने इस मुद्दे को पूरे देश में पहुंचाने का काम किया है। वर्ष 2020-21 का जो आंदोलन था, उसका मूल बिंदु केंद्र सरकार द्वारा लाये गये तीन कृषि कानूनों का विरोध था। किसानों, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा के, को लगा कि खेती ठेके पर चली जायेगी और मंडी कॉरपोरेट के हाथ में चली जायेगी। उस समय इन कानूनों की वापसी की मांग के साथ एमएसपी की मांग भी जुड़ गयी थी। तत्कालीन कृषि सचिव संजय अग्रवाल ने संयुक्त किसान मोर्चा को एक पत्र लिखा था कि जो बाकी मांगें हैं, उन पर कमिटी बनेगी और विचार होगा। किसानों की तरफ से मुख्य मुद्दा स्वामीनाथन कमिटी रिपोर्ट के अनुसार एमएसपी का निर्धारण और उसकी कानूनी गारंटी था। जुलाई 2022 में सरकार ने संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में कमिटी बना दी और उसकी पहली बैठक उसी साल अगस्त में हुई। अभी तक, यानी फरवरी 2024 तक उस कमिटी की रिपोर्ट नहीं आ पायी है। मेरी जानकारी के मुताबिक, इस कमिटी की 35 से ज्यादा बैठकें हो चुकी हैं। किसानों की एक शिकायत यह थी कि जिस अधिकारी ने कृषि कानूनों को लाने का काम किया और बैठकों में उनकी पैरोकारी की, उसी की अध्यक्षता में यह कमिटी बना दी गयी। संयुक्त किसान मोर्चा के लिए इसमें तीन सीटें थीं, जिसे स्वीकार करने से मोर्चा ने मना कर दिया। खैर, अगर कमिटी की रिपोर्ट आ जाती, तो उस पर आगे चर्चा होती। पंजाब के किसानों का जो मौजूदा आंदोलन है, उसका यही कहना है कि सरकार ने जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया गया। बीच-बीच में कुछ छिट-पुट प्रदर्शन भी हुए। सबकी यही मांग रही है कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी देने के मामले में सरकार ने कुछ क्यों नहीं किया है। केंद्र सरकार तीन फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करती है। उनमें कुछ ऐसी हैं, जो बाजार में एमएसपी से अधिक दाम पर बिक जाती हैं। राशन उपलब्ध कराने के लिए गेहूं, धान, चावल की खरीद सरकार बड़े पैमाने पर करती है। उल्लेखनीय है कि देशभर में गन्ने के लिए एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किसानों को होता है। गन्ने के न्यूनतम दाम भी केंद्र सरकार तय करती है, जिसे उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) कहा जाता है। इसे कानूनी गारंटी मिली हुई है। चीनी मिलें इस दर से कम का भुगतान किसानों को नहीं कर सकती हैं और अगर चीनी मिलें 15 दिन के अंदर किसानों को भुगतान नहीं करती हैं, उन्हें जुमार्ना भी देना होता है। कुछ राज्य सरकारें अपने स्तर पर परामर्श मूल्य (एसएपी) तय करती हैं, जैसे उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, आदि। फिर तिलहन, दलहन और मोटे अनाजों की फसलें हैं। इनकी अच्छी पैदावार होने पर दाम गिर जाते हैं। उल्लेखनीय है कि हम खाद्य तेलों की अपनी आवश्यकता का 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आयात करते हैं। फिर भी सरसों के दाम गिर गये थे। दालों में भी यह स्थिति पैदा हो जाती है। कुछ साल पहले वित्त मंत्रालय के तत्कालीन वित्त सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम की अध्यक्षता में एक कमिटी बनी थी, जिसने सलाह दी थी कि दालों के उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए, उनका बफर स्टॉक बने और उनकी सरकारी खरीद हो। इसका लाभ भी हुआ है और हमारा दाल उत्पादन 230 लाख टन तक चला गया है और आयात में भी उल्लेखनीय कमी आयी है। कपास और नारियल जैसे उत्पादों के लिए बोर्ड बने हुए हैं, जो किसानों की मदद करते हैं। मोटे अनाजों की कीमत भी एमएसपी से नीचे चली जाती है। सरकार की कुछ योजनाएं हैं, जिसे प्राइस सपोर्ट स्कीम कहते हैं। जब कुछ उत्पादों के दाम गिर जाते हैं, तो सरकार सहकारी संस्थाओं और बोर्डों को एमएसपी से अधिक दाम पर खरीद के लिए कहती है और उन्हें नुकसान भरपाई की गारंटी देती है। इसी तरह से केंद्र की प्रधानमंत्री आशा योजना या मध्य प्रदेश की भावांतर स्कीम है, जिसमें किसानों को भरपाई की जाती है। लेकिन ऐसी योजनाएं अधिकतर फसलों पर लागू नहीं होतीं, इसीलिए किसानों का कहना है कि उन्हें एमएसपी की कानूनी गारंटी मिलनी चाहिए। अभी यह आंदोलन पंजाब और हरियाणा के कुछ क्षेत्रों का है, पर देशभर के किसान संगठनों की भी यही मांग है। यह मानकर चलें कि देर-सबेर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सभी संगठन इस मांग को लेकर आंदोलनरत होंगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

राजकोट का मेरे दिल में हमेशा एक विशेष स्थान रहेगा। यह इस शहर के लोग ही थे जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया और मुझे पहली बार चुनावी जीत दिलाई। तब से मैंने सदैव जनता जनार्दन की आकांक्षाओं के साथ न्याय करने का काम किया है। ये भी सुखद संयोग है कि आज और कल मैं गुजरात में रहूंगा और एक कार्यक्रम राजकोट में हो रहा है, जहां से 5 एम्स देश को समर्पित किये जायेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में एक ट्रैक्टर ट्रॉली के तालाब में गिरने से महिलाओं और बच्चों सहित अनेक लोगों की मृत्यु होना एक हृदय विदारक दुर्घटना है। अपने स्वजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक संवेदना व्यक्त करती हूं तथा घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 'एक्स' पर पोस्ट)

समाज को एकता, समानता एवं मानव कल्याण की राह दिखाने वाले संत गुरु रविदास जी की जयंती पर कोटि कोटि नमन।

(पूर्व सीएम चंपाई सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

सामाजिक सद्भाव के अग्रदूत हैं संत रविदास

संत-संस्कृति और सनातन के लिए संत रविदास जयंती खास है, क्योंकि इस दिन ही संयुक्त रूप से दो पर्व एक साथ मनाए जा रहे हैं। पहली माघ पूर्णिमा और दूसरी रविदास जयंती। दोनों पर्व एक-दूसरे पूरक माने जाते हैं। समाज सुधारक संत रविदास के दिखाए रास्ते पर चलने का संकल्प लोग लेते हैं। माघ पूर्णिमा को ध्यान, स्नान, दान के लिए खास मानते हैं। आज के ही दिन अखंड भारत के महान संत रविदास का अवतरण भी हुआ था। वह स्वामी रामानंद के शिष्य और कबीरदास के गुरु भाई हैं। संत शिरोमणि रविदास भक्तिकाल के अग्रिम पंक्ति के कवि हैं। उन्हें महानतम मानुष की उपाधि भी प्राप्त थी। उनके परिवर्तनकारी उपदेशों ने समाज का भरपूर मार्गदर्शन किया। संत रविदास ने भगवान की भक्ति में समर्पित होने के साथ अपने सामाजिक और पारिवारिक कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया। वह बिना भेदभाव किए आपसी सद्भाव पर जोर देते रहे। संत रविदास का एक प्रचलित दोहा 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' आज भी प्रसिद्ध है, जिसका भावार्थ होता है शुद्ध मन और निष्ठा के साथ किए काम का अच्छा पुण्य-परिणाम मिलना। संत रविदास का जन्म चर्मकार कुल में हुआ था। वह जूते बनाने में बहुत माहिर थे। उन्होंने कभी जाति-धर्म में अंतर नहीं किया। जो भी संत या फकीर उनके द्वार पर आते थे, वह बिना पैसे लिए उन्हें अपने हाथों से निर्मित जूते भेंट करना नहीं भूलते थे। वह प्रत्येक काम पूरे मन और लगन से किया करते थे। फिर चाहे वह जूते बनाना हो या ईश्वर की साधना करना। संत रविदास का जैसे-जैसे बड़े हुए, उन्होंने अपना अधिकांश समय भगवान राम और भगवान कृष्ण की पूजा में शुरू कर दिया। धार्मिक परंपराओं में उनकी लगनदेखकर लोग उन्हें भगवान की भांति पूजना भी शुरू कर दिया था। वह लोगों की बीमारी चुटकियों में दूर कर देते थे। महापुरुषों के संदेश और उपदेश घोर कलयुग में भी हम सभी के लिए संजीवनी जैसे हैं। संत रविवाद जैसे उपदेशकों की कमी समाज को खलती हैं। इस रिक्तता की वजह से ही सामाजिक सौहार्द का ताना-बाना चरमराया हुआ है। समाज को सही-गलत का भाव बताने वाला और प्रेरक उपदेश देने वाला अब कोई नहीं रहा। रविदास का जन्म विक्रम संवत 1376 में माघ मास की पूर्णिमा तिथि को हुआ था। इनके पिता का नाम संतोख दास और माता का कर्मा देवी था। इनकी धर्मपत्नी थी लोना दास और पुत्र का नाम श्रीविजयदास। लेकिन इनका मन गृहस्ती में नहीं रमता था। वह समाज सुधार की अलख जगाते थे। इनके पिता इन्हें घर के काम में लगाते थे, तो ये कहते थे कि मेरा सिर्फ यही घर नहीं है, पूरा जग मेरा परिवार है। घरवालों को कभी उनकी बातें अजीब सी लगती थीं। बाल्यकाल में जब उनके पिता एक संत के पास ले गए, तो उन्होंने देखकर ही बता दिया था, ये साधारण बालक नहीं है। इससे संत रविदास के पिता को आभास हुआ कि उनका बेटा वास्तव में कुछ और ही है। पिता ने उसी समय संकल्प ले लिया कि उनका बेटा युग सुधार के लिए ही जन्मा है। संत रविदास के जन्म को लेकर भी कई भ्रांतियां तर्क हैं। धार्मिक मान्यताएं हैं कि माघ पूर्णिमा को रविदास का जन्म हुआ। उस दिन रविवार था, जिसके कारण उनका नाम रविदास रखा गया। इन्हें रैदास, रूहिदास और रोहिदास जैसे नामों से भी जाना जाता था। इनके संत बनने की भी अद्भुत कहानियां हैं। संत रविदास का पूरा जीवनकाल 15वीं से 16वीं शताब्दी के बीच (1450 से 1520 तक) के मध्य माना गया है। पौराणिक मान्यता है कि बचपन से ही उनके पास अलौकिक शक्तियां मौजूद थीं। कुछ घटनाएं तो यह सिद्ध भी करती हैं कि वास्तव में वह कोई अवतरित भगवान ही थे। वो मात्र 11 वर्ष के थे तब अपने दोस्त को नया जीवन दिया था। पानी पर पत्थर को तैराना, कुष्ठ रोगियों को ठीक करने समेत उनके तमाम चमत्कारी किस्से लोगों को सोचने पर मजबूर करते थे। उन चमत्कारों को देखकर ही लोगों ने उन्हें भगवान का दूत मानना आरंभ कर दिया था।

भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र

अंतरिक्ष एक समय आखिरी मोर्चा हुआ करता था। लेकिन वहां खोज की बढ़ती गतिविधियों ने इस स्थिति को बदल दिया है। अंतरिक्ष के वित्तीय, सामाजिक-आर्थिक और भू-राजनीतिक निहितार्थों ने अंतरिक्ष से जुड़ी रोमांटिक धारणाओं की जगह ले ली है। अंतरिक्ष से जुड़ी प्रौद्योगिकियां और अंतरिक्ष के उड़ान महंगे एवं जोखिम भरे प्रयास होते हैं जिनमें संलग्न होने के लिए दशकों से सिर्फ राष्ट्रीय एजेंसियां ही उपयुक्त थीं। यह अब सच नहीं रहा क्योंकि निजी क्षेत्र की कंपनियों से बाजार के अवसरों की पहचान तथा तेजी से नवाचार करके पूरक, संवर्द्धन और/या नेतृत्वकारी भूमिका निभाने की अपेक्षा की जा रही है। भारत ने 2020 में राज्य की अगुवाई में होने वाले वाले सुधारों के साथ इस रास्ते पर आगे बढ़ना शुरू किया। इन सुधारों के जरिए उसने अपने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोल दिया और फिर भू-स्थानिक दिशानिर्देश जारी किया। बाद में, भारतीय अंतरिक्ष नीति जारी की गई, जिससे भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) का निर्माण हुआ और दूरसंचार अधिनियम 2023 पारित किया गया, जो अन्य बातों के अलावा भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 से आगे बढ़कर उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं से जुड़े प्रावधान करता है। बीते 21 फरवरी को, सरकार ने उपग्रहों, ग्राउंड सेगमेंट और उपयोगकर्ता सेगमेंट के लिए घटकों और प्रणालियों / उप-प्रणालियों के निर्माण में शत-प्रतिशत - उपग्रह-निर्माण, संचालन एवं डेटा उत्पाद में 74 फीसदी तक; और प्रक्षेपण वाहनों, अंतरिक्ष पोर्ट और उनके संबंधित प्रणालियों में 49 फीसदी तक - प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के लिए दरवाजा खोल दिया। इस प्रकार, लीक से हटकर और स्वचालित रास्तों के जरिए पर्याप्त एफडीआई की इजाजत देकर, सरकार ने अंतरिक्ष नीति में जिक्र की गई।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

भारत में एंट्री लेवल हैचबैक रेनो क्विड की बिक्री जारी

-कार में आल्टो से है बेहतर डिजाइन

नई दिल्ली ।

फ्रांस की कार निर्माता इंडियन मार्केट में अपनी एंट्री लेवल हैचबैक रेनो क्विड की बिक्री कर रही है। कम कीमत में आने के बावजूद इस कार में आल्टो से बेहतर डिजाइन मिलता है। रेनो क्विड को पहले 0.8 लीटर और 1.0 लीटर इंजन में बेचा जा रहा था, लेकिन अब कंपनी ने इसके 0.8 लीटर इंजन को बंद कर दिया है। यह हैचबैक अब केवल 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन में आती है। यह इंजन 67.06 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 91 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह कार मैनुअल और ऑटोमैटिक, दोनों तरह के गियरबॉक्स विकल्प में आती है। वहीं इसमें 21-22 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिल जाता है। रेनो क्विड में इंडियन स्टैंडर्डस के अनुसार सभी जरूरी सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, डुअल फ्रंट एयरबैग जैसे फीचर्स मिल जाते हैं। इसके अलावा क्विड में ईबीडी, एबीएस, सीट बेल्ट रिमाइंडर, स्पीड अलर्ट, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक, सीट बेल्ट लोड लिमिटर, सीट बेल्ट प्रीटेंशनर सहित सेगमेंट में सबसे अधिक सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं। रेनॉ क्वीड की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 4.7 लाख रुपये से शुरू होकर 6.32 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी इसे चार वैरिएंट आरएक्सई, आरएक्सएल (ओ), आरएक्सटी और क्लाइंबर में बेच रही है। मालूम हो कि भारतीय कार बाजार की एक खासियत यह है कि यहां हर तरह के बजट वालों के लिए कारें मौजूद हैं।

सबसे कम बजट वालों के लिए एंट्री लेवल कारों के भी कई ऑप्शन उपलब्ध हैं। इन कारों के वजह से ही आज आम आदमी एक कार खरीदने का शौक पूरा कर पा रहा है।

बायजू की बैठक में रवींद्रन को पद से हटाने का प्रस्ताव पारित

मुंबई ।

एडटेक फर्म बैजूस की निवेशक प्रोसस ने कहा कि कंपनी के निवेशकों ने बैजूस की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में कंपनी के संस्थापक बैजू रवींद्रन को मुख्य कार्याधिकारी पद से हटाने सहित सभी प्रस्तावों को पारित कर दिया। कंपनी के प्रमुख निवेशकों ने यह ईजीएम बुलाई थी। उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल को बदलने और बैजू रवींद्रन की पत्नी और कंपनी की सह-संस्थापक दिव्या गोकुलनाथ तथा उनके भाई ऋजु रवींद्रन को बोर्ड से हटाने के प्रस्ताव को भी पारित कर दिया। रवींद्रन और उनका परिवार इस बैठक में शामिल नहीं हुआ। हालांकि बैजूस ने कहा कि पारित प्रस्ताव अमान्य और बेमानी हैं। इसमें कहा गया है कि जिन प्रस्तावों को लागू नहीं किया जा सकता, उसका पारित होना कानून के नियमों को चुनौती देना है। प्रोसस ने कहा कि असाधारण आम बैठक में शेयरधारकों ने सर्वसम्मति से सभी प्रस्तावों को पारित करने के लिए मतदान किया। इन प्रस्तावों में बैजूस में कारोबार संचालन में खामियां, वित्तीय कुप्रंधन तथा अनुपालन के मुद्दे शामिल थे। निदेशक मंडल के पुनर्गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई, इसलिए अब इस पर संस्थापक की थिंक ऐंड लर्न का नियंत्रण नहीं होगा और कंपनी के नेतृत्व में भी बदलाव होगा। प्रोसस ने कहा कि शेयरधारकों और प्रमुख निवेशक के तौर पर हम ईजीएम बैठक और इसके निर्णय की वैधता को लेकर अपनी स्थिति के प्रति आश्वस्त हैं। अब इसे हम कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। निवेशकों से जुड़े सूत्रों के अनुसार 60 फीसदी से अधिक मतदान का अधिकार रखने वालों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। बैजूस के संस्थापकों के पास 23 से 25 फीसदी मताधिकार है।

ट्रेन में खाना सप्लाई करने आईआरसीटीसी ने स्वीगी से किया करार

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे का उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने ई-कैटरिंग पोर्टल के माध्यम से यात्रियों के प्री-ऑर्डर खाने की डिलीवरी के लिए स्विगी के साथ करार किया है। शुरू में यह सुविधा 4 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध होगी। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में आईआरसीटीसी कहा कि उसने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी फूड्स की पेरेंट कंपनी बंडल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत पहले चरण में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशनों पर प्री-ऑर्डर मील की डिलिवरी की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। इससे पहले अक्टूबर 2023 में आईआरसीटीसी ने जोमैटो के साथ करार किया था। गौरतलब है कि आईआरसीटीसी भारतीय रेलवे की खानपान और टिकटिंग आर्म है, जो ट्रेनों में फूड सर्विसेज मैनेज करती है और ऑनलाइन टिकट बुकिंग सर्विसेज प्रदान करती है। आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए साल 2014 में ई-कैटरिंग सेवाएं शुरू की थीं ताकि यात्री पसंदीदा भोजन ऑर्डर कर सकें।

यह ऑर्डर ट्रेनों में यात्रा करते समय किया जा सकता है और इसे संबंधित रेलवे स्टेशन पर अपनी सीटों पर पहुंचाया जा सकता है। यह ऑर्डर आप आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए कर सकते हैं। इसके अलावा रेलयात्री फूड आन ट्रैक ऐप के जरिए ऑर्डर कर सकते हैं।

भारत अनुचित कार्बन उत्सर्जन आदेश स्वीकार नहीं करेगा: डीपीआईआईटी

नई दिल्ली ।

भारत कार्बन उत्सर्जन पर किसी भी अनुचित आदेश को स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता से अधिक काम करेगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही। उन्होंने हाल ही में आवाना-स्टार्टअप इंडिया जलवायु चुनौती कार्यक्रम में कहा कि भारत का लक्ष्य 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनना है। अधिकारी ने कहा कि हमने एक व्यापक लक्ष्य को स्वीकार किया है। हालांकि, भारत का मानना है कि हम ऐतिहासिक रूप से कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के लिहाज से भी ऐसा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नजरिया हमेशा यह रहा है कि हम अनुचित आदेश स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन हमने जितना वादा किया है उससे कहीं अधिक करके दिखाएंगे। भारत पहले ही 180 गीगावाट की दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा

क्षमता का निर्माण कर चुका है। उन्होंने कहा कि हम अपने एसडीजी लक्ष्यों से काफी आगे हैं। भारत के हरित भविष्य की ओर बढ़ने के साथ ऊर्जा परिवर्तन की यात्रा में स्टार्टअप अपने नवाचार के जरिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

फोन स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाने वाली सेवा शुरू होना चाहिए: ट्राई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार नियामक ट्राई ने दूरसंचार नेटवर्क में कॉल करने वाले का नाम फोन स्क्रीन पर दिखाने वाली सेवा शुरू करने की सिफारिश की है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी सिफारिश में कहा कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) अनुपूरक सेवा के तहत मोबाइल फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम प्रदर्शित करने की व्यवस्था शुरू की जाए। हालांकि यह सुविधा ग्राहक के अनुरोध पर ही सभी दूरसंचार कंपनियां मुहैया कराएंगी। इस सुविधा के शुरू होने पर अक्सर आने वाली अनचाही कॉल से छुटकारा पाने में काफी मदद मिलेगी।

सीएनएपी सुविधा चालू होने पर ग्राहक अपने फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नाम देख पाएगा। ट्राई ने कहा कि सरकार को एक तय तारीख के बाद भारत में बेचे जाने वाले सभी फोन में सीएनएपी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दूरसंचार कंपनियों को उपयुक्त निर्देश जारी करना चाहिए। मोबाइल फोन कनेक्शन लेते समय भरे जाने वाले ग्राहक आवेदन पत्र (सीएएफ) में दिए गए नाम एवं पहचान विवरण का इस्तेमाल सीएनएपी सेवा के दौरान किया जा सकता है।

जहां देशी स्मार्टफोन टूल और ट्रूकॉलर एवं भारत कॉलर जैसे ऐप भी कॉल करने वाले के नाम की पहचान और स्पैम पहचान की सुविधाएं देते हैं। लेकिन ये सेवाएं लोगों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित हैं जो हमेशा विश्वसनीय नहीं होती हैं। दूरसंचार नियामक ने सुझाव दिया कि सभी एक्सेस सेवा प्रदाता अपने टेलीफोन ग्राहकों को उनके अनुरोध पर सीएनएपी सेवा मुहैया कराएं। ट्राई ने नवंबर, 2022 में इस संबंध में एक परामर्श पत्र जारी कर हितधारकों, जनता और उद्योग की टिप्पणियां मांगी थीं।

कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल और डीजल के भाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल में तेजी के बाद ऊपरी स्तरों से गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड एक फीसदी टूटकर 82.76 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शे निवार को पेट्रोल और डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन की कीमतों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। शनिवार को गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में ईंधन की कीमतें घटी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल-डीजल के भाव में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 89.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.42 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

सीईआईबी ने बैंकों के लिए पेश किया एक पोर्टल

- संभावित कर्जदारों और एनपीए के पूर्व-सत्यापन में मददगार होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी) ने बैंकों के लिए एक पोर्टल पेश किया, जो संभावित कर्जदारों और एनपीए के पूर्व-सत्यापन में मददगार होगा। इस पोर्टल से कर्ज देने के लिए खुफिया मंजूरी प्रक्रिया को कारगर बनाने में मदद मिलेगी। सीईआईबी के एक महानिदेशक अमित मोहन गोविल और एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ एक बैठक के दौरान पोर्टल की पेशकश की। भारतीय बैंक संघ ने एक बयान में कहा कि इस पोर्टल का मकसद बैंकों को कर्ज देते समय सही फैसला करने के लिए तेजी से जानकारी उपलब्ध कराना है। वित्त मंत्रलय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 13 मई, 2015 और छह नवंबर, 2019 को जारी बड़ी धनराशि वाली बैंक धोखाधड़ी का समय से पता लगाने, सूचना देने, जांच आदि के लिए रूपरेखा के अनुसार सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) चाहते हैं कि नए कजर्दार को 50 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज मंजूर करने से पहले उन्हें इस संबंध में सीईआईबी की रिपोर्ट मिल जाए। इसके अलावा मौजूदा कजर्दार का खाता एनपीए में बदले की सूरत में भी रिपोर्ट देने की बात कही गई। बयान में कहा गया है कि इस अनुरोध के बाद सीईआईबी ने रिपोर्ट मांगने के लिए एक समान प्रारूप तैयार किया और सभी पीएसबी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने की सलाह दी। बयान के मुताबिक बैंकों ने अपनी ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं और नोडल अधिकारियों की सूची आईबीए द्वारा सीईआईबी के साथ साझा की गई है। इसके अलावा ऋणदाताओं के साथ संवाद करने के लिए एक अलग ईमेल आईडी बनाई गई है।

बैंकों में तेज वृद्धि और मुनाफे का दौर थमने वाला है!

मुंबई । भारतीय बैंक लंबे समय तक तेज वृद्धि करते रहे और उन्होंने तगड़ा मुनाफा भी कमाया मगर यह दौर अब थमने वाला है। एक ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि कई तरह की चुनौतियों के कारण बैंकों के लिए यह गोल्डीलॉक्स युग निकट भविष्य में खत्म होने वाला है। ब्रोकरेज कंपनी ने जारी अपनी रिपोर्ट में भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को डाउनग्रेड भी कर दिया। अभी तक वह दोनों को खरीदने की सिफारिश कर रही थी मगर अब उन्हें तटस्थ की श्रेणी में डाल दिया है। रिपोर्ट में बजाज फाइनैंस को तटस्थ की श्रेणी से हटाकर बेचने की सलाह भी दी गई है। मगर अक्टूबर-दिसंबर के वित्तीय नतीजे जारी करने के बाद पिछले महीने से ही बिकवाली झेल रहे एचडीएफसी बैंक के शेयर को कंपनी ने 33 फीसदी ऊपर उठाते हुए खरीदने की सलाह दी है। 16 जनवरी को 17.5 फीसदी तक लुढ़का यह शेयर अब 2.7 फीसदी चढ़ चुका है। ब्रोकिंग फर्म ने रिपोर्ट में कहा कि 2019-20 से ही संपत्तियों पर रिटर्न में अच्छी खासी वृद्धि देख रहे भारतीय बैंकों के लिए यह रफ्तार अब धीमी हो जाएगी क्योंकि मार्जिन में कमी और ऋण-जमा अनुपात ज्यादा हो जाने जैसी कई चुनौतियां सामने आ गई हैं। इन सभी का ऋण वृद्धि पर असर होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग क्षेत्र को अपनी बैलेंस शीट दुरुस्त करनी होगी और क्षमता निर्माण भी करना होगा। इस कारण आय पर लागत का स्तर ज्यादा ही रहेगा।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में मिलेजुले संकेतो की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को कारोबार में तेजी देखी गई ले किन बाद के चार दिन बाजार में कभी तेजी तो कभी गिरावट का दौर चलता रहा। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 82 अंक बढ़कर 72,509 पर खुला और 282 अंक की बढ़त के साथ 72,708.16 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 43 अंक की बढ़त के साथ 22,083 पर खुला और 82 अंक की बढ़त के साथ 22,122.25 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक फिसल गया और 24.80 अंकों की गिरावट के साथ 72,683.36 पर खुला और 349 अंक बढ़कर 73,057 पर बंद हुआ। निफ्टी 10.41 अंक फिसलकर 22,111.85 पर खुला और 75 अंक की बढ़त के साथ 22,197 अंक पर बंद हुआ। भारतीय इक्विटी इंडेक्स बुधवार को लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ खुले।

बीएसई सेंसेक्स 68 अंक बढ़कर 73,125 पर खुला और 434 अंक की गिरावट के साथ 72,623 पर बंद हुआ। निफ्टी

18 अंक की बढ़त के साथ 22,215 पर खुला और 141 अंक की गिरावट के साथ 22,055 पर बंद हुआ। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में सपाट नोट पर कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 198.88 अंकों की गिरावट के साथ 72,424.22 पर खुला और 535 अंक बढ़कर 73,158 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.45 अंक के नुकसान के साथ 21,992.60 पर खुला और 162 अंक ऊपर 22,217 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 114 अंक बढ़कर 73,273 के स्तर पर खुला और 15.44 अंकों की गिरावट के साथ 73,142.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 41 अंक की बढ़त के साथ 22,258 पर खुला और 4.75 अंक नीचे 22,212.70 के स्तर पर बंद हुआ।

अगले साल मार्च तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ने की उम्मीद: इक्रा

नई दिल्ली । भारत में स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता बढ़कर मार्च 2025 तक 170 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान जताया। इसमें बड़े पनबिजली संयंत्र शामिल नहीं हैं। भारत की स्थापित आरई क्षमता दिसंबर 2023 में 135 गीगावॉट थी। बयान में कहा गया है कि आरई उत्पादन रुक-रुक कर होने की स्थिति को देखते हुए इन स्रोतों से 24 घंटे आपूर्ति महत्वपूर्ण बनी हुई है। एजेंसी ने सुझाव दिया कि पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के जरिये इसे संभव बनाया जा सकता है। बयान के अनुसार इक्रा को उम्मीद है कि भारत में जल ऊर्जा को छोड़कर स्थापित आरई क्षमता दिसंबर 2023 के 135 गीगावॉट से बढ़कर मार्च 2025 तक लगभग 170 गीगावॉट हो जाएगी। नवीकरणीय क्षमता वृद्धि को चालू वित्त वर्ष में निविदा गतिविधि में महत्वपूर्ण सुधार से समर्थन मिलने की संभावना है।

वैश्विक सूची में 10 ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन में एप्पल शीर्ष 7 स्थान पर

नई दिल्ली ।

एप्पल ने पहली बार 2023 में 10 सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन की वैश्विक सूची में शीर्ष सात स्थानों पर अपना कब्जा कर लिया है। एक रिपोर्ट से पता चला कि भारत एक ही वर्ष में 1 करोड़ से अधिक आईफोन यूनिट बिक्री करने वाला पांचवां स्मार्टफोन बाजार बन गया है। इसमें कहा गया है कि शीर्ष 10 स्मार्टफोन की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 2023 में अब तक के उच्चतम 20 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 2022 में 19 प्रतिशत थी। एप्पल का आईफोन14 सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसकी आधी संख्या में बिक्री अमेरिका और चीन में हुई। आईफोन15 सीरीज ने क्यू 2023 के लिए वैश्विक बेस्टसेलर सूची में शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा कर लिया, आईफोन15 प्रो मैक्स सबसे अधिक बिकने वाला स्मार्टफोन बन गया। एप्पल का आईफोन13, सूची में सबसे पुराना मॉडल, जापान और भारत में दो अंकों की सालाना वृद्धि के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है। सैमसंग की बजट ए सीरीज ने अपने मजबूत मूल्य प्रस्ताव और

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और ग्राहक श्रेणियों में मौजूदगी के कारण शीर्ष 10 सूची में तीन स्थान हासिल किए।

सैमसंग गैलेक्सी ए14 5जी ने अमेरिका और भारत में उच्च बिक्री के कारण सातवां स्थान हासिल किया।रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि 2024 के शीर्ष 10 सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन कुल स्मार्टफोन बिक्री का एक बड़ा हिस्सा प्रतिनिधित्व करेंगे, क्योंकि ओईएम कम पोर्टफोलियो पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह भी कहा गया है कि हम उम्मीद करते हैं कि चीनी ब्रांड सूची में प्रवेश करेंगे और ओईएम द्वारा तेजी से 5जी-केवल मॉडल लॉन्च करने के साथ 2024 के शीर्ष 10 संभवतः सिर्फ 5 होंगे।

यूरोपीय संघ ने भारतीय कंपनी सहित 27 पर निर्यात पाबदी लगाई

लंदन ।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत में पंजीकृत एक कंपनी समेत 27 कंपनियों के खिलाफ निर्यात प्रतिबंध लगाने घोषणा की। नवीनतम प्रतिबंधों की घोषणा रूस-यूक्रेन संघर्ष के दो साल पूरे होने के अवसर पर की गई। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की नवीनतम घोषणा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। यूरोपीय संघ का मानना है कि ये कंपनियां सैन्य एवं असैन्य के दोहरे उपयोग वाले उपकरणों का निर्यात कर रही हैं। हालांकि इन कंपनियों के नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नामों की सूचना यूरोपीय संघ की आधिकारिक पत्रिका में बाद में प्रकाशित की जाएगी। यूरोपीय संघ की प्रशासनिक इकाई यूरोपीय आयोग के एक आधिकारिक बयान के मुताबिक व्यापार और सीमा शुल्क डेटा द्वारा समर्थित विभिन्न स्रोतों से मिले पुख्ता सबूतों के आधार पर इस सूची में 27 रूसी और तीसरे देश की कंपनियों को रूस के सैन्य-औद्योगिक परिसर से जुड़ी संस्थाओं की सूची में जोड़ा गया है। इस सूची में शामिल 17 रूसी कंपनियां ड्रोन उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारोबार से जुड़ी हुई हैं। चार कंपनियां चीन में पंजीकृत हैं जबकि कजाकिस्तान, भारत, सर्बिया, थाईलैंड, श्रीलंका और तुर्किये में भी पंजीकृत कंपनियां इसमें शामिल हैं।

किया इंडिया ने वापस मंगाईं 4,358 सेल्टोस

मुंबई । किया इंडिया इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक को बदलने के लिए अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन सेल्टोस के पेट्रोल संस्करण की 4,358 गाड़ियों को वापस मंगा रही है। दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी ने कहा कि वह 28 फरवरी से 13 जुलाई, 2023 के बीच विनिर्मित आईवीटी ट्रांसमिशन के साथ स्मार्टस्ट्रीम जी1.5 पेट्रोल सेल्टोस को वापस मंगा रही है। बयान में कहा गया कि इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक में खामी की आशंका को देखते हुए वाहनों को वापस मंगाया जा रहा है। कंपनी ने वाहन वापस मंगाये जाने की पहल के बारे में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सूचित कर दिया है। बयान के अनुसार चूंकि कार मालिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए कंपनी प्रभावित गाड़ियों में इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक को सक्रियता के साथ बदल रही है। इस बारे में सूचित करने के लिए सीधे संबंधित वाहन मालिकों से खुद संपर्क करेगी।

अपने काम की चेकिंग

बड़े शहर में एक छोटा लड़का जनरल स्टोर पर गया। स्टोर पर साइड में रखे फोन तक पहुँचने के लिए उसने एक डिब्बा उठाया और उस पर चढ़ गया। लड़के ने एक नंबर डॉयल किया। दुकानदार ने इस बच्चे की तरफ देखा और कोई काम नहीं था तो बातचीत सुनने लगा। इस बच्चे ने फोन पर एक महिला से कहा- मैडम, क्या आप मुझे अपने यहाँ बगीचे की घास काटने के काम पर रख सकती हैं?

उधर से जवाब आया- मैं किसी को काम पर रख चुकी हूँ।

लड़के ने फोन पर कहा- पर मैं उसकी आधी तनख्वाह में काम करने को तैयार हूँ?

जवाब था- पर मैं उस लड़के के काम से खुश हूँ और उसे बदल नहीं सकती।

लड़के ने हार नहीं मानी और कहा- मैं लॉन में घास की कटाई के साथ आपके फर्श का पोंछा भी लगा दिया करूंगा और कारों को अच्छे से पोंछ दिया करूंगा

महिला ने उधर से जवाब दिया- नहीं, अभी हम उस लड़के के काम से खुश हैं और उसे बदल नहीं सकती।

लड़के ने हार नहीं मानी और फिर कहा - मैं लॉन में घास की कटाई के साथ आपके फर्श का पोंछा भी लगा दिया करूंगा और कारों को अच्छे से पोंछ दिया करूंगा

महिला ने उधर से जवाब दिया - नहीं, अभी हम उस लड़के के काम से खुश हैं और हमें किसी की जरूरत नहीं है।

लड़के ने हँसकर फोन का रिसीवर रख दिया।

बातचीत के बाद जब लड़का जाने लगा तो दुकानदार ने कहा कि बच्चे मुझे तुम्हारा रवैया अच्छा लगा। अगर तुम चाहो तो तुम मेरे यहाँ काम कर सकते हो।

लड़के ने कहा - धन्यवाद, पर मेरे पास काम है।

मैं ही मैडम के यहाँ काम करता हूँ। मैं तो चेक कर रहा था कि वे मेरे काम से प्रसन्न हैं या नहीं।

सबसे प्यारा उपहार

पिंकू एक बहुत प्यारा खरगोश था। आज वह बहुत खुश था... और खुश क्यों न होता आज उसका जन्मदिन था। पिंकू को जन्मदिन पर अपने दोस्तों से अनेक तोहफे मिले, लेकन सबसे यादा पसंद आया, अपने दोस्त चिक्की खरगोश का तोहफा। जासूसी में उसकी रूचि जानकर चिक्की ने उसे एक लेंस तथा दूरबीन दी थी। एक दिन की बात है, पिंकू मजे से नदी के किनारे बैठा दूरबीन से आसपास के दृश्य देख रहा था। उसे बहुत दूर के दृश्य से भी ऐसे लग रहे थे, जैसे वह आगे बढ़कर उन्हें छू लेगा। चारों तरफ हरियाली थी। ठंडी हवा के झोंकों में पिंकू गुनगुनाने लगा- कितना प्यारा वह हमारा, जग से सुन्दर सबसे न्यारा। यह वन ही अपना सब कुछ, सब जीवों का सही सहारा।

उसने दूरबीन से दूसरी दिशा में देखा तो चौंक उठा। उसने दुबारा दूरबीन से देखा। काफी दूर किसी पेड़ पर एक मोटा अजगर पेड़ की शाखा पर बने किसी चिड़िया के घोंसले की तरफ बढ़ रहा था। पिंकू को घोंसले के ऊपर मंडराते चिड़िया साफ दिखाई दे रही थीं। बेचारी चिड़िया उस अजगर का मुकाबला कैसे करेगी? मुझे फौरन वहां पहुंचना चाहिए। यह सोचकर पिंकू वहां जा पहुंचा। पेड़ के समीप पहुंचने पर पिंकू को घोंसले में से चिड़िया के बच्चों के चीखने की आवाज साफ सुनाई देने लगी थी। चिड़िया पंख जोड़ते हुए अजगर से विनती कर रही थी, अजगर भइया, अजगर भइया, तुम ऊपर क्यों आते हो। हमने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है, जो तुम हमें सताते हो? हमारे बच्चे पर कुछ तो तरस खाओ। लेकिन मक्कार अजगर पर उनकी प्रार्थना को कोई असर नहीं हो रहा था। अब वह घोंसले से कुछ ही दूर रह गया था। अब मैं क्या करूं? इस अजगर के सामने मेरी क्या बिसात? पिंकू कोई तरकीब सोचने लगा। जल्द ही उसके दिमाग में एक विचार आ गया। उसने झटपट अपनी जेब से उपहार में मिला लेंस निकाला। फिर उसे सूरज के सामने करके लेंस के द्वारा सूरज की किरणें पेड़ के नीचे पड़े सूखे पत्तों तथा घासफूस के ढेर पर फेंकते हुए गाने लगा।

उसकी तरकीब काम कर गई। पत्तों और घासफूस का वह ढेर जल उठा और उससे लपटें उठने लगीं। पेड़ के नीचे आग जलती देख अजगर घबरा गया। चिड़िया के बच्चों को छोड़कर वह अपनी जान बचाने की फि करने लगा। उसका शरीर आग की आंच सह नहीं पाया और वह धड़ाम से पेड़ के नीचे जलते पत्ते के ढेर पर गिर गया। उसका बदन कई जगह से बुरी तरह झुलस गया। वह दर्द से कराहते हुए बोला-

उफ्फ, मुसीबत ये कैसी आई, झुलस गया है शरीर सारा

जान बची तो लाखों पाए, यहां न आऊंगा कभी दोबारा॥

और वह घिसट-घिसटकर वहां से दूर चला गया। यह देखकर चिड़िया पेड़ के नीचे आ गई और पिंकू के साहस और बुध्दिमानी की प्रशंसा करने लगी। चिड़िया के बच्चे भी चीं-चीं.. चीं-चीं... करते हुए पिंकू का धन्यवाद करने लगे। कुछ देर तक चिड़ियों से बातें करने के बाद पिंकू वापस अपने ठिकाने की ओर चल पड़ा। अब उसके कदमों में नया साहस तथा दिल में नई स्फूर्ति पैदा हो गई थी। उसे चिकी द्वारा दिए गए इस उपहार पर गर्व महसूस हो रहा है।

बच्चो नेल बाइटिंग की आदत है बूरी

जिन बच्चों में नेल बाइटिंग की आदत होती है उन्हें उनके पैरेंट्स से इस आदत के लिए कभी न कभी डांट जरूर सुननी पड़ती है हालांकि यह समस्या दुनियाभर में पाई जाती है। खासकर बच्चों में अध्ययन बताते हैं कि नेल बाइटिंग लड़कियों की अपेक्षा लड़के ज्यादा करते है।

क्रोनिक ओनिकोफागिया

इस समस्या के गंभीर होने पर इसे चिकित्सीय भाषा में 'क्रोनिक ओनिकोफागिया' कहते हैं कि न केवल नाखून बल्कि कई बार नेल बाइटर्स अपने नाखून के आसपास की सॉफ्ट टिशू को भी काट लेते हैं। हालांकि मुख्य रूप से तनाव की स्थिति में पैदा होने वाले नाखून करतने की आदत की शुरुआत अनजाने में होती है।

कुछ मामलों में नेल बाइटिंग को इमोशनल और मेंटल डिसऑर्डर का लक्षण भी कहा जाता है। कई लोगों में बोरियत या स्ट्रेस के रिएक्शन के रूप में इसकी शुरुआत होती है। मजेदार बात तो यह है कि कई बच्चे सोते वक्त भी नेल बाइटिंग करते हैं। नेल बाइटिंग की गंदी हैबिट की चपेट में सबसे ज्यादा टीन्स ही आते हैं।हालांकि नेल बाइटर्स के लिए यह हैबिट स्ट्रेस कम करने का जरिया हो सकती है लेकिन वास्तविकता यह है कि इस हैबिट वाले टीन्स किसी भी परिस्थिति में नेल बाइटिंग करने लगते हैं।

नेल बाइटिंग से इमेज खराब

नेल बाइटिंग से किसी भी व्यक्ति की इमेज तो खराब होती ही है, साथ ही इससे कई बीमारियां और चिड़चिड़ापन भी शुरूहो जात है। इसलिए तुम्हें इस बात की जानकारी जरूी है कि यह कैसे और क्यों शुरूहोता है-

जब व्यक्ति बहुत ज्यादा स्ट्रेस से गुजरता है तो वह अपने नाखून चबाने लगता है, ऐसा करना उसे स्ट्रेस-बस्टर जैसा लगता है। लोगों को लगता है कि नेल बाइटिंग के जरिये वे स्ट्रेस का सामना आसानी से कर सकते हैं।

जब कोई व्यक्ति किसी बात को लेकर खुद को अपराधी महसूस करता है, तो वह नेल बाइटिंग शुरूकर देता है। व्यवहार के वर्गीकरण में नेल बाइटिंग को ओबेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डर नाम से पुकारा जाता है।

नेल बाइटिंग की वजह केमेस्ट्री ऑफ ब्रेन

वर्तमान में इस डिसऑर्डर के नाम को बदलकर बॉडी-फोकस्ड-रेपेटेटिव-डिसऑर्डर कर दिया गया है। इस डिसऑर्डर के डेवलप होने के कारणों में केमेस्ट्री ऑफ ब्रेन भी माना जाता है। यह बुरी आदत वंशानुगत भी होती है। अगर परिवार में इसका इतिहास है तो बच्चे इस हानिकारक आदत का शिकार हो सकते हैं।

अगर कोई अपने आप नेल बाइटिंग की आदत में फंसा है या उसमें यह आदत विकसित हो जाती है तो यह भी हो सकता है कि उसके पैरेंट्स में ऐसी आदत हो। ओरल फिक्सेशन भी इसका कारण होता है कि ओरल फिक्सेशन स्टेट ऑफ माइंड है जिसमें व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसके मुंह में हमेशा कुछ न कुछ है।

सब्कॉन्शियस स्टेट का नतीजा

अधिकतर यह सब्कॉन्शियस स्टेट में होता है और व्यक्ति बिना किसी कारण के नेल बाइटिंग शुरूकर देता है। कुछ लोगों का मानना है कि ओरल फिक्सेशन को हिप्नोसिस के जरिये ट्रीट किया जा सकता है।

नेल बाइटिंग अनकॉन्शियसली भी किया जाता है। जब कोई व्यक्ति किसी एक्टिविटी में बहुत गहराई से जुड़ा हो ता है तो वह अनकॉन्शियसली नेल बाइटिंग शुरूकर देता है, जैसे टीवी देखते और पढ़ते वक्त आदि।

कई लोग तो जब भूखे होते हैं तो नेल बाइटिंग शुरूकर देते हैं. यह बच्चों और बड़ों, दोनों में कॉमन है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि कुछ लोग सोते वक्त भी नेल बाइटिंग करते हैं। बहुत ज्यादा नेल बाइटिंग एक्सट्रीम एंजाइटी या कम्पलसिव बिहेवियर का लक्षण है. अत्यधिक उत्तेजना या इसकी कमी भी इस हैबिट को बढ़ाने में सहायक है।

नेल बाइटिंग के कारणों को समझना बहुत जरूी है क्योंकि यह बुर आदत बहुत ही घातक परिणाम देने वाली होती है। नेल बाइटिंग जैसे बुरी आदत में पड़ने से पहले इन कारणों और नतीजों को ध्यान मे र ख न ा जरूी है।

अकबर-बीरबल और ऊँट की गर्दन

अकबर बीरबल की हाजिर जवाबी के बड़े कायल थे। एक दिन दरबार में खुश होकर उन्होंने बीरबल को कुछ पुरस्कार देने की घोषणा की। लेकिन बहुत दिन गुजरने के बाद भी बीरबल को धनराशि (पुरस्कार) प्राप्त नहीं हुई। बीरबल बड़ी ही उलझन में थे कि महारज को याद दिलायें तो कैसे?

एक दिन महारजा अकबर यमुना नदी के किनारे शाम की सैर पर निकले। बीरबल उनके साथ था। अकबर ने वहाँ एक ऊँट को घुमते देखा। अकबर ने बीरबल से पूछा, ''बीरबल बताओ, ऊँट की गर्दन मुड़ी क्यों होती है''?

बीरबल ने सोचा महाराज को उनका वादा याद दिलाने का यह सही समय है। उन्होंने जवाब दिया महाराज यह ऊँट किसी से वादा करके भूल गया है, जिसके कारण ऊँट की गर्दन मुड़ गयी है। महाराज, कहते हैं कि जो भी अपना वादा भूल जाता है तो भगवान उनकी गर्दन ऊँट की तरह मोड देता है।यह एक तरह की सजा है। तभी अकबर को ध्यान आता है कि वो भी तो बीरबल से किया अपना एक वादा भूल गये हैं। उन्होंने बीरबल से जल्दी से महल में चलने के लिये कहा और महल में पहुँचते ही सबसे पहले बीरबल को पुरस्कार की धनराशी उसे सौंप दी और बोले मेरी गर्दन तो ऊँट की तरह नहीं मुडेगी बीरबल।और यह कहकर अकबर अपनी हँसी नहीं रोक पाए।और इस तरह बीरबल ने अपनी चतुराई से बिना मांगे अपना पुरस्कार राजा से प्राप्त किया।

ईशान और अय्यर को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर सकती है बीसीसीआई

मुम्बई । युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रणजी ट्रॉफी से बाहर रहने के कारण इन दोनो को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर सकता है। अय्यर के पास ग्रेड बी जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल के कारण रणजी की उपेक्षा करने से बीसीसीआई अधिकारी नाराज हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में कहा था कि सभी केंद्र-अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में खेलकर अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। इस रिपोर्ट के अनुसार अजीत अगरकर के नेतृत्व में चयनकर्ताओं ने 2023-24 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची पूरी कर ली है जिसे बीसीसीआई जल्द ही जारी करेगा। इसमें घरेलू क्रिकेट में भागीदारी की कमी के कारण किशन और अय्यर को बाहर किया जा सकता है। किशन ने अंतिम बार भारत के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला था, इससे पहले वह निजी कारणों से साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे से हट गए थे। इस बीच उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का फैसला किया और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ बड़ौदा में प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए। वहीं अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, इसके बाद उन्होंने पीठ दर्द का हवाला देते हुए बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के आगामी रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से नाम वापस ले लिया था।

आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली को किया नाउम्मीद

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली की टीम को नाउम्मीद कर दिया। हालों कि पहले ही मुकाबले में मुंबई इंडियंस पर जीत यकीनी लग रही थी लेकिन आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग ने कहा कि विकेट अच्छा था लेकिन मुंबई ने कसी हुई लेंथ से गेंदबाजी की। आम तौर पर यह विकेट गेंदबाजों के लिए अच्छा था। मुंबई ने शुरुआत में काफी अच्छी गेंदबाजी की, जो शायद अंतर था। हमने सोचा कि हम खेल में हैं। हमने इसे आखिरी गेंद तक ले जाने के लिए संघर्ष किया, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। लेनिंग ने कहा कि अधिकांश भाग में हमने बहुत अच्छी तरह से योजना लागू की। बाएं हाथ के खिलाड़ी के रूप में यास्तिका ने जटिल चीजों को अंजाम दिया।

पहले गेम के लिए हमें एक सप्ताह का समय मिला है यह एक अच्छा प्रयास था। अंत में हम लगभग फंस गए। जब हमने कौर को आउट किया तो हम खेल में थे, लेकिन बाहर आना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना काफी प्रभावशाली है।

मैच के दौरान कैप्सी को आखिरी ओवर देने पर मेग ने कहा कि वह दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अच्छा रहती है। लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। बता दें कि मुंबई ने संजना के आखिरी गेंद पर छक्के की मदद से दिल्ली को 4 विकेट से हरा दिया। इससे पहले मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने पहले खेलते हुए एलिसा कैप्सी के 75 रनों की बदौलत मुंबई को 171 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 55 रन बनाए लेकिन आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाया और अपनी टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत पिता को समर्पित किया आकाश दीप ने अपना परफारमेंस

रांची । भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने अपने दिवंगत पिता को टेस्ट पदार्पण में 3 विकेट के शानदार प्रदर्शन को समर्पित किया है। बता दें कि आकाश के पिता का 2015 में निधन हो गया था। आकाश ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि उन्होंने अपने पिता के 'जीवन में कुछ कर दिखाने के सपने को पूरा कर दिया है। आकाश दीप ने पिता रामजीत सिंह का लकवा मारने के बाद निधन हो गया। और 6 महीने के अंदर ही आकाश दीप ने अपने बड़े भाई को खो दिया। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आकाश दीप ने पत्रकारों से कहा कि एक साल के अंदर पिता और बड़े भाई को गंवा देने के बाद मैं कुछ करना चाहता था और मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। मेरे पास गंवाने के लिए कुछ नहीं था, बस कुछ हासिल ही कर सकता था। आकाश दीप ने टेस्ट पदार्पण में अपने स्वप्निल स्पैल में इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट उसका स्कोर 3 विकेट पर 70 रन कर दिया। इंग्लैंड की आधी टीम लंच तक 112 रन पर पवेलियन लौट चुकी थी। आकाश दीप ने कहा कि मैं इस प्रदर्शन को अपने पिता को समर्पित करता हूं क्योंकि उनका सपना था कि उनका बेटा जीवन में कुछ करे। जब वह जीवित थे तो मैं कुछ नहीं कर सका इसलिए यह प्रदर्शन मेरे पिता के लिए है। उन्होंने कहा कि हर क्रिकेटर का एक ही सपना होता है, टेस्ट में भारत के लिए खेलने का। बस यही मेरा सपना था। उन्होंने कहा कि जब बड़े हो रहे थे तो क्रिकेट के बारे में कुछ नहीं पता था। 2007 के बाद मैं टेनिस क्रिकेट खेलता था और 2016 के बाद ही क्रिकेट के बारे में पता चला। तब से मैं मोहम्मद शमी भाई और दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा का अनुकरण कर रहा हूं।

जडेजा की फिरकी में फंसे रॉबिन्सन और शोएब बशीर

रांची । पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में इंग्लैंड की टीम पहली पारी 353 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के खिलाफ रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी काफी कारगर रही। जडेजा ने मैच में 32.5 ओवर की गेंदबाजी में 67 रन देकर कुल 4 विकेट झटके। खास तौर से ओली रॉबिन्सन और शोएब बशीर का विकेट काफी महत्वपूर्ण था। क्योंकि रॉबिन्सन बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया के लिए सिरदर्द बने हुए थे। रॉबिन्सन ने जो रूट के साथ मिलकर 102 रनों की पार्टनरशिप की थी, लेकिन दूसरे दिन के पहले सेशन में जैसे ही कप्तान रविंद्र जडेजा को गेंद थमाई उन्होंने अपनी फिरकी के जाल में फंसाकर रॉबिन्सन को चलता कर दिया। इसके बाद जडेजा का अगला शिकार बने शोएब बशीर जो अपना खाता भी नहीं खोल सके। इन दो विकेट के साथ ही इंग्लैंड की पारी सुस्त पड़ गई। रांची टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल जब शुरू हुआ तब जो रूट और रॉबिन्सन अच्छे लय में दिख रहे थे। भारतीय गेंदबाज को हर हाल में विकेट की तलाश की थी। कप्तान ने नई गेंद लेने का फैसला किया। नई गेंद लेते ही रविंद्र जडेजा हावी होने लगे। नई गेंद से जडेजा ने सबसे पहले रॉबिन्स और बशीर को आउट किया। इसके बाद उन्होंने जेम्स एंडरसन का विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी का अंत कर दिया। इस तरह इंग्लैंड के आखिरी तीन विकेट जडेजा के नाम रहा।

सीजन 2 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता है गुजरात जायंट्स

बेंगलुरु,

डब्ल्यूपीएल का दूसरा सीजन शुरू हो गया है और सबसे पसंदीदा टीमों में से एक, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स रविवार को गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऑस्ट्रेलियाई रन-मशीन बेथ मूनी की कप्तानी वाली गुजरात जायंट्स टीम इस साल धूम मचाने को बेताब है। पहले मैच से पूर्व, मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, संरक्षक और सलाहकार मिताली राज, कप्तान मूनी और उप-कप्तान स्नेह राणा ने सीज़न के लिए अपनी तैयारी के बारे में विस्तार से बात की। बेथ मूनी ने कहा, समूह में वास्तव में एक उत्कृष्ट प्रकार का उत्साह है क्योंकि यह पिछले कुछ समय से एक साथ है। हमने पिछले सप्ताह कुछ चीज़ों पर काम किया और वे सफल रहीं। इसलिए, पहले मैच को लेकर काफी उत्सुकता है। और मुझे पता है कि कल रात मैदान में उतरने वाली 11 खिलाड़ी इसका पूरा फायदा उठाएंगी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी। अपने कप्तान के विचारों को दोहराते हुए, भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा, जिन्होंने पिछले साल मूनी के चोटिल होने के बाद गुजरात जायंट्स का नेतृत्व किया था, ने कहा कि टीम अच्छी स्थिति में है। अब तक हमारा अनुभव अच्छा रहा है और गुजरात जायंट्स ने सुनिश्चित किया है कि खिलाड़ियों को हर तरह का समर्थन मिले। टीम का मूड बहुत सकारात्मक है. हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं। अपने दूसरे सीज़न में, डब्लूपीएल ने मुंबई से बेंगलुरु और नई दिल्ली में स्थानांतरित होने का निर्णय लिया। इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, यह अच्छा है कि डब्ल्यूपीएल विभिन्न शहरों में हो रहा है क्योंकि हमारे प्रशंसक पूरे देश में हैं। मेंटर मिताली राज ने कहा, अगर डब्ल्यूपीएल हर शहर में चला जाता है, तो इससे फ्रेंचाइजी को नए दर्शक विकसित करने का मौका मिलता है, जो आकर इसे खेलते हुए देख सकते हैं। इससे टूर्नामेंट और फ्रेंचाइजी की प्रोफाइल में ही सुधार होगा। पूर्व भारतीय कप्तान ने अपनी भूमिका के बारे में बात की और कहा कि उन्हें डब्ल्यूपीएल जैसे बड़े मंच पर गुजरात जायंट्स के साथ काम करने में मजा आ रहा है।

उन्होंने कहा, मैं मेंटर के रूप में इस भूमिका का आनंद ले रही हूं, युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रही हूं, अपना ज्ञान साझा कर रही हूं, उन्हें एक अच्छी जगह पर रहने में मदद कर रही हूं और अपनी भूमिका को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से निभा रही हूं।

घरेलू सीरीज के टेस्ट मैचों में टीम इंडिया के 4 प्लेयर्स ने किया डेब्यू

किसी ने लगाए चौके, किसी ने किया नोबॉल पर भी क्लीन बोल्ड

नई दिल्ली । इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के शुरुआती 4 टेस्ट मैचों में भारत की ओर से 4 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। इस दौरान सभी का प्रदर्शन बेहतर रहा। हालों कि यह दूसरा मौका है जब भारत की ओर से किसी एक टेस्ट सीरीज में 4 या इससे ज्यादा खिलाड़ियों ने डेब्यू किए हैं। इससे पहले भारत की ओर से 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया था जो अभी तक का सर्वाधिक है। रांची टेस्ट मैच में आकाश दीप को डेब्यू का मौका मिला जो मौजूदा सीरीज में भारत के चौथे डेब्यूटेंट हैं। बता दें कि आकाश दीप बिहार में जन्मे हैं लेकिन वह बंगाल की ओर से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं। उनके डेब्यू पर कोच राहुल द्रविड़ ने इमोशनल स्पीच दी। जिसे सुनहर सभी भावुक हो गए। आकाशदीप ने इंग्लैंड की पारी के चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर ओपनर जैक क्राउली को क्लीन बोल्ड कर दिया लेकिन दुर्भाग्व से वो गेंद नोबॉल निकली। बावूजद इसके उन्होंने जबरदस्त गेंदबाजी की। वह पहली पारी में अभी तक 3 विकेट ले चुके हैं। भारत बनाम इंग्लैंड मौजूदा टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के कई खिलाड़ी चोटिल हो गए।

कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने इस दौरान 4 नए खिलाड़ियों को मौका दिया। वाइजैग में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में रजत पाटीदार को चोटिल केएल राहुल की जगह डेब्यू का मौका मिला। इसके बाद राजकोट टेस्ट मैच में भारत ने सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को डेब्यू का मौका दिया। सरफराज खान ने डेब्यू टेस्ट मैच की दोनों पारियों में धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। रांची टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया। उनकी जगह आकाश दीप को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। आकाश दीप ने शुरुआती 3 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी और टी नटराजन सहित कुल 5 खिलाड़ियों का एक सीरीज में डेब्यू कराया था। हालांकि गिल ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू किया था जबकि सिडनी टेस्ट मैच में नवदीप सैनी और मोहम्मद सिराज ने पदार्पण किए।

साजना के प्रदर्शन से कप्तान हरमनप्रीत कौर हुईं बेहद खुश

नई दिल्ली ।

महिला प्रीमियर लीग में भारतीय खिलाड़ी साजना के प्रदर्शन से हरमनप्रीत कौर बेहद खुश हो गई हैं। बता दें कि मुंबई इंडियंस की रोमांचक जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर खुश दिखीं। 55 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच बनी हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि आज यह जहां पर खत्म हुआ उससे हम खुश हैं। हमने जिस तरह से खेला उससे वास्तव में खुश हूं। मैं अपने बल्लेबाजी कोच हिमांशु भैया को श्रेय देना पसंद करूंगी। उस ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद, मैं आश्वस्त नहीं थी। उन्होंने मुझे कड़ी प्रैक्टिस कराई और मुझे नई ऊर्जा दी। मैं घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहा था, मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। मानसिक रूप से उस ब्रेक से मुझे मदद मिली। बल्लेबाजी करते समय विकेट ठीक दिख रहा था, हमने सोचा कि अगर हम खेल को गहराई तक ले जाएं तो हम जीत सकते हैं। वहीं, सजना को लेकर उन्होंने कहा कि वह तो अभ्यास सत्र के दौरान भी छक्के लगा रही थी और उसने आज रात हमें यह सब दिखाया। हम पहली 3 गेंदों में खेल खत्म करना चाह रहे थे लेकिन हम जानते हैं कि हमारी बल्लेबाजी में गहराई है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो सजना की वजह से मैं यहां खड़ी हूं। पहले या दूसरे स्थान पर बल्लेबाजी करना मायने नहीं रखता, केवल परिस्थितियों के अनुसार हम बदलाव करते रहते हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच शॉपमैन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल उन्होंने राष्ट्रीय महासंघ द्वारा सम्मान और अहमियत नहीं दिये जाने का दावा करके हंगामा करने के कुछ दिन बाद शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि डच कोच ने 2021 में सोर्ड मरीन की जगह ली थी जिन्होंने टीम को तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाया था। शॉपमैन का अनुबंध इस साल पेरिस ओलंपिक के बाद अगस्त में समाप्त होना था। लेकिन उनकी हालिया आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह इस पद पर जारी नहीं रहेंगी। हॉकी इंडिया (एचआई) ने बताया कि 46 वर्षीय कोच ने ओडिशा में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू चरण में टीम का अभियान खत्म होने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस पर हॉकी इंडिया ने कहा कि हालिया ओलंपिक क्वालीफायर में निराशा के बाद उनके इस्तीफे ने हॉकी इंडिया के लिए महिला हॉकी टीम के लिए एक उपयुक्त मुख्य कोच की तलाश का मार्ग प्रशस्त कर दिया है जो 2026 में अगले महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को तैयार कर सके। यह भारतीय महिला हॉकी में एक नया अध्याय शुरू करने का समय है जिसमें खिलाड़ियों की प्रगति हमारा फोकस रहेगा।

वीडियो में सामने आई गेंदबाज वसीम जूनियर की शर्मनाक हरकत

सलमान आगा के बल्ले पर पैर रखकर की रन आउट की अपील

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के विवाद को लेकर सोशल मी डिया पर एक वी डियो आया है, जिसमें टीम के तेज गेंदबाज वसीम जूनियर रन आउट की अपील कर रहे है। पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान इस वी डियो ने इस्लामाबाद युनाइटेड और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच खेले गए मुकाबले में खेल भावना को तार तार किया गया। कमाल की बात यह कि इसको लेकर वसीम को मैदान पर कोई शर्म भी नहीं आई थी। सोशल मीडिया पर वसीम जूनियर की इस हरकत का वीडियो देख जमकर ट्रोल` किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 22 फरवरी गुरुवार को इस्लामाबाद युनाइटेड और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच मुकाबला खेला गया था।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इस्लामाबाद युनाइटेड ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स के सामने 9 विकेट पर 138 रन का स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए 18।2 ओवर में 7 विकेट गंवाकर क्वेटा ग्लेडिएटर्स की टीम ने जीत दर्ज की। क्वेटा ग्लेडिएटर्स के तेज गेंदबाज वसीम जूनियर इस्लामाबाद युनाइटेड के खिलाफ 11 ओवर कर रहे थे।

तभी चौथी बॉल पर सलमान आगा ने एक रन लेने के लिए दौड़ लगाई रन पूरा किया और दूसरे रन की तलाश में फिर से दौड़ लगाई लेकिन गेंद वापस आती देख वो वापस लौट गए। नॉन स्ट्राइक पर पहुंचने से पहुंचने से पहले उनका बल्ला क्रीज के करीब जाते ही जमीन से टकराकर हाथ से छूट गया और वसीम जूनियर का पैर उसके उपर आ गया। वसीम जूनियर ने बॉल आते ही स्टंप पर दे मारा और रन आउट की अपील की।

वीडियो में साफ नजर आ रहा था कि बल्ला वसीम के पैर के नीचे आने की वजह से ही सलमान रन पूरा नहीं कर पाए। फिर भी उन्होंने अंपायर से आउट की अपील की जिसको लेकर सलमान ने आपत्ति भी जताई। इस दौरान अंपायर ने वसीम को समझाया और रन आउट देने से मना कर दिया।

इंग्लैंड के दिग्गज निक नाइट ने अपने ही खिलाड़ी पर निकाली भड़ास

-परिस्थिति के अनुसार खेलने की दी नसीहत

नई दिल्ली । इंग्लैंड के दिग्गज प्लेयर निक नाइट ने अपने ही खिलाड़ी पर भड़ास निकाली है। उन्होंने परिस्थिति के अनुसार खेलने की नसीहत भी दी है। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन इंग्लिश टीम का दबदबा रहा। पहले दिन इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 300 से ज्यादा रन बनाए। खराब फॉर्म से जूझ रहे इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए शतकीय पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो पहली इनिंग में फ्लॉप रहे। उनके खराब प्रदर्शन से पूर्व क्रिकेटर निक नाइट खुश नहीं हैं। मैच के बाद इंग्लैंड के पूर्व ओपनर बल्लेबाज निक नाइट ने एक इंटरव्यू के दौरान बेयरस्टो पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, 'हमने कितनी बार कहा है कि इस पिच पर स्वीप एक अच्छा विकल्प नहीं है। मुझे पता है कि यह सचमुच एक ख़राब विकल्प था। आप जानते हैं, हम बज़बॉल के बारे में बहुत बात करते हैं, हम आक्रामक होने के बारे में भी बहुत बात करते हैं। लेकिन परिस्थिति के अनुसार ढलने में क्या बुराई है। आप अपने पैरों का भी उपयोग नहीं करते हो।' इतना ही नहीं नाइट ने आगे कहा` कि अश्विन ने जब गेंद डाली थी तो मैं पहले ही समझ गया था। बेयरस्टो ने लेंथ को अच्छी तरह से पिक किया। लेकिन हर बार आपको आक्रमक होने की जरूरत नहीं होती है और मुझे लगता है कि स्वीप शॉट का चयन उस समय पर करने की जरूरत नहीं थी।' बता दें कि जॉनी बेयरस्टो चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन सिर्फ 38 रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान उन्होंने 38 गेंदों का सामना किया। जॉनी बेयरस्टो को अश्विन ने एलबीडब्लयू कर चलता किया। हालों कि जो रूट ने चौथे नंबर पर आकर शतकीय पारी खेली। रूट के अलावा इस मैच में जॉनी बेयरस्टो के बल्ले से 38 रन निकले। पहले दिन जो रूट के शानदार शतक के दम पर इंग्लैंड की टीम 90 ओवर में 302 रन बना पाई।

106 रन बनाकर जो रूट ने शानदार पारी खेली

रांची। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जाक क्राउली ने शुक्रवार को कहा कि जो रूट ने 106 रन बनाकर शानदार पारी खेली है। हालांकि लंबे समय से शतक नहीं जड़ने वाले जो रूट से बड़ी पारी की उम्मीद थी और इस अनुभवी बल्लेबाज ने परिस्थितियों को देखते हुए भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन नाबाद 106 रन बनाकर शानदार पारी खेली। हालों कि लंच तक इंग्लैंड की आधी टीम 112 रन पर पवेलियन लौट चुकी थी और रूट की नाबाद 106 रन की पारी से स्टंप तक सात विकेट पर 302 रन बनाने में सफल रही। क्राउली ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि वह अविश्वसनीय है। हमें उससे इस श्रृंखला में किसी भी समय अच्छा स्कोर बनाने की उम्मीद थी। उन्हें बड़ी पारी खेलनी ही थी। वह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और आज उन्होंने बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने खेल पर इतनी मेहनत करते हैं और हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, वह तारीफ के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि हमें जरूरत थी कि वे रन बनाए और उन्होंने इतने साल से जो किया है, वैसा ही स्कोर बनाया है, क्यों कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

अमित शाह रविवार को मध्यप्रदेश की यात्रा पर रहेंगे

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 फरवरी को एक दिवसीय मध्यप्रदेश यात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा चुनाव संबंधी तैयारियों के मद्देनजर बैठकें करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री शाह रविवार सुबह दिल्ली से विशेष विमान से रवाना होकर ग्वालियर पहुंचेंगे। श्री शाह ग्वालियर में ग्वालियर और चंबल क्लस्टर की प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित कर लोकसभा चुनाव संबंधी आवश्यक दिशानिर्देश पार्टी नेताओं को देंगे। इसके बाद श्री शाह खजुराहो पहुंचकर वहां पर लोकसभा बूथ समिति सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने कहा कि श्री शाह इस बैठक के बाद विशेष विमान से भोपाल आएंगे। वे भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित वृहद प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होंगे और अपना संबोधन देंगे। इसके बाद वे विशेष विमान से वापस रवाना हो जाएंगे। मध्यप्रदेश में भाजपा ने इस बार सभी 29 सीटों पर पार्टी का परचम लहराने का लक्ष्य रखा है। पिछले चुनाव में उसने छिंदवाड़ा को छोड़कर शेष 28 सीटों पर विजय हासिल की थी।

असम सरकार ने मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को रद्द किया

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य में निवासरत मुस्लिम नागरिकों के विवाह और तलाक के पंजीकरण से जुड़े 89 साल पुराने कानून को रद्द करने का निर्णय लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में दिसपुर के लोक सेवा भवन में शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्री सरमा ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'पुराने अधिनियम में विवाह पंजीकरण की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल थे, जिसमें भले ही युवक-युवती विवाह के लिए 18 और 21 वर्ष की कानूनी उम्र तक नहीं पहुंचे हों। यह कदम असम में बाल विवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने आगे कहा कि जिला आयुक्तों और जिला रजिस्ट्रारों को वर्तमान में 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रारों के पंजीकरण रिकॉर्ड को पंजीकरण महानिरीक्षक के समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और नियंत्रण में अपने कब्जे में लिये जाने के लिए अधिकृत किया जायेगा।' कैबिनेट ने राज्य के चार जिलों कछार, करीमगंज, हैलाकांडी और होजई में मणिपुरी को एक सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए असम राजभाषा (संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने शहरी महिला उद्यमियों के रूप में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों को बढ़ावा देने के लिए असम राज्य शहरी आजीविका मिशन सोसाइटी द्वारा चरणों में लागू किए जाने वाले मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान-नोगोरिया के दिशानिर्देशों को भी मंजूरी दी है। इसके साथ ही कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल आवंटित बजट में से असम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग अथॉरिटी (एआईएफए) के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 274 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं।

दिवंगत दिगम्बर विद्यासागर महाराज का विनयांजलि कार्यक्रम रविवार को

अजमेर। सकल दिगम्बर जैन समाज एवं जैनेतर समाज की ओर से दिवंगत दिगम्बर संत 108 विद्यासागर महाराज विनयांजलि कार्यक्रम रविवार को यहां होगा। अजमेर सकल दिगम्बर जैन समाज से जुड़े विजय जैन ने बताया कि विनयांजलि कार्यक्रम दोपहर एक से दो बजे के मध्य केसरगंज गोलचक्कर स्थित आदिनाथ मार्ग पर आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को पूरे देश में एक ही समय पर विनयांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। लेकिन अजमेर में इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है कि कर्नाटक मूल के विद्यासागर जी ने वर्ष 1968 में अपने गुरु आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दीक्षा ली। यह दीक्षा वर्तमान में अजमेर के महावीर सर्किल के नजदीक तब पार्श्वनाथ कालोनी मैदान पर हुई थी। उल्लेखनीय है कि दिगम्बर आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ तीर्थ क्षेत्र पर समाधि हुई थी।

केरल में कुत्ते की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

इडुक्की (केरल)। केरल के इडुक्की जिले में एक व्यक्ति के खिलाफ पारिवारिक विवाद के दौरान अपने रिश्तेदार के कुत्ते की हत्या करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गुस्से में आकर आरोपी ने छोटे कुत्ते को अपने हाथ में लेकर उसे फर्श पर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को यहां नेदुमकंदम के पास हुई। कंबुम्मेट्टु पुलिस के अनुसार, आरोपी राजेश की पड़ोस में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के साथ तीखी नोकझोंक हुई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'आरोपी और पड़ोस में रहने वाले उसके रिश्तेदार के बीच कुछ पारिवारिक संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद था। दोनों के बीच तीखी बहस के बीच, रिश्तेदार के पालतू कुत्ते ने राजेश को काट लिया।' अधिकारी बताया, 'इससे वह व्यक्ति क्रोधित हो गया और उसने पोमेरेनियन नस्ल के कुत्ते को अपने हाथों में लेकर उसे फर्श पर पटक दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई।' पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 428 (जानबूझकर पशुओं को नुकसान पहुंचाना या मारना) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

असम कैबिनेट ने मुसलमानों में बाल विवाह रोकने के लिए अधिनियम को निरस्त करने की मंजूरी दी

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'इस अधिनियम में ऐसी स्थिति में भी विवाह पंजीकरण की अनुमति दिए जाने के प्रावधान शामिल हैं, जब वर की आयु 21 वर्ष और वधु की आयु 18 वर्ष न हो, जो कि विवाह के लिए वैध आयु होती है। यह कदम (कानून को निरस्त किया जाना) राज्य में बाल विवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।' कानून को निरस्त किए जाने पर जिला आयुक्तों और जिला रजिस्ट्रार को इस समय 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार के पास मौजूद 'पंजीकरण रिकॉर्ड को अपने संरक्षण' में लेने के लिए अधिकृत किया जाएगा। असम पंजीकरण महानिरीक्षक के समग्र पर्यवेक्षण और नियंत्रण के तहत ऐसा किया जाएगा। अधिनियम निरस्त होने के बाद मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार को उनके पुनर्वास के लिए दो लाख रुपये का एकमुश्त मुआवजा प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम को निरस्त करने का निर्णय शुक्रवार को देर रात कैबिनेट की बैठक में लिया गया। यह असम के तत्कालीन प्रांत के लिए स्वतंत्रता से पहले लागू किया गया एक पुराना अधिनियम था जिसे ब्रिटिश शासनकाल में लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिनियम के अनुसार, विवाह और तलाक का पंजीकरण कराना अनिवार्य नहीं है और पंजीकरण का तंत्र अनौपचारिक है, जिससे मौजूदा मानदंडों का अनुपालन न करने की काफी गुंजाइश रहती है। बैठक में जिक्र किया गया कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, पुरुषों के लिए 21 वर्ष से कम और महिलाओं के लिए 18 वर्ष से कम उम्र के इच्छुक व्यक्तियों के विवाह को पंजीकृत करने की गुंजाइश बनी रहती है और अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी बमुश्किल ही संभव है। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि राज्य सरकार बहुविवाह को समाप्त करने के लिए एक विधेयक लाने की योजना बना रही है।

प्रयागराज में माघी पूर्णिमा पर 18.60 लाख लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई

प्रयागराज। संगम नगरी में माघ मेले के पंचम स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर शनिवार को 'हर हर गंगे' के उद्घोष के बीच सुबह 10 बजे तक लगभग 18.60 लाख लोगों ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह से ही बादल छाए रहने और मौसम ठंडा रहने के बावजूद शनिवार सुबह 10 बजे तक करीब 18 लाख 60 हजार लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया। तड़के से ही श्रद्धालुओं का माघ मेला क्षेत्र में आना जारी रहा जिसमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों की लंबाई 6800 फुट से बढ़ाकर 8000 फुट की गई और कुल 12 घाट बनाए गए। पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और पूरे मेला क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कैमरे लगाए गए हैं।

पीएमके से गठबंधन की कवायद में जुटी एआईएडीएमके

-आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने की तैयारी करते हुए अन्नाद्रमुक अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हुटी है। यही कारण है कि पार्टी अपने पूर्व सहयोगी पीएमके के साथ गहन बातचीत कर रही है। बताया जा रहा है कि अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने के इच्छुक हैं। पीएमके अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास के धर्मपुरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है, क्योंकि उनका राज्यसभा कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष अच्छे नतीजे को लेकर सकारात्मक हैं। इस बीच, माना जाता है कि भाजपा ने भी एक पैकेज की पेशकश की है जिसमें 12 लोकसभा सीटें, दो राज्यसभा सीटें और पीएमके के लिए एक कैबिनेट बर्थ शामिल है।

वहीं अन्नाद्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बातचीत समाप्त नहीं हुई है और अब तक की बातचीत दोनों पक्षों के लिए सकारात्मक रही है। पीएमके कैडर और पदाधिकारी अन्नाद्रमुक और पीएमके को गठबंधन करते हुए देखने के इच्छुक हैं। पीएमके के तीन विधायकों, सदाशिवम (मेट्टूर), सी शिवकुमार (मैलम), एसपी वेंकटेश्वरन (धर्मपुरी) ने ग्रीनवेज़ रोड पर अपने पड़ोसी और सामाजिक कल्याण मंत्री पी गीता जीवन से मिलने के बाद पलानीस्वामी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इससे पहले, अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री और आरएस सांसद सी वे शनमुगम को विल्लुपुरम जिले में पीएमके संस्थापक रामदास के थाइलापुरम आवास पर तैनात करके बातचीत शुरू की थी।

मिली जानकारी के अनुसार पीएमके के एक विधायक ने हाल ही में पीएमके नेतृत्व के दूत के रूप में पलानीस्वामी से चार बार मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच शुरू में बातचीत सीटों की संख्या पर पहुंचने के फॉर्मूले के इर्द-गिर्द घूम रही थी। अगर यह अन्नाद्रमुक के साथ समझौता करती है, तो पार्टी निश्चित रूप से धर्मपुरी के अलावा, आरक्षित सीट चिदंबरम और कुड्डालोर से चुनाव लड़ेगी।

रामंदिर बनने से नेपाल-भारत के रिश्ते और होंगे मजबूत : सऊद

अयोध्या। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कहा है कि जनकपुर से अयोध्या और पशुपतिनाथ से काशी के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। शनिवार को नेपाल विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद परिवार के साथ दिल्ली से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे जहां उनका प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। दो दिवसीय प्रवास के दौरान वह रविवार को हनुमान गढ़ी और रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। रविवार को ही सड़क मार्ग से वापस नेपाल की रवाना होंगे। विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बहुत ही महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। जनकपुर अयोध्या के साथ-साथ नेपाल के पशुपतिनाथ व बनारस के बाबा विश्वनाथ के साथ भी हम सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच बहुत ही गहरा सांस्कृतिक संबंध रहा है, दोनों सरकार के बीच में ही नहीं जनता के बीच में भी उतना ही गहरा संबंध रहा है। उन्होंने कहा भगवान राम की शादी माता जानकी से जनकपुर के राम जानकी मंदिर में हुई थी, इसलिए हमारे बीच जो गहरा संबंध है वह सांस्कृतिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उसको और मजबूत करने के लिए प्रयत्नशील है। हम लोग धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रहे हैं, अयोध्या और जनकपुर के बीच संबंध और अच्छा हो इसके लिए हम लोग कोशिश कर रहे हैं। काशी और पशुपतिनाथ विश्वनाथ बाबा के बीच का भी संबंध बढ़ा रहे हैं और धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन सीटों पर लड़ेगी चुनाव, भरूच आप के खाते में

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को सीट बंटवारे की घोषणा की जिसके तहत दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी।

इसके साथ ही आम आदमी पार्टी गुजरात की भरूच और भावनगर सीट तथा हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भी चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक ने आम आदमी पार्टी के नेता संदीप पाठक, सौरव भारद्वाज और अतिशी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सीट बंटवारे की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आप दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस चांदनी चौक, उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी।

राष्ट्रीय राजधानी में सात लोकसभा सीट हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सभी सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीती थीं।

वासनिक ने कहा कि आम आदमी पार्टी गुजरात में भरूच और भावनगर लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी तथा हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट भी आम आदमी पार्टी को दी गई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ लोकसभा सीट को लेकर लंबी चर्चा की गई और आखिर में फैसला हुआ कि यहां से कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी।

भरूच को लेकर पिछले कुछ दिनों से दोनों दलों के बीच पेंच फंसा हुआ था क्योंकि कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अहमद पटेल के पुत्र फैसल पटेल और पुत्री मुमताज पटेल यह सीट आम आदमी पार्टी को दिए जाने का विरोध कर रहे थे। इस सीट पर फैसल और उनकी बहन मुमताज कांग्रेस की तरफ से टिकट के दावेदार माने जा रहे थे।

आप अपने विधायक चैतर वसावा को भरूच लोकसभा सीट से पहले ही उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। कांग्रेस और आप ने पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में प्रस्तावित है।

समाधान का हवाला देकर जयंत चौधरी ने की किसानों से धैर्य की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी ने किसानों से धैर्य धारण करने की अपील की है। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों से कहा कि समाधान जरूर निकलेगा। जयंत चौधरी ने पंजाब और हरियाणा की खनौरी सीमा पर किसान-पुलिस झड़प के दौरान बुधवार को एक युवा किसान की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान धैर्य से काम लें, समाधान जरूर निकलेगा। हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। अमरोहा में मौजूद चौधरी ने हाकमपुर ग्राम प्रधान विशाल और 24 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में मारे गए राजन और मनोज के परिजनों से उनके घर जाकर मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। बता दें कि चौधरी, जो हाल तक इंडिया गुट में सहयोगी थे, ने अपने पिता, पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा के मद्देनजर समूह छोड़ दिया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अन्य दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पर सीबीआई छापे पर सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। बता दें कि किसान नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने 'दिल्ली चलो' आंदोलन को लेकर अगले कदम के बारे में 29 फरवरी को फैसला करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि शनिवार को 'कैंडल मार्च' निकाला जाएगा और उसके दो दिन बाद वे केंद्र का पुतला भी जलाएंगे।

मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे : एसटी हसन

दिसपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने कहा है कि मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। उन्होंने यह बात

असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को निरस्त करने की असम सरकार की मंजूरी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही है। समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने शनिवार को कहा कि मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बात को इतना उजागर करने की जरूरत नहीं है। मुसलमान शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। सरकार जितने चाहें उतने अधिनियमों का मसौदा तैयार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक धर्म के अपने रीति-रिवाज होते हैं। इनका पालन हजारों वर्षों से किया जा रहा है, अब भी उनका पालन किया जाता रहेगा। वहीं कांग्रेस नेता अब्दुर रशीद मंडल ने इसे भेदभावपूर्ण निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि सरकार यूसीसी और बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की बात कर रही थी लेकिन अज्ञात कारणों से वे ऐसा करने में विफल रहने पर चुनाव से ठीक पहले, वे कुछ क्षेत्रों में मुसलमानों को वंचित और भेदभाव करके हिंदू मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकृत करने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे इस अधिनियम को रद्द करना और यह कहना कि यह स्वतंत्रता-पूर्व का अधिनियम है। इसमें बाल विवाह का भी हवाला दिया जा रहा है। इस बीच, एआईयूडीएफ विधायक हाफिज रफीकुल इस्लाम ने कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार में उत्तराखंड की तर्ज पर राज्य में समान नागरिक संहिता लाने की हिम्मत नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार ऐसा नहीं कर सकती वे उत्तराखंड में जो लाए, वह यूसीसी भी नहीं है। वे असम में भी यूसीसी लाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे असम में नहीं ला सकते क्योंकि यहां कई जातियों और समुदायों के लोग हैं। भाजपा अनुयायी स्वयं यहां उन प्रथाओं का पालन करते हैं। बता दें कि असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है।

ममता बनर्जी को कांग्रेस ने पहली बार सांसद बनाया : जयराम

-बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने पर कांग्रेस ने टीएमसी को दिलाई याद

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है ?कि कांग्रेस ने ही ममता बनर्जी को पहली बार सांसद बनाया था। यह बयान उन्होंने टीएमसी के लोकसभा में अकेले चुनाव लड़ने के बाद दिया। यहां गौरतलब है कि बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने अकेले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। इस बीच कांग्रेस महासचिव संचाव प्रभारी जयराम रमेश ने यह बयान दिया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को एक बार फिर पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस को अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल का साथ मिल चुका है, जिसके बाद उनका फोकस अब ममता बनर्जी पर है। हालांकि सीट शेयरिंग को लेकर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी से नए सिरे से बात शुरू की गई है।

टीएमसी के साथ सीट बंटवारे पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी, जयराम रमेश ने कहा, इस पर चर्चा चल रही है। हमारे दरवाजे टीएमसी के लिए हमेशा खुले हैं। ममता बनर्जी और टीएमसी ने कहा है कि वे इंडिया गठबंधन को मजबूत करना चाहते हैं और सबसे बड़ा मकसद बीजेपी को हराना है। दोनों पार्टियों के बीच तीखी बहस होती रहती है, लेकिन हम ममता बनर्जी का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा उन्हें सम्मान दिया है। कांग्रेस ने ही उन्हें सांसद बनाया और कांग्रेस के साथ ही वह काफी आगे बढ़ी हैं। कुछ निजी कारणों से उन्होंने पार्टी छोड़ दी, लेकिन आज भी उनकी पार्टी का नाम तृणमूल कांग्रेस है।

इधर टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले, टीएमसी चीफ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि टीएमसी बंगाल की सभी 42 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हम असम की कुछ सीटों और मेघालय की तुरा लोकसभा सीट पर भी अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारेंगे। इससे पहले ममता बनर्जी ने बंगाल की 42 सीटों पर एकला चलो रे का मैसेज देते हुए अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया था।

मणिपुर पुलिस ने स्थानांतरित कर्मियों को लेकर लिया अहम फैसला

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने मौजूदा संकट को देखकर जहां तक संभव हो स्थानांतरित कर्मियों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने पर का फैसला जरूरत के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण आदेश प्रभावी रहेगा, लेकिन आवश्यकता के अनुसार ही कर्मियों को स्थानांतरित किया जाएगा। एक आदिवासी निकाय के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मेइती-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में कुकी पुलिसकर्मियों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की थी, इसके बाद स्थानांतरित कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने कहा कि स्थानांतरण आदेश अतिरिक्त कर्मियों को सुव्यवस्थित करने के लिए जारी किए गए हैं, लेकिन मौजूदा संकट को देखकर इस स्तर पर कर्मियों की तत्काल आवाजाही की कोई आवश्यकता नहीं है। मणिपुर पुलिस ने लिखा, एमआर/आईआर इकाइयों के सभी समुदायों के 177 कर्मियों के विभिन्न इकाइयों में स्थानांतरण और तैनाती के संबंध में मणिपुर पुलिस मुख्यालय के 14 फरवरी के आदेश का संदर्भ लेकर सूचित करते है कि सभी एमआर/आईआर इकाइयों में उपलब्ध स्वीकृत पदों अनुरूप अतिरिक्त कर्मियों को सुव्यवस्थित करने और उनके वेतन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थानांतरण व तैनाती की गई है।

जीमेल बंद होने की फेक खबर से दुनियाभर के लोगों को हो गई टेंशन

-बाद में गूगल ने किया खुलासा तो दूर हुई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल द्वारा जीमेल बंद करने की एक फेक खबर ने दुनियाभर के लोगों को चिंता में डाल दिया। बाद में गूगल ने खुद इस खबर का खंडन किया तो लोग निश्चिंत हुए। हालांकि गूगल के पास अपने प्रोडक्ट्स को बंद करने की एक लंबी लिस्ट है। कंपनी अपनी सर्विसेस और प्रोडक्ट्स को हमेशा के लिए बंद करने के लिए पॉपुलर है। लेकिन लिस्ट में कोई मेनस्ट्रीम या फिर कोई पॉपुलर प्रोडक्ट नहीं रहा। लेकिन जैसे कि मेल के बंद होने की खबर सामने आई, करोड़ों यूजर्स परेशान हो गए। यह खबर दुनियाभर में आग की तरह फैल गई, क्योंकि करोड़ों लोग इस सर्विस का रोज इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि जीमेल दुनिया की सबसे लोकप्रिय ईमेल सर्विस है, जिसके 2024 तक वैश्विक स्तर पर 1.8 बिलियन (180 करोड़) से ज्यादा एक्टिव यूजर्स हैं। खबर वायरल होने के बाद, खुद गूगल को स्पष्टीकरण देने के लिए सामने आना पड़ा। जानकारी के अनुसार यह खबर बाजार में आते ही करोड़ों लोग परेशान हो गए, जिसमें दावा किया गया था कि 1 अगस्त 2024 को जीमेल बंद हो जाएगा। गूगल ने भी जीमेल यूजर्स की चिंता को नोटिस किया और फिर प्रतिक्रिया दी। गूगल के स्वामित्व वाले जीमेल के ऑफिशियल पेज से मैसेज में कहा गया है कि जीमेल यहां रहने के लिए है। तब जाकर लोगों की टेंशन खत्म हुई। यह खबर पूरी तरह से फेक निकली।

दरअसल इस अफवाह की शुरुआत एक मैसेज से हुई, जिसमें दावा किया गया था कि गूगल इस साल के अंत में जीमेल को बंद करने की तैयारी कर रही है। हेरफेर करके बनाई गई यह फेक इमेज एक्स और टिकटॉक सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर फैल गई। कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि इसकी शुरुआत टिकटॉक ऐप से हुई। इनमें से कुछ पोस्ट में दावा किया गया है कि जेमिनी इमेज जेनरेशन को लेकर तमाम आलोचनाओं के बाद गूगल जीमेल को बंद कर रहा है। वायरल हो रहे फेक मैसेज में लिखा था कि हम आपसे जीमेल से जुड़े एक महत्वपूर्ण जानकारी शेयर करना चाहते हैं। सालों तक दुनियाभर में करोड़ों लोगों को जोड़ने, आसान कम्यूनिकेशन को सक्षम बनाने और अनगिनत कनेक्शन्स को बढ़ावा देने के बाद, जीमेल का सफर अब समाप्त होने के करीब है। 1 अगस्त, 2024 से जीमेल आधिकारिक तौर पर बंद हो जाएगा।

थाईलैंड में 'कुशीनगर महापरिनिर्वाण स्थल' बना आकर्षण का केन्द्र

बैंकॉक। थाईलैंड में 23 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित बुद्धभूमि कार्यक्रम के माध्यम से यूपी पर्यटन विभाग थाईलैंडवासियों को कुशीनगर महापरिनिर्वाण स्थल के दर्शन करा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल थीम पर पवेलियन का निर्माण किया गया है। थाईलैंडवासियों को इसके माध्यम से यूपी के छह प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों की जानकारी दी जा रही है। इसमें कुशीनगर, सारनाथ, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, संकिसा और कौशांबी तीर्थ से जुड़ी जानकारी पुस्तक, यात्रा वृतांत और स्टॉल आदि के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के समर्थन में 55 व्यक्तियों, 37 संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के समर्थन में उनके देश ने 55 लोगों और 37 कानूनी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। शुक्रवार को अमेरिकी सरकार ने रूस पर 500 से ज्यादा अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, यूक्रेन में निरंतर सैन्य अभियान चलाने के लिए रूस को दंडित करने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया। अमेरिका ने पिछले सप्ताह रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत के लिए तीन रूसी अधिकारियों को भी निशाना बनाया। सुश्री वोंग ने कहा, 'हम यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने समर्थन में खड़े हैं... आज ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 55 लोगों पर वित्तीय प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और 37 संस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए हैं।''

भारत ने जाह्नवी कंडुला की मौत से संबंधित मामला सिएटल के अधिकारियों के समक्ष उठाया

वाशिंगटन। भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के मामले में आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ सबूतों के अभाव में मुकदमा नहीं चलाए जाने की अभियोजन अटॉर्नी की दलील के बाद सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है। सिएटल में पिछले साल 23 जनवरी को सड़क पार करते समय 23 वर्षीय कंडुला को अधिकारी केविन डेव द्वारा चलाए जा रहे एक पुलिस वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद कंडुला की मौत हो गई थी। हादसे के समय वाहन की रफ्तार 119 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा थी। घटना के वक्त पुलिस अधिकारी के शरीर पर लगे कैमरे का ऑडियो वायरल होने के बाद सवाल उठे थे, जिसमें उनका सहकर्मी डेनियल ऑडेरर इस हादसे को लेकर हंसता हुआ सुनाई दिया था। बुधवार को, किंग काउंटी अभियोजक कार्यालय ने कहा कि आपराधिक मामले को उचित संदेह से परे साबित करने के लिए सबूतों की कमी के कारण सिएटल पुलिस अधिकारी केविन डेव के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाएंगे। सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह मामले में प्रगति की निगरानी कर रहा है और कंडुला तथा उनके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा, 'जाह्नवी कंडुला की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के संबंध में किंग काउंटी अभियोजन अटॉर्नी की हाल ही में जारी जांच रिपोर्ट को लेकर वाणिज्य दूतावास जाह्नवी के परिवार के साथ नियमित संपर्क में है और जाह्नवी व उसके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।' वाणिज्य दूतावास ने लिखा, 'हमने उचित समाधान के लिए सिएटल पुलिस समेत स्थानीय अधिकारियों के साथ भी मामले को जोरदार ढंग से उठाया है। मामले को अब समीक्षा के लिए सिएटल सिटी अटॉर्नी के कार्यालय में भेजा गया है।'

'शीतयुद्ध की मानसिकता रुस-यूक्रेन संघर्ष का मूल कारण'

बीजिंग। रूस-यूक्रेन मुठभेड़ शुरु हुए 24 फरवरी को दो वर्ष पूरे हो गए। वर्तमान में दोनों देशों की सेनाएं संघर्ष मैदान पर गतिरोध में पड़ी हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ नये दौर के प्रतिबंध की तैयारी कर रहे हैं। युद्ध विराम की आशा कमजोर दिख रही है। पूरे विश्व में इस मुठभेड़ के कारण के प्रति अधिक गहरी समझ आयी है और युद्ध विराम की आवाज बुलंद हो रही है। यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार दो साल में इस युद्ध में रूस और यूक्रेन की हताहतों की संख्या 5 लाख को पार कर गयी है और यूक्रेन के 1 करोड़ लोग बेघर हो गये हैं। यह मुठभेड़ पैदा होने के बाद विश्व भर में ऊर्जा और खाद्यान्न की कीमतों में तेजी आयी और इसका नकारात्मक प्रभाव निरंतर फैल रहा है। अब विश्व में अधिकांश लोगों में इस बात की समझ आई है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति सिर्फ सरल गणित फोर्म्यूलर नहीं है। शीतयुद्ध की मानसिकता इस युद्ध का मूल कारण है और अमेरिका इस मुकाबले को उकसावा देने वाला है। इसके अलावा इस युद्ध से यह भी साबित हुआ है कि एकतरफा प्रतिबंध से काम नहीं चलता और इसके विपरीत मुकाबला तीव्र होता है। दो साल में अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर 13 दौर के प्रतिबंध लगाये। लेकिन, अब तक इससे रूस की सैन्य कार्रवाई और रूस की अर्थव्यवस्था में बड़ा व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। जटिल सवाल का सरल समाधान नहीं है। सुरक्षा सैन्य गुटों के विस्तार से प्राप्त नहीं की जा सकती। यूक्रेन संकट के समाधान का फौरन कार्य यही है कि विभिन्न पक्ष सदिच्छा दिखाकर रूस-यूक्रेन वार्ता के लिए जरूरी शर्तें तैयार करने की समान कोशिश करें। मूल रूप से देखा जाए संतुलित, सर्वांगीण और विवेकतापूर्ण पक्ष पर कायम रहना है। यूक्रेन की प्रभुसत्ता की सुरक्षा की जानी और इसके साथ रूस की युक्तियुक्त सुरक्षा चिंता का सम्मान किया जाना चाहिए।

शी चिनफिंग ने साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण पर ज़ोर दिया

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने केंद्रीय वित्तीय व आर्थिक समिति के चौथे पूर्ण सत्र की अध्यक्षता कर बड़े पैमाने पर साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण और प्रभावी ढंग से लॉजिस्टिक्स लागत घटाने पर विचार किया। शी चिनफिंग ने बल दिया कि उत्पादों के नवीनीकरण में तेज़ी लाना उच्च गुणवत्ता विकास का अहम कदम है। हमें साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके अलावा हमें समाज में लॉजिस्टिक्स लागत कम करना है ताकि व्यवसायों की केंद्रीय प्रतिस्पर्द्धात्मक शक्ति मजबूत की जाए और आर्थिक संचालन की कार्यकुशलता उन्नत की जाए। इस बैठक में कहा गया कि साजो-सामान और उपभोगताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण से पूंजी निवेश और उपभोग को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, जो वर्तमान और दीर्घकाल से लाभदायक है। हमें नीतिगत समर्थन से प्रगतिशील उत्पादन क्षमता के अनुपात की निरंतर उन्नति, नागरिकों के जीवन में उच्च गुणवत्ता वाली उपभोग वस्तुओं की अधिक लोकप्रियता, पुराने व रद्द संसाधानों के चक्रीय प्रयोग, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की चक्रीय गुणवत्ता को बढ़ाना चाहिए। इस दौरान बाज़ार पर आधारित रहने और सरकार के मार्गदर्शन पर कायम रहना चाहिए।

स्वीडन के नाटो में शामिल होने के लिए मतदान से पूर्व हंगरी ने खरीदे स्वीडिश लड़ाकू विमान

बुडापेस्ट। हंगरी ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर हंगरी की संसद में 26 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले स्वीडन से चार नए ग्रिपेन फाइटर जेट खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते की घोषणा शुक्रवार को हंगरी के प्रधान मंत्री विक्टर ओर्बन और उनके स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के बीच बुडापेस्ट में एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान की गई। नेताओं ने हंगरी में ग्रिपेन लड़ाकू विमानों और उनकी सहायता प्रणालियों के किराये के संबंध में मौजूदा समझौते में संशोधन का भी खुलासा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित ग्रिपेंस से संबंधित लॉजिस्टिक सेवाओं के लिए एक नए अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब स्वीडन दो साल पहले शुरू हुए रूसी-यूक्रेनी सशस्त्र संघर्ष के मद्देनजर तटस्थता की अपनी दीर्घकालिक नीति को छोड़कर नाटो गठबंधन में शामिल होना चाहता है।

श्रीलंका के कोलंबो में वार्षिक शोभा यात्रा से पहले गंगारामया बौद्ध मंदिर में एक महावत हाथी के साथ पूजा करते हुए, जहां शोभा यात्रा के दौरान सैकड़ों पारंपरिक ढोल वादकों और नर्तकियों द्वारा दर्जनों आकर्षक ढंग से सजाए गए हाथियों के साथ आकर्षक प्रस्तुति दी जाती है।

विदेश मंत्री कुलेबा की हुंकार.....रुस के खिलाफ जंग जीतेगा यूक्रेन

जिनेवा। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि रूस के साथ जारी युद्ध में उनका देश ही जीत हासिल करेगा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के दो वर्ष पूरे हो गए हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने अपने संबोधन में देशों से यूक्रेन के साथ एकजुट होने की अपील की। कुलेबा ने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं, तब देर के बजाए जीत जल्दी ही मिलेगी। इस पर संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वैसिले नेबेंजिया ने अपने देश के तर्क को दोहराया कि उसने संघर्ष शुरू नहीं किया था। उन्होंने पश्चिमी देशों को युद्ध भड़काने का जिम्मेदार ठहराया, साथ ही आरोप लगाया कि यूक्रेन पश्चिमी भूराजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का मोहरा बना है। नेबेंजिया ने कहा कि लक्ष्य हासिल होने तक रूस के ''विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता का अनुरोध कर रहे हैं। पूर्वी यूक्रेन पर रूस बलों के अधिक क्षेत्रों पर कब्जा करने के बीच यूक्रेन को अपनी रक्षा के लिए अधिक हथियार और धनबल की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कुलेबा ने याद दिलाया कि 140 से अधिक देशों ने यूक्रेन का समर्थन करने वाले और रूसी सेनाओं को वापस लेने के आह्वान वाले प्रस्तावों का समर्थन किया था लेकिन मास्को का उद्देश्य यूक्रेन को नष्ट करना है और वे इसके बारे में खुल कर बोलते हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि तब दोनों देशों ने लगभग 200 दौर की बातचीत की थी और 20 संघर्ष विराम समझौते किये थे। उन्होंने कहा कि शांति के सभी प्रयास रूस की ओर से दो वर्ष पूर्व आक्रमण करने के साथ ही समाप्त हो गए।

तेल बेचकर हथियार खरीद रहा है इजरायल समर्थक मुस्लिम देश

तेल अवीव (एजेंसी)। अजरबैजान की राजधानी बाकू में अलीयेव के कार्यालय ने उनके और उनके इजरायली समकक्ष के बीच बैठक के संबंध में एक बयान जारी किया। इस बयान में बताया गया है कि दोनों राष्ट्रपतियों ने अजरबैजान और इजरायल के बीच सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों, वाणिज्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों पर चर्चा की। एक तरफ मुस्लिम देशों के दवाब को दरकिनार कर अजरबैजान इजरायल को तेल बेच रहा है तो साथ ही उससे हथियार भी खरीद रहा है। मुस्लिम बाहुल्य अजरबैजान की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि गाजा युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद राष्ट्रपति अलीयेव ने इजरायल के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की अपनी नीति जारी रखी है। म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने वाले इजरायली अधिकारियों और यहूदी नेताओं ने दुनिया में यहूदी विरोधी भावना की स्थिति पर डायस्पोरा मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट के बारे में चिंता व्यक्त की। इसमें यहूदी विरोधी भावना में बहुत चिंताजनक वृद्धि का संकेत दिया गया है। इसमें आर्मेनिया में भी यहूदी विरोधी भावनाओं के बढ़ने की बात कही गई है।

डायस्पोरा मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्मेनिया में यहूदी विरोधी चर्चा काफी हद तक इजरायल और अजरबैजान के बीच संबंधों और इजरायल के रक्षा निर्यात से प्रभावित है। ये संबंध आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो-काराबाख युद्ध की वजह से अर्मेनियाई समाज में गुस्सा पैदा करते हैं। रिपोर्ट कहती है कि अर्मेनियाई लोगों ने विशेष रूप से इजरायल पर ध्यान केंद्रित करना चुना है। यह दर्शाता है कि आर्मेनिया में यहूदी विरोधी रवैया बहुत गहरा है और बाहरी घटनाओं से प्रभावित होता है। बता दें कि अजरबैजान ने 16-18 फरवरी को म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जनवरी 2024 के लिए अपना तेल निर्यात डेटा प्रकाशित किया। डेटा से पता चलता है कि उससे तेल निर्यात करने वाले देशों की तालिका में इजरायल पहले स्थान पर है। अरजैबान का डाटा दिखाता है कि उसने इजरायल को 523.5 हजार टन का निर्यात किया। ये करीब 297 मिलियन डॉलर का रहा। यह आंकड़ा अजरबैजान से तेल आयात करने वाले थाईलैंड, इटली और दूसरे देशों की तुलना में काफी अधिक है। म्यूनिख में ही इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने अजरबैजान के प्रेसीडेंट राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात भी की।

अमेरिका के मून मिशन का यान लैंडिंग के बाद सतह पर ही पलटा

-कंपनी का दावा, फिर भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास जुटा रहा आंकड़े

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नाटकीय लैंडिंग के बाद ओडीसियस अंतरिक्ष यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतर गया। हालांकि चंद्रमा की सतह पर उतरने के दौरान यह वहीं पर पलट गया। इसको लेकर कंपनी ने दावा किया कि यान अभी भी काम कर रहा है। कंपनी का कहना है कि चंद्रमा की सतह पर उतरने के दौरान यह यान पलट गया और चंद्रमा की सतह पर पड़ा हुआ है। शुक्रवार को कंपनी ने कहा कि ग्राउंड कंट्रोलर रोबोट डेटा और सतह की तस्वीरें डाउनलोड करने का काम कर रहा है। गौरतलब है कि ओडीसियस अंतरिक्ष यान गुरुवार शाम 6:23 बजे पूर्वी समय पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरा था। इस दौरान वैज्ञानिकों की टीमों को एक बैकअप पर काम करना पड़ा था और रेडियो संपर्क स्थापित करने में कई मिनट लग गए थे। चंद्रमा पर पहली बार लैंडिंग कराने वाली निजी कंपनी इंटुएटिव मशीन्स ने शुरू में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि उसका हेक्सागोनल अंतरिक्ष यान सीधा खड़ा था, लेकिन सीईओ स्टीव अल्टेमस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि यह बयान गलत व्याख्या किए गए डेटा पर आधारित था। इस पर अल्तेमस ने कहा कि बोर्ड पर विज्ञान प्रयोगों से डेटा डाउनलोड करने की टीम की क्षमता नीचे की ओर लगे एंटेना के कारण बाधित हो रही थी, जो पृथ्वी पर वापस आने के लिए अनुपयोगी हैं। ओडीसियस को अभी भी विज्ञान प्रयोगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए नासा वित्त पोषित मून लैंडर्स के एक नए बेड़े के लिए पहली सफलता हासिल की है, जो आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा से अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी का रास्ता साफ करेगा। पिछले महीने एक अन्य अमेरिकी कंपनी द्वारा किया गया मून मिशन विफलता रहा। इस मिशन ने यह दिखा दिया है कि निजी कंपनियों के पास 1972 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा अपोलो 17 मिशन के दौरान हासिल की गई उपलब्धि को फिर से दोहराने की क्षमता है, इसलिए यह क्रम आगे भी चलेगा।

मिस्र भी हो रहा है कंगाल, उबारने के हो रहे प्रयास

काहिरा। मिस्र के पीएम मुस्तफा मैडबौली ने कहा कि यूएई 15 अरब डॉलर का भुगतान एडवांस में करेगा। बाकी का भुगतान दो महीने में करेगा। मैडबौली के मुताबिक यह सौदा देश के आधुनिक इतिहास में शहरी विकास परियोजना में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। इस शहर में आवासीय, पर्यटक रिसॉर्ट्स, स्कूल, यूनिवर्सिटी, एक इंडस्ट्रियल जोन, एक केंद्रीय वित्तीय और व्यावसायिक जिला, टूरिस्ट यॉट के लिए इंटरनेशनल मरीना और एक इंटरनेशनल हवाई अड्डा शामिल होगा। यहां के लोगों के भविष्य को लेकर मैडबौली ने कहा कि उन्हें अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। इन्हें वित्तीय मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश के आर्थिक संकट को कम करेगी। रास अल-हिकमा अलेक्जेंड्रिया के पश्चिम में लगभग 200 किमी की दूरी पर है। यह अमीर टूरिस्ट वाला इलाका है, जो अपने सफेद रेत वाले बीच के लिए मशहूर है। मिस्र धीमी गति से बढ़ते आर्थिक संकट में फंस गया है, जिसमें विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। इस कारण मिस्र के पाउंड और स्थानीय व्यवसायों पर दबाव बना हुआ है। मिस्र ने दिसंबर 2022 में आईएमएफ के साथ 3 अरब डॉलर के वित्तीय सहायता की डील की थी। लेकिन मिस्र ने लचीले एक्सचेंज रेट सिस्टम को अपनाने में देरी की और सरकारी संपत्तियों को धीरे-धीरे बेचा जिस कारण यह डील फाइनल नहीं हो पाई।

पाकिस्तान सरकार ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन के निर्माण को दी मंजूरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इससे नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अंतरिम सरकार की ऊर्जा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीओई) ने पाकिस्तान के अंदर 80 किलोमीटर के खंड के पहले चरण के लिए कई वर्षों की देरी के बाद मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, 'पाकिस्तान सरकार ने ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है।' समिति ने पेट्रोलियम डिवीजन की सिफारिश पर कार्य करते हुए प्रारंभिक चरण में पाकिस्तान-ईरान सीमा से शुरू होकर बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर तक परियोजना की शुरुआत का समर्थन किया है।

बयान के अनुसार, 'सभी संबंधित प्रभागों ने पाकिस्तान की जनता को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक मंजूरी दी, जिससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके।' पाकिस्तान की इंटरस्टेट गैस सिस्टम्स (प्राइवेट) लिमिटेड इस परियोजना को निष्पादित करने के लिए तैयार है, जिसे गैस इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस (जीआईडीसी) के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने सप्ताह की शुरुआत में रिपोर्ट दी थी कि परियोजना को समय पर पूरा करने में विफल रहने पर 18 अरब डॉलर के संभावित जुर्माने के डर से पाकिस्तान को कई वर्षों की देरी के बाद काम शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय अदालतों में मुकदमेबाजी से बचने के उद्देश्य से ईरान ने सितंबर 2024 तक 180 दिन का विस्तार दिया है। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि पाइपलाइन परियोजना से संबंधित अपने अधिकारों की रक्षा के लिए ईरान कानूनी कार्रवाई करता तो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध तनावपूर्ण हो सकते थे।

ब्रिटेन की संसद में भारत के खिलाफ जहर, किसान आंदोलन को बनाया मुद्दा

लंदन (एजेंसी)। भारत के आतंरिक मामले पर विदेशी प्रोपगेंडा टीम फिर एक्टिव हो गई है। दिल्ली बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर टिप्पणी हो रही है। इस बार भारत विरोधी आवाज ब्रिटेन की संसद से उठी है। किसान आंदोलन के बीच खनौरी बॉर्डर पर एक किसान की मौत को लेकर ब्रिटेन की संसद ने टिप्पणी की है। ब्रिटिश संसद के सिख सांसद तनमनजीत सिंह ने कहा कि किसानों की अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जानी चाहिए। पूरे यूरोप में किसानों का आंदोलन चल रहा है। लेकिन ब्रिटिश सिख सांसद को दूर देश भारत का किसान आंदोलन दिखाई पड़ रहा है। पूरे यूरोप में किसान सरकार से नाराद हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन पर नया दबाव बनाने के लिए किसानों ने मध्य पेरिस में ट्रैक्टर लेकर पहुंच गए।

ब्रिटेन की संसद को संबोधित करते हुए तनमनजीत सिंह डेसी ने कहा कि सिख समुदाय और गुरुद्वारों के सदस्यों सहित मेरे कई घटकों ने नई दिल्ली की ओर मार्च करने के प्रयास में प्रदर्शनकारी किसानों की सुरक्षा के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं के बारे में मुझे लिखा है। सिंह ने सदन को बताया कि पुलिस के साथ कथित गतिरोध के दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, सिर में गोली लगने का घाव जिसमें मौत का कारण था।

ब्रिटेन के छाया निर्यात मंत्री ढेसी ने यह भी कहा कि एक्स को भारत सरकार द्वारा कृषि विरोध कार्यकर्ताओं के हैंडल हटाने के लिए मजबूर किया जा रहा था। उन्होंने यह बताने के लिए बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकारों÷ के लिए अपनी चिंता पर भी जोर दिया। तो, क्या एलओएच मुझसे सहमत हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए, और सरकार ने इस आशय के लिए अपने भारतीय समकक्षों को क्या प्रतिनिधित्व दिया है?

ये हमारे लिए पसंद बनाने का समय, गृह राज्य में वोटर्स से निक्की हेली ने की खास अपील

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण प्राथमिक चुनावों की पूर्व संध्या पर दक्षिण कैरोलिना में साथी रिपब्लिकन के सामने एक आकर्षक तर्क दिया, उनके कई समर्थकों ने कहा कि वह इस समय अमेरिका के लिए सबसे अच्छा दांव हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर उनके गृह राज्य दक्षिण कैरोलिना में उनकी राजनीतिक रैली में भाग लेने वाले कई भारतीय अमेरिकियों ने कहा कि हेली संयुक्त राज्य अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छी व्यक्ति होंगी। यह देखते हुए कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 22 प्रतिशत से अधिक अंकों से आगे चल रहे हैं, इन भारतीय अमेरिकियों को भरोसा था कि 52 वर्षीय हेली शनिवार के बाद अपना राष्ट्रपति अभियान जारी रखेंगी और जीओपी सम्मेलन तक जाएंगी।

यहां तक ??कि दक्षिण कैरोलिना की दो बार पूर्व गवर्नर हेली ने दक्षिण कैरोलिना में ट्रंप के साथ अंतर को पाट दिया है - जो एक बार 30 प्रतिशत से अधिक था, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उन्हें लगभग नजरअंदाज कर दिया है और उनका मानना ??है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनके पूर्व बॉस रिपब्लिकन पार्टी के अंतिम उम्मीदवार होंगे। हेली और उनकी टीम ऐसा नहीं मानती। आम चुनाव में आपको एक विकल्प दिया जाता है। प्राथमिक चुनाव में आप अपनी पसंद बनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत हेली ने शनिवार के रिपब्लिकन प्राइमरी से पहले दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन में पैट्रियट्स पॉइंट साइट पर सैकड़ों की संख्या में मौजूद अपने समर्थकों से कहा कि %यह हमारे लिए अपनी पसंद बनाने का समय है।

उन्होंने कहा कि हम या तो ऐसा ही और अधिक कर सकते हैं और ऐसा ही केवल जो बिडेन ही नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प भी कर सकते हैं, या हम एक नई पीढ़ी के नेता का चुनाव कर सकते हैं जो भविष्य के लिए समाधानों के साथ हमें आगे ले जाएगा। मीडिया में कुछ लोगों ने सोचा कि मैं दौड़ से बाहर हो जाऊंगा। मैं नहीं हूँ। इससे बहुत दूर।

अमीषा ने किया खुलासा मैं शादीशुदा हूं

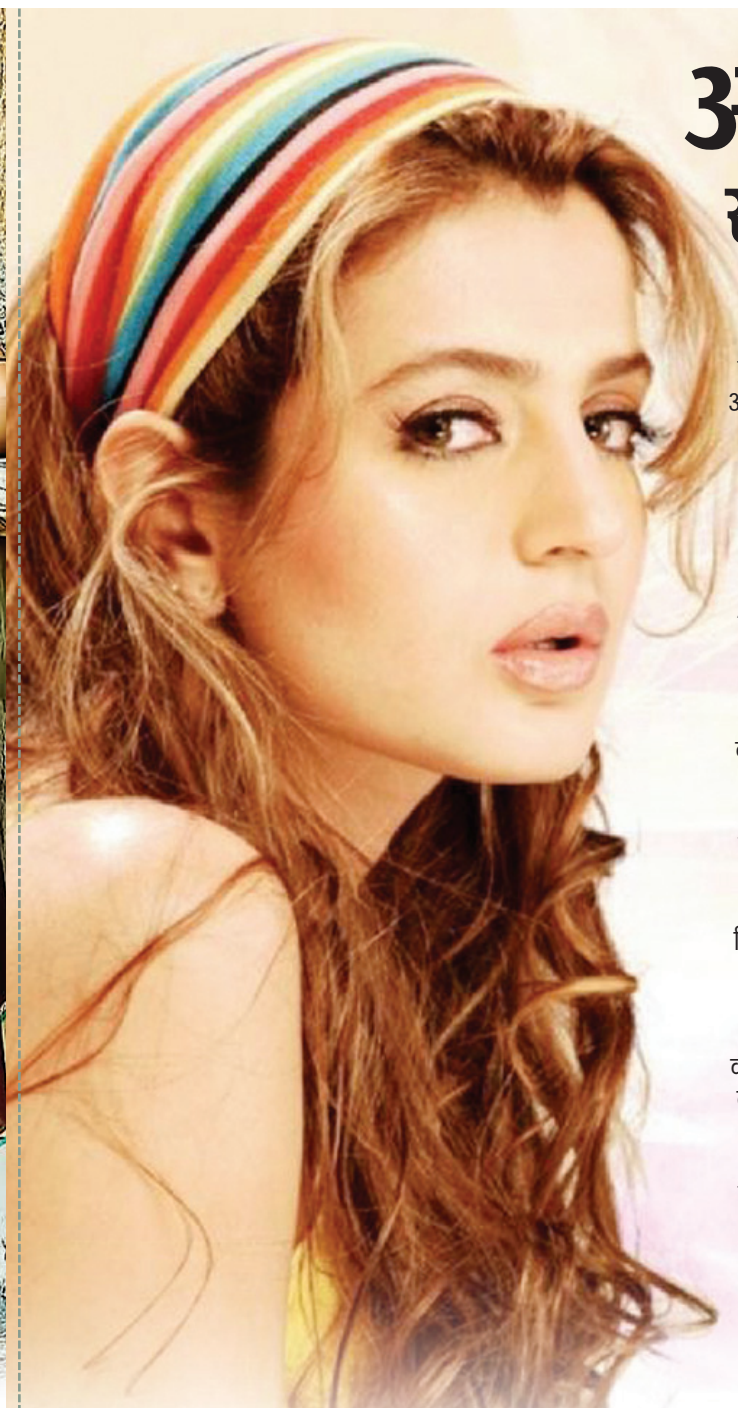

अमीषा पटेल ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में बताया कि वह शादीशुदा हैं और टॉम क्रूज को अपना पति मान चुकी हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल अकसर ही किसी ना किसी वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं। अमीषा को उनकी शानदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है। उन्होंने वह 'कहो ना प्यार है', 'गदर' और 'गदर 2' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में नजर आ चुकीं हैं।

एक्ट्रेस के लिए साल 2023 काफी लकी साबिक हुआ क्योंकि उनकी फिल्म 'गदर-2' रिलीज हुई थी और यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। बड़े पर्दे पर अमीषा पटेल और सनी देओल की जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। 'गदर 2' के बाद एक बार फिर उनका करियर पटरी पर आ गया है। वहीं अब हाल ही में उन्होंने हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने बताया कि वो शादीशुदा हैं। यही नहीं उन्होंने उस शख्स का नाम भी बताया है। उन्होंने कब और कहां शादी की है इसका खुलासा भी किया है। आखिर क्या है पूरा मामला आइए आपको बताते हैं।

शादीशुदा हैं अमीषा

अमीषा पटेल ने हाल ही में बातचीत के दौरान बताया कि मैं शादीशुदा हूं। असल जिंदगी में मैंने भले ही शादी ना की हो लेकिन मैं एक शख्स को बेहद प्यार करती हूं और उनसे मैं अपना पति मान चुकी हूं। हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज को मैं बेहद पसंद करती हूं। मैं उन पर अपनी जान छिड़कती हूं। टॉम को मैं अपने दिल और दिमाग दोनों से ही पति मान चुकी हूं। अब वो ही मेरे लिए सब कुछ हैं। अमीषा के इस बयान ने सभी को हैरान कर दिया है।

टॉम क्रूज के लिए पहले भी कह चुकी हैं ये बात

हालांकि ये पहली बार नहीं है जब अमीषा पटेल ने हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज को लेकर अपना प्यार इजहार किया है। इससे पहले भी वो कई इंटरव्यू में टॉम क्रूज के साथ काम करने की इच्छा जाहिर कर चुकी हैं। एक्ट्रेस यह कबूल कर चुकी हैं कि वो हॉलीवुड स्टार की बहुत बड़ी फैन हैं और अगर उन्हें मौका मिलता तो वो उनसे शादी कर लेतीं। एक्ट्रेस ने ये भी बताया था कि उनके कमरे में एक्टर के पोस्टर लगे हुए हैं। बता दें कि अमीषा पटेल ने साल 2000 में फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसमें ऋतिक रोशन नजर आए थे।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी फिल्म का एलान, फिर दिखेगी वरुण-जान्हवी की जोड़ी

फिल्म निर्माता करण जौहर इन दिनों अपनी सीरीज लव स्टोरियां को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। अब करण एक के बाद एक अपने फिल्मी प्रोजेक्ट लॉन्च कर रहे हैं। आज 22 फरवरी के खास मौके पर करण ने अपने फैंस को एक खास तोहफा दिया है। फिल्म मेकर ने अपने आगामी प्रोजेक्ट की घोषणा कर दी है। इस फिल्म में फैंस को बवाल के बाद एक बार फिर वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी देखने को मिलेगी। फिल्म का नाम सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी है।

करण ने किया अपने नए प्रोजेक्ट का एलान

करण जौहर ने वरुण धवन और जाह्नवी के साथ फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का एलान किया है और इसकी जानकारी करण ने 21 फरवरी को अपने एक पोस्ट में दी थी कि वह 22 फरवरी को कुछ नया लाने जा रहे हैं। फिल्म ने वरुण धवन सनी संस्कारी का रोल प्ले करेंगे और जाह्नवी कपूर बनेंगी तुलसी कुमारी। फैंस को फिल्म का टाइटल काफी पसंद आ रहा है और वे जल्द फिल्म के टीजर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वरुण-जान्हवी की जोड़ी मचाएगी धमाल

यह जोड़ी पहले शशांक खेतान की फिल्म रणभूमि में काम करने वाली थी। हालांकि, इस परियोजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। आखिरी बार शशांक खेतान ने फिल्म गोविंदा नाम मेरा के लिए निर्देशक की भूमिका निभाई थी, जो 2022 में सीधे डिज्नी + हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी। इसमें विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बेबी जॉन को लेकर चर्चा में हैं वरुण

इस बीच, वरुण की अपनी अगली बहुप्रतीक्षित फिल्म बेबी को लेकर चर्चा में चल रहे हैं है । फिल्म का निर्माण जवान निर्माता एटली कुमार ने किया है और इसका निर्देशन कलीस ने किया है। बेबी जॉन पहली बार वरुण किसी मसाला एक्शन फिल्म में नजर आएंगे, जो 31 मई 2024 को रिलीज होगी।

राहुल गांधी के बयान पर भड़कीं सोना मोहपात्रा

मशहूर सिंगर सोना मोहपात्रा अपने बेबाक और बिंदास अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह मनोरंजन, राजनीतिक और सामाजिक हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं। हाल ही में उनका गुस्सा कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर फूटा। दरअसल, राहुल गांधी ने हाल ही अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान ऐश्वर्या राय को लेकर एक कमेंट कर दिया जिससे फैंस भड़क गए। उन्होंने अमिताभ बच्चन का भी जिक्र किया। फैंस के बाद अब सोना मोहपात्रा ने भी राहुल गांधी को आड़े हाथों ले लिया। सोना मोहपात्रा ने राहुल गांधी को इस बात के लिए खूब खरी-खोटी सुना दी क्योंकि अपने भाषण में ऐश्वर्या राय का नाम घसीट लिया। सिंगर ने अपने अकाउंट पर लिखा- कुछ फायदा पाने के लिए नेता अपने भाषणों में महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं, इसका क्या कारण है प्रिय राहुल गांधी, निश्चित रूप से किसी ने अतीत में आपकी मां (सोनिया गांधी), बहन (प्रियंका गांधी) को इसी तरह अपमानित किया गया है और आपको बेहतर पता होना चाहिए साथ ही ऐश्वर्या राय बेहतरीन डांस भी करती हैं।

राहुल गांधी ने कही थी ये बात

राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में उन लोगों को नहीं देखा गया, जो असल में देश चलाते हैं। बल्कि वहां अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय दिखे। राहुल गांधी ने सभी मीडिया हाउस पर सवाल उठाते हुए यह भी कहा था कि ये सभी वही करते हैं जो इनके मालिक करते हैं। ये गरीबों और किसानों को नहीं दिखाएंगे। पर ऐश्वर्या को नाचते हुए दिखाना है। अमिताभ बच्चन को दिखाना है।

ज्योतिष के चलते दिव्या खोसला ने हटाया कुमार सरनेम

भूषण कुमार और दिव्या खोसला कुमार को लेकर हाल ही में ऐसी खबर आई कि सभी परेशान हो गए। एक्ट्रेस ने दरअसल, अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भूषण का सरनेम कुमार हटा दिया है और उन्होंने भूषण की कंपनी टी सीरीज को भी अनफॉलो कर दिया है। इसके बाद लोग अनुमान लगाने लगे कि शायद दोनों के बीच कुछ सही नहीं है। इतना ही नहीं तलाक तक की बात आने लगी थी। हालांकि दिव्या, भूषण कुमार का पर्सनल अकाउंट फॉलो कर रही हैं। वहीं जूम की रिपोर्ट के मुताबिक भूषण की टीम ने इन खबरों को गलत बताया है। टी सीरीज के स्पोकपर्सन ने कहा कि दिव्या ने ज्योतिषीय वजह से सरनेम हटाया है। यह उनका पर्सनल फैसला था जिसकी लोगों को रिस्पेक्ट करनी चाहिए। इसके अलावा दिव्या ने अपने शादी से पहले वाले सरनेम में एक और एस लगाया है तो यह सब ज्योतिषीय वजह है और कुछ नहीं। वैसे इस खबर को सुनकर फैंस थोड़ा रिलैक्स हो जाएंगे क्योंकि कोई नहीं चाहता था कि इतना प्यारा कपल अलग हो। दिव्या और भूषण की शादी को 19 साल हो गए हैं और दोनों का एक बेटा भी है जिसे वे बहुत प्यार करते हैं। फिल्म अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों की शूटिंग के दौरान दिव्या और भूषण एक-दूसरे से मिले। भूषण, दिव्या को देखते ही उनकी खूबसूरती के दीवाने हो गए थे। दिव्या जानती थी कि भूषण की टी सीरीज कंपनी है और दोनों का कोई मैच नहीं इसलिए वह उनके क्लोज नहीं आई। लेकिन भूषण ने पूरी कोशिश दी दिव्या का दिल जीतने की। भूषण ने दिव्या को फिर अपनी बहन की शादी में इन्वाइट किया जहां एक्ट्रेस के पैरेंट्स उनसे मिले। उन्हें भूषण काफी पसंद आए क्योंकि इतने बड़े शख्स होने के बाद भी वह काफी सिंपल थे। दिव्या की मां ने एक्ट्रेस को भूषण से शादी करने के लिए मनाना शुरू कर दिया। तब तक वह भी भूषण को पसंद करने लगी थीं और इसके बाद दोनों की शादी हो गई।

नथिंग के नए ब्रांड एंबेसडर बने रणवीर

लंदन स्थित उपभोक्ता प्रौद्योगिकी ब्रांड नथिंग ने बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। एक्टर अब नथिंग स्मार्टफोन का चेहरा होंगे और ब्रांड के आगामी अभियानों में नजर आएंगे। रणवीर ने कहा, स्मार्टफोन इंडस्ट्री में नथिंग की प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। मैं नथिंग के साथ इस सहयोग पर कुछ नया करने का इंतजार नहीं कर सकता।

अभिनेता नथिंग फोन के लिए डिजिटल, प्रिंट और टीवीसी अभियानों में काम करेंगे। नथिंग के सह-संस्थापक अकीस इवेंजेलिडिस ने कहा, भारतीय बाजार में हमारी महत्वाकांक्षाएं दि-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। यहां विनिर्माण स्थापित करने और देश भर में कई सेवा केंद्र खोलने के बाद यह साझेदारी हमारे ब्रांड को और आगे बढ़ाने के लिए एक स्वाभाविक अगला कदम है। नथिंग अपने आगामी स्मार्टफोन, फोन (2ए) को 5 मार्च को भारत में लॉन्च करने के लिए तैयार है। इस हफ्ते की शुरुआत में कंपनी ने बताया था कि फोन (2ए) में मीडियाटेक के साथ को-इंजीनियर्ड कस्टम डाइमेंशन 7,200 प्रो प्रोसेसर होगा। 2020 में स्थापित नथिंग ने अब तक तीन ऑडियो उत्पाद, दो स्मार्टफोन और पिछले साल सितंबर तक एक उप-ब्रांड- सीएमएफ बाय नथिंग जारी किया है।

लाहौर 1947 का हिस्सा बने अली फजल

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म लाहौर 1947 बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म में सनी देओल के साथ कई दिग्गज सितारे दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे। इन दिनों लगातार फिल्म से जुड़ी नई जानकारियां सामने आ रही हैं।

हाल ही में अभिमन्यु सिंह और मोना सिंह के इस फिल्म में शामिल होने की खबर आई थी। वहीं अब एक और बॉलीवुड अभिनेता इस फिल्म में अपने अभिनय का जलवा दिखाने को तैयार है, जो अब फिल्म के कलाकारों में शामिल हो चुके हैं। दरअसल, वह अभिनेता अली फजल हैं। खबरें आ रही हैं कि लाहौर 1947 में अब अली फजल भी शामिल हो चुके हैं। कहा जा रहा है कि अली फजल इस फिल्म में सनी देओल के साथ अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। इससे पहले खबर आई थी कि अभिनेता अभिमन्यु सिंह फिल्म में शामिल हुए हैं। वे इस फिल्म में सनी देओल के खिलाफ खलनायक की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं, अब फिल्म के कलाकारों में अली फजल का शामिल होना रोमांचक है।

दलपति विजय के बेटे जेसन निर्देशन में करेंगे डेब्यू, दुलकर सलमान निभाएंगे मुख्य भूमिका!

जेसन संजय की इस फिल्म में दुलकर सलमान के अलावा ध्रुव विक्रम और विजय सेतुपति की भी मुख्य भूमिका होने की चर्चा है। फिल्म में निर्देशक शंकर की बेटी अदिति शंकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। साउथ सुपरस्टार थलपति विजय के बेटे जेसन संजय के अब निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखने जा रहे हैं। अपनी पहली फिल्म के लिए उन्होंने दुलकर सलमान को मुख्य भूमिका के लिए चुना है। गौरतलब है कि संजय ने साल 2009 में अपने पिता विजय के साथ फिल्म वेट्टाइक्करन में ऑन-स्क्रीन डेब्यू किया था। अब 14 साल बाद जेसन निर्देशन की शुरुआत करने जा रहे हैं। बीते साल ही लाइका प्रोडक्शन हाउस ने इसकी जानकारी दी थी। अब चर्चा है कि जेसन संजय की पहली फिल्म में दुलकर सलमान मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं। फिल्म में ध्रुव विक्रम और विजय सेतुपति की भी मुख्य भूमिका निभाने की चर्चा है। इसके अलावा खबर यह भी सामने आ रही है कि फिल्म में निर्देशक शंकर की बेटी अदिति शंकर भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। वहीं, एआर रहमान के बेटे एआर अमीन इस फिल्म में संगीत देंगे। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं, अगर दुलकर सलमान के आगामी फिल्मों की बात करें तो वे वेंकी एटलुरी की फिल्म लकी बस्खर में नजर आने वाले हैं। हाल ही में मेकर्स ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया था। इसके अलावा दुलकर मणिरत्नम की फिल्म ठग लाइफ का भी हिस्सा हैं। फिल्म में तृषा कृष्णन, जयम रवि, जोजू जॉर्ज, गौतम कार्तिक जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं।